



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 26, 1977/चैत्र 5, 1899
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 26, 1977/CHAITRA 5, 1899

इस भाग में सिम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India

(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities

(other than the Administrations of Union Territories)

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1977

का० आ० 902.—खण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा बम्बई के अधिवक्ता, श्री वी० डी० मंगडे को विशेष पुलिस स्थापना के रेगुलर-केस नम्बर 2/71-एफ एम-(1) में अभियुक्त श्री एन० बी० शाह के विरुद्ध सेशन कोर्ट, बम्बई, में अभियोजन का संचालन करने के लिए विशेष लोक-अभियोजक नियुक्त करती है।

[सं० 225/15/77-ए०बी०डी०-II]

एम० डी० गुप्ता, अव्वर सचिव

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 10th March, 1977

S.O. 902.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure,

1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri V. D. Mengade, Advocate, Bombay, as a Special Public Prosecutor for conducting the prosecution of the accused Shri N. B. Shah, in Special Police Establishment Regular Case No. 2/71-FS(I), in the Court of Sessions, Bombay.

[No. 225/15/77-AVD. II]

S. D. GUPTA, Under Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1977

आदेश

का० आ० 903.—केन्द्रीय सरकार, भारत रक्षा और आंतरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 (1971 का 42) की धारा 34 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि कमाण्डेंट, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल मद्रास बन्दरगाह, भारत रक्षा और आंतरिक सुरक्षा नियम, 1971 के नियम 7 और नियम 52 द्वारा, मद्रास पत्तन क्षेत्र की बाबत, जो तामिलनाडु सरकार को अधिसूचना सं० 11(1) पी० यू० एम० सी०/233सी०/76; तारीख 4 जून, 1976 में, प्रतिषिद्ध स्थान के रूप में विनिर्दिष्ट किया गया है, केन्द्रीय सरकार को प्रदत्त शक्तियों का भी प्रयोग करेंगे।

[सं० 11/21019/4/77-एम० एण्ड पी०(डी० II)]

(1111)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 4th March, 1977

ORDER

S.O. 903.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 34 of the Defence and Internal Security of India Act, 1971 (42 of 1971), the Central Government hereby directs that the powers conferred on it by rules 7 and 52 of the Defence and Internal Security of India Rules, 1971, shall, in respect of the Madras Port Area specified as a prohibited place in the notification of the Government of Tamilnadu No. II (1)PUSC/233. C/76, dated the 4th June, 1976, be also exercisable by the Commandant, Central Industrial Security Force, Madras Harbour.

[No. II/21019/4/77-S&P(D. II)]

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1977

आदेश

क्र० आ० 904.—केन्द्रीय सरकार, भारत रक्षा और आंतरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 (1971 का 42) की धारा 34 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि त्रिचिरापल्ली जिले में स्थित भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, त्रिचिरापल्ली जो तमिलनाडु सरकार को अधिसूचना से डब्ल्यू० बी०/1285-81/73 तारीख 16 सितम्बर, 1974 में प्रतिष्ठित स्थान के रूप में निर्दिष्ट किया गया है की भारत रक्षा और आंतरिक सुरक्षा नियम, 1971 के नियम 7 और 52 द्वारा केन्द्रीय सरकार को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग भी मुख्य सुरक्षा अधिकारी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, त्रिचिरापल्ली द्वारा किया जा सकेगा।

[संख्या II/21019/5/75-एस०एण्ड पी० (बी०-2)]

सुरेश चन्द्र वैश्य, निदेशक

New Delhi, the 14th March, 1977

ORDER

S.O. 904.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 34 of the Defence and Internal Security of India Act, 1971 (42 of 1971), the Central Government hereby directs that the powers conferred on it by rules 7 and 52 of the Defence and Internal Security of India Rules, 1971, shall, in respect of the Bharat Heavy Electricals Limited, Tiruchirapalli, in Tiruchirapalli District which is specified as a prohibited place in the notification of the Government of Tamilnadu No. WB/1285-8/73, dated the 16th September, 1974, be exercisable also by the Chief Security Officer, Bharat Heavy Electricals Limited, Tiruchirapalli.

[No. II/21019/5/75-S&P(D. II)]

S. C. VAISH, Director

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1977

नोटिस

क्र० आ० 905.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणिक नियम (नोटरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी श्री रघुबीर सिंह कुलहार, एडवोकेट, श्री पद्मे सिंह शर्मा, चिट्ठावा (राजस्थान) ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, चिट्ठावा और खेतरी महमूल में लेख्य प्रमाणिक (नोटरीज) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणिक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियाँ हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिनों के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[संख्या 22/75/न्यायिक-3]

प्रार० वासुदेवन, सक्षम अधिकारी और उप-सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Deptt. of Justice)

New Delhi, the 5th March, 1977

NOTICE

S.O. 905.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Raghbir Singh Kulhar, Advocate, Shri Panney Singh Sadan, Chirawa, Distt. Jhunjhunu, Rajasthan for appointment as a Notary to practice in Chirawa and Khetri Tehsils.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. 22/75/76-Jus.]

R. VASUDEVAN, Dy. Secy.

and Competent Authority

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1977

आय-कर

क्र० आ० 906.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री बी० बी० यादवाकर को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री बी० बी० यादवाकर के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रवृत्त होगी।

[सं० 1652/का०सं० 404/28/77-आई०टी०सी०सी०]

एच० वेंकटरामन, उप-सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Banking)

New Delhi, the 8th February, 1977

INCOME-TAX

S.O. 906.—In exercise of the powers conferred under sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri B. V. Yawalkar, who is a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of the Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri B. V. Yawalkar takes over as Tax Recovery Officer.

[No. 1652/F. No. 404/28/77-ITCC]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

(बैंकिंग पक्ष)

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1977

क्रा० आ० 907.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री सिद्धेश्वर सेन शर्मा को उत्तर बंग क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 7 मार्च, 1977 से प्रारम्भ होकर 31 अगस्त, 1977 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसमें श्री सिद्धेश्वर सेन शर्मा, अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं० एफ० 4-141/76-ए० सी०]

(Banking Wing)

New Delhi, the 7th March, 1977

S.O. 907.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Siddheswar Sen Sarma as the Chairman of the Uttar Banga Kshetriya Gramin Bank, Cooch Behar and specifies the period commencing on the 7th March, 1977 and ending with the 31st August, 1977 as the period for which the said Shri Siddheswar Sen Sarma shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-141/76-AC]

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1977

क्रा० आ० 908.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री टी० आर० कल्लपीरन को पण्डियन ग्राम बैंक सत्तुर का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 9 मार्च, 1977 से प्रारम्भ होकर 31 अगस्त, 1977 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसमें उक्त श्री टी० आर० कल्लपीरन अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं० एफ० 4-140/76-ए० सी०]

New Delhi the 9th March, 1977

S.O. 908.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby, appoints Shri T. R. Kallapiran as the Chairman of the Pandyan Grama Bank, Sattur and specifies the period commencing on the 9th March, 1977 and ending with the 31st August, 1977 as the period for which the said Shri T. R. Kallapiran shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-140/76-AC]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1977

क्रा० आ० 909.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री एन० के० सिन्हा की वैशाली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 10 मार्च, 1977 से प्रारम्भ होकर 31 अगस्त, 1977 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसमें श्री एन० के० सिन्हा अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं० एफ० 4-135/76-ए० सी०]

के० पी० ए० मेनन, अपर सचिव

New Delhi, the 10th March, 1977

S.O. 909.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri N. K. Sinha as the Chairman of the Vaishali Kshetriya Gramin Bank, Muzaffarpur and specifies the period commencing on the 10th March, 1977 and ending with the 31st August, 1977 as the period for which the said Shri N. K. Sinha shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-135/76-AC]

K. P. A. MENON, Additional Secy.

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1977

क्रा० आ० 910.—बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिज़र्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 31 के उपबन्ध, नीचे दी गयी अनुसूची में उल्लिखित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों पर, जो प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 (1976 का 21) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन स्थापित किये गये हैं, उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहाँ तक कि उक्त धारा के अधीन लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट सहित 31 दिसम्बर, 1976 और 31 दिसम्बर, 1977 के समाप्त वर्षों के तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि लेखों का प्रकाशन प्रपेक्षित है।

अनुसूची

| क्रम सं० | क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का नाम |
|----------|---|
| 1 | 2 |
| 1. | संयुक्त क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भाजमगढ़ (उत्तर प्रदेश)। |
| 2. | क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, हाथगावा (मध्य प्रदेश)। |
| 3. | तुंगभद्रा ग्रामीण बैंक, बेल्सारी (कर्नाटक)। |
| 4. | पुरी ग्राम्य बैंक, पिपली (उड़ीसा)। |
| 5. | जम्मू रूरल बैंक, जम्मू (जम्मू व काश्मीर)। |
| 6. | चम्पारन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, मोतीहारी (बिहार)। |
| 7. | बाराबंकी ग्रामीण बैंक, बाराबंकी (उ० प्र०)। |
| 8. | गुडगांव ग्रामीण बैंक, गुडगांव, (हरियाणा)। |
| 9. | रायबरेली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, रायबरेली (उ० प्र०)। |
| 10. | फर्रुखाबाद ग्रामीण बैंक, फर्रुखाबाद (उ० प्र०)। |
| 11. | मल्लभूम ग्रामीण बैंक, बांकूरा (पश्चिम बंगाल)। |
| 12. | बोलंगीर ग्राम्य बैंक, बोलंगीर (उड़ीसा)। |
| 13. | तामार्जुन ग्रामीण बैंक, खम्माम (आंध्र प्रदेश)। |
| 14. | प्रायज्योतिष गार्गोलिया बैंक, नलवाडी (भ्रसम)। |
| 15. | रायलसीमा ग्रामीण बैंक, कुड्डापेट्ट (आंध्र प्रदेश)। |
| 16. | मालप्रभा ग्रामीण बैंक, धारवार (कर्नाटक)। |
| 17. | मयूरक्षी ग्रामीण बैंक, मुरी, (पश्चिम बंगाल)। |
| 18. | मराठवाड़ा ग्रामीण बैंक, नांदेड़ (महाराष्ट्र)। |
| 19. | मारवाड़ ग्रामीण बैंक, पाली, (राजस्थान)। |
| 20. | अगीरख ग्रामीण बैंक, सीतापुर (उ० प्र०)। |
| 21. | श्री बिशाख ग्रामीण बैंक, श्रीकाकुलम् (आंध्र प्रदेश)। |
| 22. | कावेरी ग्रामीण बैंक, मंमूर (कर्नाटक)। |
| 23. | शेखवटी ग्रामीण बैंक, सीकर (राजस्थान)। |
| 24. | कटक ग्राम्य बैंक, कटक (उड़ीसा)। |
| 25. | बिलासपुर-रायपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बिलासपुर (मध्य प्रदेश)। |
| 26. | मगध ग्रामीण बैंक, गया (बिहार)। |
| 27. | कोरापुट-पंचवटी ग्राम्य बैंक, जेपूर (उड़ीसा)। |
| 28. | साख्य मलाबार ग्रामीण बैंक, मलपूरम (केरल)। |

| 1 | 2 |
|--|---|
| 29. नार्थ मलाबार ग्रामीण बैंक, कन्नूर (केरल)। | |
| 30. रोवा-सिधी ग्रामीण बैंक, रोवा (मध्य प्रदेश)। | |
| 31. त्रिपुरा ग्रामीण बैंक, अगरतला (त्रिपुरा)। | |
| 32. हिमाचल ग्रामीण बैंक, मंडी (हिमाचल प्रदेश)। | |
| 33. कोसी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, पूर्णिया (बिहार)। | |
| 34. बलिया क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बलिया (उ० प्र०)। | |

[सं० एफ० 4-12/77-ए० सी०]

New Delhi, the 7th March, 1977

S.O. 910.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 31 of the said Act shall not apply to the Regional Rural Banks specified in the Schedule below, established under sub-section (1) of section 3 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), insofar as the said section requires the publication of the balance-sheets and profit and loss accounts together with the Auditors' Reports thereon in respect of the years ending the 31st December, 1976 and 31st December, 1977.

SCHEDULE

| Sr. No. | Name of the Regional Rural Banks |
|---------|---|
| (1) | (2) |
| 1. | Samyukt Kshetriya Gramin Bank, Azamgarh (Uttar Pradesh). |
| 2. | Kshetriya Gramin Bank, Hoshangabad (Madhya Pradesh). |
| 3. | Tungabhadra Gramin Bank, Bellary (Karnataka). |
| 4. | Puri Gramya Bank, Pipli (Orissa). |
| 5. | Jammu Rural Bank, Jammu (Jammu & Kashmir). |
| 6. | Champaran Kshetriya Gramin Bank, Motihari (Bihar). |
| 7. | Bara Banki Gramin Bank, Bara Banki (Uttar Pradesh). |
| 8. | Gurgaon Gramin Bank, Gurgaon (Haryana). |
| 9. | Rae Bareilly Kshetriya Gramin Bank, Rae Bareilly (Uttar Pradesh). |
| 10. | Farrukhabad Gramin Bank, Farrukhabad (Uttar Pradesh). |
| 11. | Mallabhum Gramin Bank, Bankura (West Bengal). |
| 12. | Bolangir Anchalik Gramya Bank, Bolangir (Orissa). |
| 13. | Nagarjuna Grameena Bank, Khammam (Andhra Pradesh). |
| 14. | Pragjyotish Gaonlia Bank, Nalbari (Assam). |
| 15. | Rayalaseema Grameena Bank, Cuddapah (Andhra Pradesh). |
| 16. | Malaprabha Grameena Bank, Dharwar (Karnataka). |
| 17. | Mayurakshi Gramin Bank, Suri (West Bengal). |
| 18. | Marathwada Gramin Bank, Nanded (Maharashtra). |
| 19. | Marwar Gramin Bank, Pali (Rajasthan). |
| 20. | Bhagirath Gramin Bank, Sitapur (U.P.). |
| 21. | Sri Visakha Grameena Bank, Srikakulam (Andhra Pradesh). |
| 22. | Cauvery Grameena Bank, Mysore (Karnataka). |

23. Shekhawati Gramin Bank, Sikar (Rajasthan).
24. Cuttack Gramya Bank, Cuttack (Orissa).
25. Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank, Bilaspur (Madhya Pradesh).
26. Magadh Gramin Bank, Gaya (Bihar).
27. Koraput-Panchabati Gramya Bank, Jeypore (Orissa).
28. South Malabar Gramin Bank, Malappuram (Kerala).
29. North Malabar Gramin Bank, Cannanore (Kerala).
30. Rewa-Sidhi Gramin Bank, Rewa (Madhya Pradesh).
31. Tripura Gramin Bank, Agartala (Tripura).
32. Himachal Gramin Bank, Mandi (Himachal Pradesh).
33. Kosi Kshetriya Gramin Bank, Purnea (Bihar).
34. Ballia Kshetriya Gramin Bank, Ballia (U.P.).

[No. F. 4-12/77-AC]

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1977

क्र० आ० 911.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री० के० पी० लाल का मुगेर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 12 मार्च, 1977 से आरम्भ होकर 31 अगस्त 1977 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसमें के० पी० लाल अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं० एफ० 4-132/76-ए० सी०]

सी० आर० बिस्वास, उप-सचिव

New Delhi, the 12th March, 1977

S.O. 911.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri K. P. Lal as the Chairman of the Monghyr Kshetriya Gramin Bank, Monghyr and specifies the period commencing on the 12th March, 1977 and ending with the 31st August, 1977 as the period for which the said Shri K. P. Lal shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-132/76-AC]

C. R. BISWAS, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1977

क्र० अ० 912.—कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम अधिनियम, 1963 (1963 का 10) की धारा 20 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 10 वर्षों में परिपक्व होने वाले 15 करोड़ रुपये (पन्द्रह करोड़ रुपये) के उन बाण्डों पर देय ब्याज की दर 6 प्रतिशत (छः प्रतिशत) नायिक निर्धारित करती है जो कृषि की पुनर्वित्त और विकास निगम द्वारा 25 से 28 मार्च, 1977 की अवधि में 99.00 रु० प्रतिशत पर जारी किये जायेंगे तथा उक्त की दर से 10 प्रतिशत अधिक तक प्राप्त अश्वान रख लेने का अधिकार निगम को होगा।

[सं० फा० 14-9/77-ए० सी०]

बी० एन० बहादुर, उप सचिव

New Delhi, the 11th March, 1977

S.O. 912.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 20 of the Agricultural Refinance and Development Corporation Act, 1963 (10 of 1963), the Central Government hereby fixes 6 per cent (Six per cent) per annum as the rate

of interest payable on the bonds of Rs. 15 crores (Rupees fifteen crores) to be issued at Rs. 99.00 per cent during the period 25th to 28th March, 1977 with the right to retain subscription received upto 10 per cent in excess of the said amount, with a maturity period of 10 years by the Agricultural Refinance and Development Corporation.

[No. F. 14-9/77-AC]

V. N. BAHADUR, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1977

क्र० आ० 913.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्राप्ति—(1) इन नियमों का नाम प्राग्ज्योतिष गामोलिया बैंक (बॉर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि गन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से प्राग्ज्योतिष गामोलिया बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बॉर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या—एक वर्ष में बॉर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बॉर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जाएगा।

5. अधिवेशनों का स्थान—बॉर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बॉर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1)(क) बॉर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जाएगा।

बॉर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा हम निम्नलिखित विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार का सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत का सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बॉर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बॉर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बॉर्ड का अधिवेशन बुलाएगा।

(2) इस मांग से उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जाएगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम)—बॉर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी :

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बॉर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन :—यदि बॉर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले मप्ताह में उगी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा :

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बॉर्ड द्वारा किए जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गए निदेशकों से भिन्न) को विधिपूर्वक किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार निखरवा किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आवश्यक होगा मानो ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बॉर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हो।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख—(1) (एक) बॉर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें हमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथार्थ्यति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसमें अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आधिकारिक या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जाएगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जाएंगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिए अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।

(5) अधिवेशनों के ये कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं. एफ. 4-33/76-ए.सी. (1)]

New Delhi, the 9th March, 1977

S.O. 913.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and United Bank of India, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Pragjyotish Gaonlia Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Bank Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "Bank" means the Pragjyotish Gaonlia Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the

same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(1)]

का० आ० 914.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और निश्चिद बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम रायलासीमा ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में जब तक कि संदर्भ में अथवा प्रेषित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से रायलासीमा ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जाएगा।

5. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जाएगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पंद्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा हम निम्नलिखित दिनांक पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को समिति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलाएगा।

(2) इस मांग में उक्त प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जाएगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम)—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति बार की होगी:

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन—यदि बोर्ड का अधिवेशन गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन मार्गजतिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो मार्गजतिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उक्त निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उक्त तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किए जाने वाले कारबार को कार्यजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत में बाहर गए निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उक्त निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार व्यक्त किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकर होगा माना ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किए हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम ने सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कार्यजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों का अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें हमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति अध्यक्ष अध्यक्ष निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आक्षिप्त या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख बांधी जाएगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जाएंगी।

(3) जब कोई कारबार या कार्यजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं० एफ० 4-33/76-ए० सी० (2)]

S.O. 914.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Syndicate Bank, hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Rayalaseema Gramseena Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "Bank" means the Rayalaseema Gramseena Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four.

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(2)]

का० अ० 915.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और मिण्टीकेट बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का नाम मालप्रभा ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से मालप्रभा ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या: एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन: अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान: बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची: (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उस सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन: (1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उम प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम) : बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी :

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन : यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए, स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिन तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उम निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उम तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार : (1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और श्राव्यकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उम तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उम मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उम परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख : (1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकी (जिन्हें हममें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आच्छादित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतिया प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी।

155 GI/76—2.

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार रखा जायेगा, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं० एफ० 4-33/76-ए० सी० (3)]

S.O. 915.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Syndicate Bank, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Malaprabha Grameena Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "Bank" means the Malaprabha Grameena Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board :

(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provisions of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.

If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.

- (1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.

- (1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F-4-33/76-AC(3)]

का० आ० 916.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक और यूनाइटेड कमर्शियल बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का नाम मयूराक्षी ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से मयूराक्षी ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या: एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छ. अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन: अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान: बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची: (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निम्नलिखित विनिर्दिष्ट पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिष्कृत की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिष्कृत कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपान अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन: (1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम): बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी।

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मन देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन: यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार: (1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कारजों के परिचालन द्वारा

निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कार्रवार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार स्पष्ट कर दिये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्ध होना मानें ऐसा कार्रवार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम में सभी निदेशकों को संमूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों का अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कार्रवार के अभिलेख: (1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आक्षिप्त या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेंगी।

(3) जब कोई कार्रवार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कार्रवार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं. एफ. 4-33/76-ए. सी. (4)]

S.O. 916.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and United Commercial Bank, hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Mayurakshi Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "Bank" means the Mayurakshi Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the Meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board :

(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday at the same time and place.

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.

(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.

- (1) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initiated or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(4)]

का०आ० 917.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक आफ महाराष्ट्र के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम मराठ वाड़ा ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. इन नियमों में, जब तक कि मन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
 - (क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।
 - (ख) 'बैंक' से मराठवाड़ा ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।
 - (ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।
3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या: एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।
4. अधिवेशनो का संयोजन:—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।
5. अधिवेशनों का स्थान:—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।
6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची: (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।
 - (ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आगत अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन:—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम): बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी:

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन: यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा:

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार: (1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निविष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संमूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अधिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अधिलेख:—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा हस्ताक्षरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं० एफ० 4-33/76-ए० सी० (5)]

S.O. 917.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Bank of Maharashtra, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Marathwada Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Marathwada Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board :

(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.

If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.

(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.

(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

कां०अ० 918.—प्रारंभिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक और स्टेट बैंक आफ़ बीकानेर एण्ड जयपुर के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ. (1) इन नियमों का नाम 'ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977' है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) 'अधिनियम' से प्रारंभिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से सार्वजनिक ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छ. अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान: बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची. (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निम्नलिखित विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत की संमति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन: (1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाया गया है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से हफ्ता की संख्या के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति: (1) (क) बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी।

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन: यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए, स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई अनिदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार: (1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागज़ों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आवश्यक होगा मानो ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागज़ों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख: (1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आक्षरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागज़ों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का माध्य होंगे।

[सं० एफ० 4-33/76-ए० सी० (6)]

S.O. 918.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of Bikaner and Jaipur, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Marwar Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "Bank" means the Marwar Gramin Bank;

(c) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board :

(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.

If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday at the same time and place :

Provided that where a director is not present at the meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, be-

fore the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.

(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the Circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decision on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.

(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(6)]

का० आ० 919.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और एलाहाबाद बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम भगीरथ ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. ये इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम', से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से भगीरथ ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या:—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन:—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान:—बोर्ड के अधिवेशन बैठक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची:—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कर से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा दिये निमित्त त्रिनिदिष्ट पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि वीट का आपात अधिवेशन बलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन:—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उक्त प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से हफ्ताभित्त दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम):—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी।

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन।

यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार:—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किए जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उप-नियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी

और आवश्यक होगा मानो ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हो।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाना है तो उप परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख:—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशन के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसमें अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्यक्षरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियाँ प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों के माध्य होंगे।

[सं० एक० 4-33/76-ए० सी० (7)]

S.O. 919.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Allahabad Bank, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Bhagirath Gramin Bank Meetings of Board Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Bhagirath Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.
- (d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board :

- (1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation :

- (1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (i) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC (7)]

का० आ० 920.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम श्री विशाख ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जय तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से श्री विशाख ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम गणना—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर निमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित वेक में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिष्कारित की जायेगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिष्कारित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से एक सप्ताह के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम)—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी :

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अवकाश मन देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन

यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा :

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और प्राबल्यकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अंतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हो।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन-परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्य-वृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिम्मे अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आक्षेपित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्य-वृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं० एफ० 4-33/76-ए० सी० (8)]

S.O. 920.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of India, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be cited the Sri Visakha Gramena Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Sri Visakha Gramena Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four:

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1)(a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initiated or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(8)]

क्र० आ० 921.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक आफ़् बीमूर के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम कावेरी ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से कावेरी ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को सम्पत्ति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम)—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी:

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा:

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निर्देशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निर्देशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निर्देश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निर्देशकों (भारत से बाहर गये निर्देशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निर्देशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हो, उसी प्रकार प्रभावी और आवश्यक होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निर्देशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अंतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निर्देशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्य-वृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें हममें हमके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथान्यति, अध्यक्ष अथवा निर्देशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आक्षेपित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्य-वृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निर्देशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं० एक० 4-33/76-ए० सी० (9)]

S.O. 921.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of Mysore, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Cauvery Grammeena Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Cauvery Grammeena Bank;

(c) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four:

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initiated or signed by the Chairman or the director, as the case may be who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The Minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded there-in.

[No. F. 4-33/76-AID(9)]

का० आ० 922 —प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम शेखावटी ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से शेखावटी ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या:—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन:—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान:—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कार्रबार की सूची:—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए, प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेगी

और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कार्रबार की सूची उस सूचना के साथ ही परिष्कृत की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिष्कृत कार्रबार की सूची में किसी कार्रबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत की मम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आगत अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन:—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से हक्कींग दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कार्रम):—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी:

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन:—

यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कार्रबार:—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कार्रबार को कामजोरों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों में भिन्न) को निश्चित किया जा सकता है।

(2) कोई भी कार्रबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, अत्योंते अपने विचार लेखबद्ध किये हो, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्ध कर होगा मानो ऐसा कार्रबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हो।

(1) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसृष्ट किया जाएगा।

(5) कागज़ों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11 कारबार के अभिलेख :—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्य-वृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की है, द्वारा आदयक्षरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्य-बाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्य-वृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निवेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागज़ों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख को अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के ये कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यबाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं० एक० 4-33/76 ए०सी० (10)]

S.O. 922.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (2 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Punjab National Bank hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Shekhawati Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Shekhawati Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board

except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book)

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded there-in.

[No. F. 4-33/76-AC(10)]

का० आ० 923.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और यूनाइटेड कमिश्नियल बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ —(1) इन नियमों का नाम कटक ग्राम्य बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से कटक ग्राम्य बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या.—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन.—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान.—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार की सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन.—(1) अध्यक्ष इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से हफ्ता दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कौम) —बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी।

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन.—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले मन्हा में उसी दिन, उस स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख का अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार.—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार की कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निश्चित किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रस्तावी और प्राबद्धकर होगा माना ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अंतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख.—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा प्राबद्धित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखा जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

S.O. 923.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and United Commercial Bank, hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Cuttack Gramya Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Cuttack Gramya Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four:

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1)(a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(11)]

क्र० आ० 924.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक आफ इंडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम बिलासपुर-रायपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि मन्दर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से बिलासपुर-रायपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या.—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन.—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान.—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची.—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात् अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7 बोर्ड का विशेष अधिवेशन:—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से हक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम).—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी :

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन.—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा :

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार.—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कांग्रेसों के परिचालन द्वारा निदेशकों, (भारत में बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकर होगा मानो ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अंतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कांग्रेसों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख.—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथामिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आक्षरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेंगी।

(3) जब कोई कारबार या कांग्रेसों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख का अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रतिलिपि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों के साक्ष्य होंगे।

[सं० एफ० 4-33/76-ए० सी० (12)]

S.O. 924.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of India, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1)(a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(12)]

का० आ० 928.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) को धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और पंचायत नेशनल बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम मगध ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से मगध ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या.—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन.—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान.—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची.—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा दत्त निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उस सूचना के साथ ही परिष्कृत की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिष्कृत कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन.—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम).—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी :

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन.—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले मन्दाई में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन गार्हजतिक अवकाश-दिन हो तो उससे अगले दिन, जो गार्हजतिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निर्देशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उसी पूर्व उस निर्देशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार :—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निर्देश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कारगजों के परिचालन द्वारा निर्देशकों (भारत में ब्राह्मण गये निर्देशकों में मिस्र) को निरूपित किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निर्देशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखवद्ध किये हो, उसी प्रकार प्रभावी और आवश्यक होगा मानो ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निर्देशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम में सभी निर्देशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कारगजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख :—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकी (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निर्देशक जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आशुक्षरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन का समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतिया प्रत्येक निर्देशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कारगजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारगज के अभिलेख को अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के ये कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अन्तर्गत रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों के साक्ष्य होंगे।

[सं. एक 4-33/76-ए. सी. (13)]

S.O. 925.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Punjab National Bank, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Magadh Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Magadh Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four:

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(13)]

क्रा० आ० 926.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम कोरापुट-पंचवटी ग्राम्य बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से कोरापुट-पंचवटी ग्राम्य बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या :—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन :—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान :—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची :—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पंद्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट पते पर भेजी जायेगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उस सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन :—(1) अध्यक्ष, उम्र प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होते पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उम्र प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से शकाम दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम) :—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी:

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन :—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उमी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए, स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, यथा अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार :—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कारगजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत में बाहर गये निदेशकों में भिन्न) को निश्चित किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्ध कर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अंतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को समूचित किया जाएगा।

(5) कारगजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।

11. कारबार के अभिलेख :—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इनमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का दूर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की है द्वारा अधिष्ठात या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र उन कार्य-वृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेंगी।

(3) जब कोई कारवाय या कार्रवाई के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारवाय के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।

(5) अधिवेशनों के ये कार्यवृत्त जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अधिष्ठात कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[गणपत फा 4-33/76-ग.सी० (1)]

S.O. 926.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of India, hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Koraput-Panchabati Gramya Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Koraput-Panchabati Gramya Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board

(b) A notice of not than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four.

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place.

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded there-in.

का० आ० 927.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और केन्द्रीय बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम गाउथ मलावार ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—
(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से गाउथ मलावार ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जिनके इन नियमों में प्राक्तन हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ हों, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या.—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन.—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान.—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा हम निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन.—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम).—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी :

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन.—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन इससे गन्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए, स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार.—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किए जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत में बाहर गए निदेशकों से भिन्न) को निरूपित किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उस निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किए हों, उसी प्रकार प्रभावी और अविरोधकारी होगा मानो ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख.—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकी (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा अक्षरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनो के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिलेखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं० एफ-4-33/76-ए० सी०-(15)]

S.O. 927.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Canara Bank, hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the South Malabar Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "Bank" means the South Malabar Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four:

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice

to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation. (1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business. —(1)(a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(15)]

क्र० भा० 928.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और सिंडीकेट बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम नार्थ मलाबार ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से नार्थ मलाबार ग्रामीण अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशन की न्यूनतम संख्या.—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन.—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान.—बोर्ड के अधिवेशन ब्रेक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची.—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जाएगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा हम निम्न विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आगत अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो अध्यक्ष निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन.—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम).—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी :

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उप-धारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन.—यदि बोर्ड का अधिवेशन गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जब तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार.—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किए जाने वाले कारबार को कांग्रेसों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत में बाहर गए निदेशकों से भिन्न) को निविष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उप-नियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्ध होना मानें ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा, जिस तारीख को उस मामले पर अंतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किए हैं।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संज्ञित किया जाएगा।

(5) कांग्रेसों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अधिवेशन के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख.—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तिका (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा। (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यदास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आबद्धित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेंगी।

(3) जब कोई कारबार या कांग्रेसों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उनकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिए अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[म० एफ० 4-33/76-ए० सी० (16)]

S.O. 928.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Syndicate Bank, hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the North Malabar Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the North Malabar Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

((d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

((5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

((3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

का० जा० 929.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और यूनिन बैंक आफ इंडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम रीवा-निधी ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि मन्त्रार्थ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से रीवा-निधी ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर निमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिये प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख में साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जायेगी।

(ग) अधिवेशन में किये जाने के लिये प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिवर्तित की जायेगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिवर्तित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिये कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिये अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इसकीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिये गणपूर्ति (कोरम)—बोर्ड के अधिवेशन के लिये गणपूर्ति चार की होगी:

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिये, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उस से अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्थगित हो जायेगा :

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिये अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार मेखनद्वारा किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और प्राबल्यपूर्ण होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जायेगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।

11. कारबार के अभिलेख—(1)(क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इनमें इनके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जायेगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आधिकारित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्य-वाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख आनी जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्य-वृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेंगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं० एक० 4/33/76-ए०सी०(17)]

S.O. 929.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Union Bank of India, hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Rewa-Sidhi Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Rewa-Sidhi Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views, in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(17)]

का०आ० १३०.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम त्रिपुरा ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से त्रिपुरा ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिये प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जायेगी।

(ग) अधिवेशन में किये जाने के लिये प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिये कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिये अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इसकीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिये गणपूर्ति (कोरम)—बोर्ड के अधिवेशन के लिये गणपूर्ति चार की होगी:

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिये, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्वतः स्थगित हो जायेगा:

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिये अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निश्चित किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे अधिनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार सन्तुष्ट किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और बाबज़कर होगा मानो ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जायेगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।

11. कारबार के अभिलेख—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यपुस्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यपुस्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जायेगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष प्रथम निदेशक, जिमने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा प्राधिकारित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्य-वृत्तों की प्रतिया प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कार्यों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये भगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं०एफ० 4-33/76-ए०सी० (18)]

S.O. 930.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and United Bank of India, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Tripura Gramin Bank (Meeting of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Tripura Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board :

(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.

If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.

(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.

(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC (18)]

क्लॉस 931.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का नाम कोमी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से कोमी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निम्न विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलाएगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से हफ्तीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम)—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी :

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन मार्गजतिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो मार्गजतिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत में बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्ध होना मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अंतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें डममें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्याक्षरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अन्तर्गत रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का माध्य होंगे।

S.O. 931.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Central Bank of India, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Kosi Kshetriya Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Kosi Kshetriya Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chair-

man shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. (1) Business by circulation. (1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(19)]

क्र० आ० 932.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम हिमाचल ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से हिमाचल ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालन की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलाएगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से हफ्ता के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम)—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी।

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत में बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी

और बाबझकर होंगे मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अंतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को सूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकी (जिन्हें हमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्याक्षरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अंतिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेंगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख को अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं० एफ० 4-33/76-ए०सी०(20)]

S.O. 932.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Punjab National Bank, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Himachal Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.
- (d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(20)]

का० आ० 933.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम बलिया क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से बलिया क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम पच्चीस अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से सांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस सांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(8.) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से दसवीं दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

(8) अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (क्वोरम)—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी :

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उप-धारा (1) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने का अवकाश देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले गान्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, या सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक का यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कार्रवार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कार्रवार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (अर्थात् से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कार्रवार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार व्यक्त किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और बाबद्वार होगा मानों ऐसा कार्रवार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अंतिम हस्ताक्षर-कर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(1) यदि कोई मामला परिचालित किया जाना है तो उस परिचालन परिणाम में सभी निदेशकों को संमूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कार्रवार के अभिलेख—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आव्यक्षित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अंतिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेंगी।

(3) जब कोई कार्रवार कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कार्रवार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुस्तक के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं० एफ० 4-33/76-ए० सी (21)]

(लोकेंद्र नाथ शर्मा) अवर सचिव,

S.O. 933.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Central Bank of India hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ballia Kshetriya Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires, —

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Ballia Kshetriya Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjustment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the

meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(21)]

L. N. SHARMA, Under Secy.

भारतीय रिज़र्व बैंक RESERVE BANK OF INDIA

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1977
New Delhi, the 4th March, 1977

क्र० आ० 934—भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुमरण में फरवरी, 1977 के दिनांक 18 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

S.O. 934—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934 for the week ended the 18th day of February, 1977

इशू विभाग ISSUE DEPARTMENT

| देयताएं Liabilities | रुपये Rs. | रुपये Rs. | प्राप्तियां Assets | रुपये Rs. | रुपये Rs. |
|--|----------------|----------------|---|----------------|----------------|
| बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department | 43,63,35,000 | | सोने का सिक्का और बुलियन:— Gold Coin and Bullion | | |
| संचलन में नोट Notes in circulation | 7558,29,96,000 | | (क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India | 187,80,45,000 | |
| जारी किये गये कुल नोट Total notes issued | | 7601,93,31,000 | (ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India | — | |
| | | | विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities | 1071,73,97,000 | |
| | | | जोड़ Total | | 1259,54,42,000 |
| | | | रुपये का सिक्का Rupee Coin | | 22,28,55,000 |
| | | | भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupees Se- curities | | 6320,10,34,000 |
| | | | देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper | | — |
| कुल देयताएं Total Liabilities | | 7601,93,31,000 | कुल प्राप्तियां Total Assets | | 7601,93,31,000 |

दिनांक : 23 फरवरी, 1977
Dated the 23rd day of February, 1977

भार० के० हजारी, उप गवर्नर
R. K. Hazari, Deputy Governor.

18 फरवरी, 1977 की भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण
Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 18th February, 1977

| देयताएँ Liabilities | रुपये Rs. | आस्तियाँ Assets | रुपये Rs. |
|---|---------------|--|----------------|
| चुकता पूंजी Capital Paid up | 5,00,00,000 | नोट Notes | 43,63,35,000 |
| आरक्षित निधि Reserve Fund | 150,00,00,00 | रुपये का सिक्का Rupee Coin | 5,64,000 |
| राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund | 400,00,00,000 | छोटा सिक्का Small Coin खरीदे और भुनाये गये बिसे Bills Purchased and Discounted :— | 4,66,000 |
| राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund | 145,00,00,000 | (क) देशी (a) Internal | 167,71,82,00 |
| | | (ख) विदेशी (b) External | .. |
| राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund | 540,00,00,000 | (ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills | 231,26,57,000 |
| जमा राशियाँ :— Deposits :— | | विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad | 1475,53,94,000 |
| (क) सरकारी (a) Government | | निवेश Investments | 197,27,57,000 |
| (i) केन्द्रीय सरकार (i) Central Government | 100,34,31,000 | ऋण और प्रग्रिम :— Loans and Advances to :— | |
| (ii) राज्य सरकारें State Governments | 14,16,08,000 | (i) केन्द्रीय सरकार को Central Government | .. |
| | | (ii) राज्य सरकारों को State Governments | 89,75,90,000 |
| (ख) बैंक (b) Banks | | ऋण और प्रग्रिम :— Loans and Advances to :— | |
| (i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक Scheduled Commercial Bank | 891,41,55,000 | (i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को Scheduled Commercial Banks | 923,36,50,000 |
| (ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Scheduled State Co-operative Banks | 26,70,05,000 | (ii) राज्य सहकारी बैंकों को State Co-operative Banks | 381,83,11,000 |
| (iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Non-Scheduled State Co-operative Banks | 1,83,94,000 | (iii) दूसरों को Others | 6,78,50,000 |
| (iv) अन्य बैंक Other Banks | 72,96,000 | | |

| देयताएं Liabilities | रुपये Rs. | आस्तिधा Assets | रुपये Rs. |
|-----------------------------------|----------------|---|----------------|
| (ग) अन्य (c) Others | 1995,25,69,000 | राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and In- vestments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund | |
| | | (क) ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advances to: — | |
| | | (1) राज्य सरकारों को State Governments | 75,13,85,000 |
| | | (2) राज्य सहकारी बैंकों को State Co-operative Banks | 17,04,28,000 |
| | | (3) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को Central Land Mortgage Banks | .. |
| | | (4) कृषि पुर्नवित्त और विकास निगम को Agricultural Refinance and Development Cor- poration | 137,95,00,000 |
| | | (ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों से निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures | 9,04,16,000 |
| देय बिल Bills Payable | 105,88,04,000 | राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund | |
| अन्य देयताएं Other Liabilities | 837,89,27,000 | राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम Loans and Advances to State Co-operative Banks | 81,43,12,000 |
| | | राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from Na- tional Industrial Credit (Long Term Operations) Fund | |
| | | (क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advances to the Development Bank | 496,05,96,000 |
| | | (ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/ डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in bonds/ debentures issued by the Development Bank | — |
| | | अन्य आस्तिधा Other Assets | 880,27,96,000 |
| रुपये Rupees | 5214,21,89,000 | रुपये Rupees | 5214,21,89,000 |

दिनांक 18 फरवरी, 1977

Dated the 18th day of February, 1977

आर० के० हजारी, उप-गवर्नर
R. K. Hazari, Deputy Governor.

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1977

New Delhi, the 8th March, 1977

क्र० आ० 935.—भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में फरवरी 1977 के दिनांक 25 का समाप्त हुए गप्ताह के लिए लेखा

S.O. 945.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934 for the week ended the 25th day of February, 1977

इस विभाग
ISSUE DEPARTMENT

| देयताएं Liabilities | रुपये Rs. | रुपये Rs. | आस्तियां Assets | रुपये Rs. | रुपये Rs. |
|---|----------------|----------------|---|----------------|----------------|
| बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department | 16,20,07,000 | | सोने का सिक्का और बलियन.— Gold Coin and Bullion | | |
| भ्रमण में नोट Notes in circulation | 7511,06,70,000 | | (क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India | 187,80,45,000 | |
| जारी किये गये कुल नोट Total notes issued | | 7527,26,77,000 | (ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India | | .. |
| | | | विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities | 1071,73,97,000 | |
| | | | जोड़ Total | | 1259,54,42,000 |
| | | | रुपये का सिक्का Rupee Coin | | 22,61,45,000 |
| | | | भारत सरकार की रकमा प्रतिभूतियां Government of India Rupee Securities | | 6245,10,90,000 |
| | | | देशी विनिमय बिल और दूगरे वाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper | | .. |
| कुल देयताएं Total Liabilities | | 7527,26,77,000 | कुल आस्तियां Total Assets | | 7527,26,77,000 |

दिनांक: 2 मार्च, 1977

Dated the 2nd day of March, 1977.

के० आर० पुरी, गवर्नर

K. R. Puri, Governor.

25 फरवरी, 1977 का भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्य कलाप का विवरण

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 25th February, 1977

| देयताएं Liabilities | रुपये Rs. | आस्तियां Assets | रुपये Rs. |
|---|---------------|--|---------------|
| मुक्ता पूंजी Capital Paid Up | 5,00,00,000 | नोट Notes | 16,20,07,000 |
| आरक्षित निधि Reserve Fund | 150,00,00,000 | रुपये का सिक्का Rupee Coin | 5,68,000 |
| | | छोटा सिक्का Small Coin | 5,07,000 |
| राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund | 400,00,00,000 | खरीदे और भुनाये गये बिल Bills Purchased and Discounted :— | |
| | | (क) देशी (a) Internal | 169,60,16,000 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|--|----------------|---|----------------|
| राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरकरण) निधि | | (ख) विदेशी | |
| National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund | 145,00,00,000 | (b) External | .. |
| राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि | | (ग) सरकारी खजाना बिल | |
| National Industrial Credit (Long Terms Operations) Fund | 540,00,00,000 | (c) Government Treasury Bills | 285,38,72,000 |
| क्षमा राशियाँ :— Deposits :— | | विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad | 1525,68,46,000 |
| (क) सरकारी (a) Government | | निवेश Investments | 259,42,66,000 |
| | | ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :— | .. |
| (1) केन्द्रीय सरकार Central Government | 232,11,69,000 | (1) केन्द्रीय सरकार को Central Government | |
| (2) राज्य सरकारें State Governments | 6,02,30,000 | (2) राज्य सरकारों को State Governments | 119,01,10,000 |
| (ख) बैंक (b) Banks | | ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :— | |
| (1) अनुसूचित वाणिज्य बैंक Scheduled Commercial Banks | 920,12,63,000 | (1) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को Scheduled Commercial Banks | 919,05,68,000 |
| (2) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Scheduled State Co-operative Banks | 25,87,66,000 | (2) राज्य सहकारी बैंकों को State Co-operative Banks | 389,38,42,000 |
| (3) गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Non-Scheduled State Co-operative Banks | 1,80,94,000 | (3) दूसरों को Others | 6,86,00,000 |
| (4) अन्य बैंक Others Banks | 86,47,000 | राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National | |
| (ग) अन्य (c) Others | 2002,83,13,000 | Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund | |
| | | (क) ऋण और अग्रिम :— (a) Loans and Advances to :— | |
| | | (1) राज्य सरकारों को State Governments | 75,11,84,000 |
| | | (2) राज्य सहकारी बैंकों को State Co-operative Banks | 16,91,81,000 |
| | | (3) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को Central Land Mortgage Banks | .. |
| | | (4) कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम को Agricultural Refinance and Development Corporation | 137,95,00,000 |
| | | (ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures | 9,94,16,000 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-------------------|----------------|---|----------------|
| देय बिल | | राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अधिम | |
| Bills Payable | 105,72,94,000 | Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund | |
| अन्य देयताएँ | | राज्य सहकारी बैंकों का ऋण और अधिम | 80,88,63,000 |
| Other Liabilities | 863,39,71,000 | Loans and Advances to State Co-operative Banks | |
| | | राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अधिम और निवेश | |
| | | Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund | |
| | | (क) विकास बैंक का ऋण और अधिम | 501,46,16,000 |
| | | (ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों डिबेंचरों में निवेश | |
| | | (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank | |
| | | अन्य धास्नियाँ | 886,67,85,000 |
| | | Other Assets | |
| रुपये | | रुपये | |
| Rupees | 5398,77,47,000 | Rupees | 5398,77,47,000 |

दिनांक : 2 मार्च, 1977
Dated the 2nd day of March, 1977

के० आर० पुरी, गवर्नर
K. R. PURI, Governor.
[No. F. 10/2/77-BOI]

च० व० मीरचन्दानी, अधर सचिव
C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

Central Excise Collectorate : Chandigarh

CENTRAL EXCISE

Chandigarh, the 9th February, 1977

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तारिय, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, 8 फरवरी, 1977

(केन्द्रीय उत्पाद)

क्र० आ० 936—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 5 के अन्तर्गत मुझे प्रवक्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, के० के० द्विवेदी, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तारिय चण्डीगढ़ एतद्वारा निम्न तालिका के कालम (2) में विनिर्दिष्ट श्रेणी और उससे ऊपर की श्रेणी के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तारिय, चण्डीगढ़ के अधिकारियों को उनके अपने अधिकार क्षेत्र में कथित तालिका के कालम (3) में विण गए केन्द्रीय उत्पाद नियम 1944 के अन्तर्गत समाहर्ता की शक्तियों से उस तालिका की कालम संख्या 4 में विनिर्दिष्ट सीमाओं के अधीन प्राधिकृत करता हूँ ।

"तालिका"

| क्र० सं० | श्रेणी | नियम | परिसीमाएं |
|----------|---------------------------------|--|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क | केन्द्रीय उत्पाद नियम-वली 1944 के नियम 173-ओ का उपनियम 2 और नियम 185 का उपनियम (1) | इस तालिका के कालम 3 में संकेतित नियमों में विहित अधि की सीमा में 24 घंटों की छूट देना । |

TABLE

| Sr. No. | Rank | Rule | Limitations |
|---------|------------------------------------|--|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Superintendents of Central Excise. | Sub-Rule 2 of Rule 173-O and sub-rule (1) of Rule 185 of Central Excise Rules, 1944. | To relax the time limit of 24 hours laid down in the rules indicated in column No. 3 of this table. |

[प्रसिद्धता संख्या 2-के०उ०/77/पञ्चाचार संख्या :-IV(16)9/तक०/77]
के० के० द्विवेदी, समाहर्ता

[Notification No. 2-CE/77 S. No. IV(16)/9/Tech./77]
K. K. DWIVEDI, Collector

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, पुणे

पुणे, 10 फरवरी, 1977

सीमाशुल्क

का०आ० 937.—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय की दिनांक 18 जुलाई 1975 की अधिसूचना सं० 79/सीमाशुल्क/फा०सं० 473/2/75-सीमाशुल्क VII द्वारा सीमाशुल्क के समाहर्ता को तथा प्रत्यायोजित तथा सीमाशुल्क अधिनियम 1962 की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, डाकघर भोर, तालुका भोर, जिला पुणे का "भाटघर" नामक स्थान एतद्वारा 'भाटघर' केन्द्र घोषित किया जाता है।

[अधिसूचना सं० 6/सीमाशुल्क/77/फा०सं० VIII (सीमाशुल्क) 40-40/टीई/76/77]

जे० एम० वर्मा, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, POONA

Poona, the 10th February, 1977

CUSTOMS

S.O. 937. In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962, as delegated to the Collector of Customs under Government of India, Ministry of Finance Notifications No. 79/Cus-I. No. 473/2/75-Cus VII dated 18th July, 1975, the place by name "Bhatchar", P.O. Bhor, Taluka Bhor: District Poona, is hereby declared to be a 'Ware-Housing Station.'

[No. 6/Cus/77/F. No. VIII(Cus)40-40/TE/76/77]
J. M. VERMA, Collector.

उत्पादन शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

मद्रास, 14 फरवरी, 1977

सीमाशुल्क

का०आ० 938.—सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के उप-खंड (अ) खंड 152 के अन्तर्गत, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व और बोमा), नई दिल्ली से जारी की गयी अधिसूचना संख्या 79/सीमा शुल्क VII तारीख 18 जुलाई 1975 में दिये हुए अधिकारों का प्रयोग करते हुए, उत्पाद शुल्क समाहर्ता, मद्रास, जो वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) से अधिसूचना संख्या 37 सीमाशुल्क दिनांक 1 फरवरी 1963 के अनुसार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता के कार्यालय के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत सीमाशुल्क समाहर्ता भी नियुक्त है। तमिषनाडु राज्य के कोयंबतूर जिले में पोडनूर की सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के खंड 9 के अन्तर्गत (1962 का 52) भाटघार स्टेशन घोषित करने है।

[सं०सी नं० 8/40/4/76 सीमाशुल्क नीती]

ऐ० जे० राय, समाहर्ता

THE MADRAS CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Madras, the 14th February, 1977

CUSTOMS

S.O. 938.—In exercise of the powers conferred by notification No. 79/Customs VII dated 18-7-75 issued by the Government of India Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) New Delhi under clause (a) of Section 152 of the Customs Act, 1962, the Collector of Central Excise, Madras also appointed as "Collector of Customs" within the jurisdiction of the Madras Central Excise Collectorate by Government of India, Ministry of Finance (Department Revenue) notification No. 37 Customs dated the 1st February, 1963 hereby declared Podanur in the District of Coimbatore, State of Tamilnadu to be a Warehousing Station Under Section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

[C. No. VIII/40/4/76 Cus Pol]
I. J. RAO, Collector.

वारिष्य मंत्रालय**मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, नई दिल्ली**

आदेश

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1977

का०आ० 939.—सर्वश्री निटिन कास्टिंग लि०, हरद्वार एक्सप्रेस हाईवे, थाना, 400601 को सामान्य मुद्रा क्षेत्र के अन्तर्गत केवल 5,22,000 रुपए के पाइप मोल्ड्स, मोल्ड काट और डिऑक्सीडाइजिंग एजेंट्स का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/1115469, दिनांक 2-3-1976 प्रदान किया गया था।

2. उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुविधि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति के लिए हम आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति उन से अस्थानस्थ हो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह भी सूचना दी गई है कि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति सीमा-शुल्क प्राधिकारी बम्बई के पास पंजीकृत करने के बावजूद अस्थानस्थ हुई है और उसका 7,916 रुपए की धनराशि तक उपयोग कर लिया गया है उसमें 5,14,054 रुपए बाकी बचे हुए थे।

3. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने शपथ पत्र दायित्व किया है। प्रयो-हस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी/डी/1415469, दिनांक 2-3-1976 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति अस्थानस्थ हो गई/खो गई है और निदेश देता है कि उनको उपर्युक्त लाइसेंस की अनुविधि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति जारी की जानी चाहिए। मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है।

4. लाइसेंस की अनुविधि, सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या 6 एस०सी०/66ए(आर०एम०) (एस०)/75-76/

आर० एम० आई० 2157]

राजिन्दर सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक

हुते मुख्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE**(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)**

New Delhi, the 4th March, 1977

ORDER

S.O. 939.—M/s. Nitin Castings Ltd., Eastern Express Highway, Thana, 400601 were granted import licence No. P/D/1415469 dated 2-3-1976 under G.C.A. for Rs. 5,22,000 only for the import of Pipe Moulds, Mould coat and deoxidising Agents.

2. They have requested for issue of duplicate Customs Purposes Copy of the said licence on the ground that original Customs Purposes Copy has been misplaced by them. It has further been reported by the licensee that the Customs Purposes Copy has been misplaced after having been registered with Bombay Customs Authority and that the same has been utilised for an amount of Rs. 7,946 leaving a balance of Rs. 5,14,054.

3. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs purposes copy of the licence No. P/D/1415469 dated 2-3-1976 has been misplaced/lost and directs that duplicate Customs purposes copy of the said licence should be issued to them. The original Customs Purposes copy is cancelled.

4. The duplicate Customs Purposes copy of the licence is being issued separately.

[No. SC/66-A(RM)(S)/75-76/RMI-2157]
RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller.
For Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1977

ORDER

New Delhi, the 10th March, 1977

क्र०आ० 940.—सर्वश्री एसोसिएटेड एक्सकेवेटर्स एंड डोजर्स प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता को सोवियत समाजवादी गणतंत्र संघ से सोवियत मृदावाही उपस्कर के पुर्जों के आयात के लिए 19,08,488 (उत्तिमलाख छाठ हजार चार सौ अठ्ठासी रुपये मात्र) के लिए एक आयात लाइसेंस सं० जी/प्रो/2458-625/टी/यू आर/53/एच/39.40 दिनांक 5-12-1974, कलकत्ता पत्त पर पंजीकरण शर्त के साथ प्रदान किया गया था।

उन्होंने उपर्युक्त आयात लाइसेंस की सीमा शुल्क निकासी प्रति की अनुमिति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा शुल्क निकासी प्रति आंशिक उपयोग करने के बाद खो गई है। इसके समर्थन में आवेदक ने एक गणपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त आयात लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क निकासी प्रति खो गई है और यह कि उसकी अनुमिति प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए।

समय-समय पर यथा-संशोधित आयात व्यापार (नियंत्रण) आदेश संख्या 17/55 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सी०सी०) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी इस आदेश के द्वारा सर्वश्री एसोसिएटेड एक्सकेवेटर्स एंड डोजर्स प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता को सोवियत समाजवादी गणतंत्र संघ से सोवियत मृदावाही उपस्करों के पुर्जों के आयात के लिए जारी किए गए आयात लाइसेंस सं० जी/प्रो/2458625/टी/यूआर/53/एच/39-40 दिनांक 5-12-1974 मूल्य 19,08,488 की मूल सीमा शुल्क निकासी प्रति को रद्द करते हैं।

[सं० मि०सं०-12-ए/कन्ट/74-75/जी०एल०एम०/1262]

एल० प्रसाद, उप-मुख्य नियंत्रक

S.O. 940.—M/s. Associated Excavators and Dozers Pvt. Ltd., Calcutta were granted an import licence No. G/O/2458625/T/UR/53/H/39-40 dated 5-12-1974 for Rs. 19,08,488 (Rupees nineteen lakhs eight thousand four hundred and eighty eight only) for the import of spares for Soviet Earthmoving equipments from U.S.S.R. having registered at Calcutta port.

2. They have applied for issue of a Duplicate Customs Purpose copy of the above mentioned import licence on the ground that original Custom Purpose copy has been lost utilized partially. In support of this the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that original Customs Purpose copy of the import licence mentioned above has been lost and that duplicate copy thereof should be issued to the applicant.

3. In exercise of powers conferred on me under Clause 9(cc) of the Import Trade (Control) Order No. 17/55 dated 7-12-1955 as amended from time to time the undersigned hereby cancels the original Customs Purpose copy of import licence No. G/O/2458625/T/UR/53/H/39-40 dated 5-12-1974 for Rs. 19,08,488 only for the import of spares for Soviet Earthmoving equipments from U.S.S.R. issued in favour of M/s. Associated Excavators and Dozers Pvt. Ltd., Calcutta.

[F. No. 12-A/Cont/74-75/GLS/1262]

J. PRASAD, Dy Chief Controller

नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1977

क्र० आ० 941.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी एम/एल-3394 जिसके ख्यारे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव पर रोक लगने के कारण 1 जनवरी 1977 से रद्द कर दिया गया है और लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस वापस कर लिया गया है :—

अनुसूची

| क्रम संख्या | लाइसेंस संख्या और तिथि | लाइसेंसधारी का नाम और पता | रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया | तत्सम्बन्धी भारतीय मानक |
|-------------|------------------------|--|---|--|
| 1. | सी एम/एल-3394 | सर्वश्री पौषिक लि०, एलेम्बिक रोड बड़ोवा-390003 | एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव | IS : 1310—1974 एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव की विधिष्ट (पहला पुनरीक्षण) |

[सं० सी एम प्री/55:3394]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES & CO-OPERATION

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 8th March, 1977

S.O. 941.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-3394 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1 January 1977 due to ban on Endrin EC and party has surrendered the licence.

| Sl. No. | Licence No. and Date | Name & Address of the Licensee | Article/Process Covered by the Licensees Cancelled | Relevant Indian Standards |
|---------|----------------------|---|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | CM/L-3394 | M/s. Paushik Ltd., Alembic Road, Baroda-390003. | Endrin Emulsifiable Concentrates | IS : 1310-1974 Specification for Endrin Emulsifiable Concentrates (First Revision) |

[No. CMD/55 : 3394]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1977

क्र० आ० 942—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मुहर) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहाँ अनुसूची में दिए भारतीय मानकों में संशोधन जारी किए गए हैं :—

| अनुसूची | | | | | |
|-------------|---|---|----------------------------------|--|--------------------------|
| क्रम संख्या | संशोधित भारतीय मानक की पद-संख्या और शीर्षक | जिस राजपत्र में भारतीय मानक के तैयार होने की सूचना छपी थी उसकी संख्या और शीर्षक | संशोधित मानक की संख्या और दिनांक | संशोधन का संक्षिप्त विवरण | संशोधन लागू होने की तिथि |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
| 1. | IS : 203—1972 प्लैश लाइटों की शुष्क बैटरियों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण) | — | *संख्या 1 जनवरी 1975 | (1) खण्ड 3.1, 3.2.1, 3.2.2, 7.2.1, 7.2.2, 7.3.1, 7.3.2 और 7.4.2 में संशोधन किया गया है। (2) सारणी 2 और 3 जिनकी क्रमसंख्या बदल कर सारणी 1 और 2 कर दी गई थी, के स्थान पर नई सारणियाँ दी गई हैं, और (3) सारणी 4, 5 और 6 (जिनकी क्रम संख्या बदल कर 3, 4 और 5 की गई थी) का संशोधन किया गया है। | 1 जनवरी 1975 |
| 2. | IS: 548—1964 तेलों और वसाओं की बातगी लेने और परीक्षण की पद्धतियाँ (पुनरीक्षित) | एस ओ 83 दिनांक 2 जनवरी 1965 | संख्या 3 नवम्बर 1974 | (1) मुख पृष्ठ पर शीर्षक और पूरे पृष्ठ 1 और 2 बदल दिए गए हैं। (2) (पृष्ठ 4, विषय सूची, क्रम संख्या 20 और 22) इसको हटा दीजिए और क्रम संख्या 21 को 20 कर लीजिए। (3) खण्ड 0.2.1 और 22 हटा दिए गए हैं। (4) (पृष्ठ 7, खण्ड 1.1, अंतिम वाक्य)—इसको हटा दीजिए। (5) (पृष्ठ 63 से 69, खण्ड 20) हटा दीजिए और क्रम संख्या 21 को 20 कर लीजिए। | 1 नवम्बर 1974 |
| 3. | IS: 1029—1970 गर्म बेल्डित इस्पात की पतियों की विशिष्टि (बंघाई के लिए) (पहला पुनरीक्षण) | एस ओ 3542 दिनांक 25 नवम्बर 1971 | संख्या 2 जनवरी 1975 | खण्ड 5.3.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। | 1 जनवरी 1975 |
| 4. | IS: 1248—1968 बिजली के प्रत्यक्ष काम करने वाले सूचक धंशों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | एस ओ 3961 दिनांक 9 नवम्बर 1968 | संख्या 2 फरवरी 1975 | (1) खण्ड 2.3.13 (एफ), 7.1, 9.1.1, 9.1.2, 9.6, 4.14.1 और 6.1 (बी) का संशोधन किया गया है। (2) खण्ड 9.9 के स्थान पर नया खण्ड जोड़ा गया है और | 1 फरवरी 1975 |

*भा मा संस्था (प्रमाणन मुहर) योजना के कार्यों के लिए यह संशोधन 1 अप्रैल, 1975 से लागू होगा।

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|-----|--|--|--------------------------|--|----------------|
| | | | | (3) खण्ड 9.10 और ए—5.3 के बाद क्रमशः नए खण्ड 9.10.1 और ए—5.4 जोड़े गए हैं। | |
| 5. | IS: 1312--1967 मिथाइल ब्रोमाइड की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण) | एस प्रो 1719 दिनांक 18 मई 1968 | संख्या 2 जुलाई 1974 | सारणी 1 का संशोधन किया गया है। | 1 जुलाई 1974 |
| 6. | IS: 1554 (भाग 2)--1970 पी वी सी रोधित (भारी काम) बिजली के केबलों की विशिष्ट (भाग 2) 3 3 किलो मे 11 किलो तक कार्यकारी शान्तिता के लिए | एस प्रो 3542 दिनांक 25 सितम्बर 1971 | संख्या 3 जनवरी 1975 | खण्ड 7.2 और 7.4.2 का संशोधन किया गया है। | 1 जनवरी 1975 |
| 7. | IS: 1555--1974 सूती कर्घों में प्रयुक्त मार्कोल चिपके तार के रीडो की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण) | -- | संख्या 1 दिसम्बर 1974 | खण्ड 4, 7, 8.1 (ए) और सारणी 1 का संशोधन किया गया है। | 1 दिसम्बर 1974 |
| 8. | IS: 1593--1971 ईंधन तेलों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण) | --- | संख्या 1 जनवरी 1975 | (पृष्ठ 5, सारणी 1, स्वम्भ 3 कम संख्या (V) के सम्मुख) '90' के स्थान पर '80' कर लीजिए। | 1 जनवरी 1975 |
| 9. | IS: 2299--1968 नागरिक सुरक्षा के लिए इम्यान् के टोपों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण) | एस प्रो 2766 दिनांक 10 अगस्त 1968 | संख्या 2 फरवरी 1975 | खण्ड 4.1 और 5.1 का संशोधन किया गया है। | 1 फरवरी 1975 |
| 10. | IS: 2300--1968 नागरिक सुरक्षा के लिए आध्यात्मिक टोपों (हेल्मेट) की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण) | एस प्रो 3453 दिनांक 28 सितम्बर 1968 | संख्या 2 फरवरी 1975 | (1) खण्ड 4.1, 5.1, 5.2.3, 6.1 और 10.2 का संशोधन किया गया है, और (2) वर्तमान आकृति 1 के स्थान पर नई आकृति दी गई है। | 1 फरवरी 1975 |
| 11. | IS: 3903--1966 डाइमि-थ्रांटे पायसनीय भेज द्रव की विशिष्ट | एस प्रो 2038 दिनांक 17 जून 1967 | *संख्या 3 अगस्त 1974 | खण्ड 2.3.1 और एफ--6.1.1 का संशोधन किया गया है। | 1 अगस्त 1974 |
| 12. | IS: 3899--1966 जितेब जल विमर्जन नेज चूर्ण की विशिष्ट | एस प्रो 1972 दिनांक 10 जून 1967 | *संख्या 3 फरवरी 1974 | परिशिष्ट 'बी' के स्थान पर नया परिशिष्ट दिया गया है। | 1 फरवरी 1974 |
| 13. | IS: 4760--1968 ब्रिजित पेद्रालियम गैस से चलने वाले मिलर सहित बरेयू बल्बों की विशिष्ट | एस प्रो 1455 दिनांक 19 अप्रैल 1969 | संख्या 2 दिसम्बर 1974 | (1) खण्ड 31.1, 31.3, 31.4, 31.5, 36.1, एफ-1.1, के-2.2, के-3.1(ए), (बी) और (जी) और 27.1, खण्ड 31.4 की औद्योगिक सारणी और के-3.1 का संशोधन किया गया है। (2) सारणी 1 के स्थान पर नई सारणी दी गई है। (3) खण्ड के-1.3 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है, और | 1 दिसम्बर 1974 |

*भाषा संस्था (प्रमाणन मुहर) योजना कार्यों के लिए यह संशोधन 1 दिसम्बर 1974 से लागू होगा।

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|--|--------------------------------|-----------------------|-----|--|----------------|
| | | | | (4) खण्ड एच-1.1 के बाद नया खण्ड एच-1.1.1 दिया गया है। | |
| 14. IS : 4927—1968 आग बुझाने के लिए बिना अम्पर वाले सन कौनक्स होज की विशिष्ट | एस ओ 2330 दिनांक 14 जून 1969 | संख्या 1 दिसम्बर 1974 | | (1) खण्ड डी-2.1 और मारणी 2 का संशोधन किया गया है, और (2) खण्ड डी 2.1.1 के बाद नया खण्ड डी 2.2 जोड़ा गया है और वर्तमान खण्ड डी-2.2 और डी-2.2.1 की क्रम संख्या डी-2.3 और डी-2.3.1 कर दी गई है। | 1 दिसम्बर 1974 |
| 15. IS : 5485—1969 व्यर्थ सूती धागे की विशिष्ट | एस ओ 3561 दिनांक 7 नवम्बर 1970 | संख्या 1 दिसम्बर 1974 | | (पृष्ठ 5, खण्ड 6.1, पंक्ति 6) 'टाइप II' के स्थान पर 'टाइप I' कर लोत्रिए | 1 दिसम्बर 1974 |

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक मस्था, मानक भवन, 9 व. शा. ज. मार्ग नई दिल्ली-110002 और इनके शाखा कार्यालय अहमदाबाद, बंगलोर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास और पटना से प्राप्त की जा सकती है।

[सं. सीएमओ/13 : 5]

New Delhi, the 10th March, 1977

S.O. 942—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies the amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

| Sl. No. and title of the Indian Standard amended | No. and date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified | No. and date of the Amendment | Brief particulars of the Amendment | Date from which the amendment shall have effect |
|--|---|-------------------------------|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. IS : 203-1972 Specification for dry batteries for flash-lights (Third Revision) | — | *No. 1 Jan 1975 | (i) Clauses 3.1, 3.2.1, 3.2.2, 7.2.1, 7.2.2, 7.3.1, 7.3.2 and 7.4.2 have been amended. (ii) Tables 2 and 3 (re-numbered Tables 1 and 2) have been substituted by new ones ; and (iii) Tables 4, 5 and 6 (re-numbered 3, 4 and 5) have been amended. | 1 Jan 1975 |
| 2. IS : 548-1964 Methods of sampling and test for oils and fats (revised) | S.O. 83 dated 2 Jan 1965 | No. 3 Nov 1974 | (i) Title on first cover page, pages 1 & 2 has been substituted. (ii) (Page 4, Contents, Sl. No. 20 & 22) Delete and re-number Sl. No. 21 as 20; (iii) Clauses 0.2.1 and 22 have been deleted; (iv) (Page 7, clause 1.1, last sentence)—Delete; (v) (Page 63 to 69, clause 20)—Delete and re-number 21 as 20. | 1 Nov 1974 |
| 3. IS : 1029-1970 Specification for hot rolled steel strips (Balling) (First Revision) | S.O. 3542 dated 25 Sep 1971 | No. 2 Jan 1975 | Clause 5.3.1 has been substituted by a new one. | 1 Jan 1975 |

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme, this amendment shall come into force with effect from 1 April 1975.

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----|--|-----------------------------|--------------------|--|------------|
| 4. | IS : 1243-1968 Specification for direct acting electrical indicating instruments (First Revision) | S.O. 3961 dated 9 Nov 1968 | No. 2 Feb 1975 | (i) Clauses 2.3.13(f), 7.1, 9.1.1, 9.1.2, 9.6, 4.14.1 and 6.1(b) have been amended (ii) Clause 9.9 has been substituted by a new one; and (iii) New Clauses 9.10.1 and A-5.4 have been added after clauses 9.10 and A-5.3 respectively. | 1 Feb 1975 |
| 5. | IS : 1312-1967 Specification for Methyl Bromide (First Revision). | S.O. 1719 dated 18 May 1968 | No. 2 Jul 1974 | Table 1 has been amended | 1 Jul 1974 |
| 6. | IS : 1554 (Part-II)-1970 Specification for PVC insulated (heavy duty) electric cables Part II For working voltages from 3.3 kV up to and including 11 kV | S.O. 3542 dated 25 Sep 1971 | No. 3 Jan 1975 | Clauses 7.2 and 7.4.2 have been amended | 1 Jan 1975 |
| 7. | IS : 1555-1974 Specification for pitch-bound wire reeds for use in cotton looms. (Second Revision) | — | No. 1 Dec 1974 | Clauses 4, 7, 8.1(a) and Table 1 have been amended. | 1 Dec 1974 |
| 8. | IS : 1593-1971 Specification for fur l oils (First Revision). | — | No. 1 Jan 1975 | [Page 5, Table 1, col 3, against Sl. No. (v)] Substitute '80' for '90'. | 1 Jan 1975 |
| 9. | IS : 2293-1968 Specification for steel helmets for civil defence (First Revision) | S.O. 2766 dated 10 Aug 1968 | No. 2 Feb 1975 | Clauses 4.1 and 5.1 have been amended | 1 Feb 1975 |
| 10. | IS : 2300-1968 Specification for non-metal helmets for civil defence (First Revision) | S.O. 3453 dated 28 Sep 1968 | No. 2 Feb 1975 | (i) Clauses 4.1, 5.1, 5.2.3, 6.1 and 10.2 have been amended, and (ii) Existing fig. 1 has been substituted by a new one | 1 Feb 1975 |
| 11. | IS : 3903-1966 Specification for dimethoate emulsifiable concentrates. | S.O. 2038 dated 17 Jun 1967 | *No. 3 Aug 1974 | Clauses 2.3.1 and F-6.1.1 have been amended | 1 Aug 1974 |
| 12. | IS : 3899-1966 Specification for zinc water dispersible powder. | S.O. 1972 dated 10 Jun 1967 | *No. 3 Feb 1974 | Appendix B has been substituted by a new one. | 1 Feb 1974 |
| 13. | IS : 4760-1968 Specification for domestic cooking ranges including grillers, for use with liquefied petroleum gases. | S.O. 1455 dated 19 Apr 1969 | No. 2 Dec 1974 | (i) Clauses 31.1, 31.3, 31.4, 31.5, 36.1, H-1.1, K-2.2, K-3.1(a), (b) and (g), and 27.1, informal table of clause 31.4 and K-3.1 have been amended; (ii) Table 1 has been substituted by a new one; (iii) Clause K-1.3 has been substituted by a new one; and (iv) New clause H-1.1.1 has been added after H-1.1. | 1 Dec 1974 |
| 14. | IS : 4927-1968 Specification for unlined flax canvas hose for fire fighting. | S.O. 2330 dated 14 Jun 1969 | No. 1 Dec 1974 | (i) Clause D-2.1 and Table 2 have been amended and (ii) New clause D-2.2 has been added after clause D-2.1.1 and the present clause D-2.2 and D-2.2.1 have been re-numbered as clause D-2.2.3 and D-2.3.1. | 1 Dec 1974 |
| 15. | IS : 5485-1969 Specification for cotton yarn waste. | S.O. 3561 dated 7 Nov 1970 | No. 1 Dec 1974 | Page 5, clause 6.1, line 6 Substitute 'Type I' for 'Type II'. | 1 Dec 1974 |

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme, this amendment shall come into force with effect from 1 Dec 1974

These amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-1 and also its Branch Offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras and Patna.

[No. CMD/13 :5]

का० आ० 943.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि IS 3631—1966 भारतीय मानक रंगों के अनुरूप सामान्य कार्यों के लिए बाहरी फिनिश देने के तैयार मिश्रित रंग-रंगान (1) क्षारीय (2) आक्षारीय की विनिर्दिष्ट जिसके ब्योरे अधिसूचना संख्या 2687 दिनांक 1966-08-26 के अधीन भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 1966-09-10 में छपे थे, वापस कर ली गई है और यह अब रद्द मानी जाए क्योंकि IS : 3631—1966 में दी गई अपेक्षाओं को अब IS 2933—1975 और IS : 168—1973 में शामिल कर लिया गया है।

[संख्या सीएमडी/13 : 7]

S.O. 943.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is hereby notified that IS : 3631—1966 Specification for ready mixed paint, finishing, exterior (i) alkyd. and (ii) non-alkyd, for general purposes, to Indian Standard Colours, details of which were published under notification number S.O. 2687 dated 1966-08-26, in the Gazette of India, Part III, Section-3, Sub-section (ii) dated 1966-09-10, has been withdrawn and stands cancelled as the requirements of IS : 3631—1966 have been covered in IS : 2933—1975 and IS : 168—1973.

[No. CMD/13 : 7]

शुद्धि-पत्र

का० आ० 944.—भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 1977-01-15 में नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या एमओ 149 दिनांक

का० आ० 946.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मुद्रा) विनियम, 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारी के अधीन यहाँ अनुसूची में दिए भारतीय मानकों के संशोधन जारी किए गए हैं।

अनुसूची

| क्रम संख्या | संशोधित भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक | जिसे राजपत्र में भारतीय मानक के तैयार होने का सूचना छपा थी उसकी संख्या और तिथि | संशोधित मानक की संख्या और दिनांक | संशोधन का संक्षिप्त विवरण | संशोधन लागू होने का तिथि |
|-------------|--|--|----------------------------------|---|--------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
| 1. | IS : 191—1967 तांबे की विनिर्दिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण) | एम ओ 287 दिनांक 21 जनवरी, 1968 | संख्या 1 अप्रैल 1975 | खण्ड 10.1 और पृष्ठ 13 की पाद-टिप्पणी के स्थान पर नया खण्ड और पाद टिप्पणी दी गई है। | 1 अप्रैल, 1975 |
| 2. | IS : 278—1969 बाड़ लगाने के जम्तीकृत काटेदार धूम्रान के तार की विनिर्दिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण) | एम ओ 639 दिनांक 21 फरवरी, 1970 | संख्या 3 दिसम्बर 1974 | (पृष्ठ 6, खण्ड 7.4 प्रतिपद विधि में) 'Times' के स्थान पर 'turns' कर दी जाए। | 1 दिसम्बर, 1974 |
| 3. | IS : 428—1969 बाछित रंग के डिस्टेंसपर, तेल हमलनन की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण) | एम ओ 4114 दिनांक 11 अक्टूबर, 1969 | संख्या 1 जनवरी 1975 | (1) मारणी 1 का संशोधन किया गया है और (2) (पृष्ठ 9, पारिशिष्ट 'ई') इसको छटा दी जाए। | 1 जनवरी, 1975 |

1977-12-21 के अधीन प्रकाशित लाइसेंस संख्या सीएम/एन-4098 को 1975-12-16 की बजाय 1976-07-04 में रद्द कर दिया गया है।

[सं० सीएमडी/13 : 8]

CORRIGENDUM

S.O. 944.—In the Ministry of Civil Supplies and Co-operation (Indian Standards Institution) notification published under number S.O. 149 dated 1976-12-21 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1970-01-15, the licence number CM/L-4098 has been cancelled with effect from 1976-07-04 instead of 1975-12-16.

[No. CMD/13 : 8]

का० आ० 945.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि IS : 2406—1963 गैर-औद्योगिक भवनों की आग से सुरक्षा की रीति संहिता जिसके ब्योरे भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 1963-08-31 में अधिसूचना संख्या एमओ 2460 दिनांक 1963-08-20 के अधीन छपे थे, वापस कर ली गई है और रद्द मानी जाए क्योंकि इस मानक में दिए गए उपबन्धों को भारत की राष्ट्रीय भवन संहिता 1970 में शामिल कर लिया गया है।

[सं० सीएमडी/13 : 7]

S.O. 945.—In pursuance of sub-regulation (1) or Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, it is hereby notified that IS : 2406-1963 Code of Practice for fire safety of non-industrial buildings, details of which were published under notification number S.O. 2460 dated 1963-08-20, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1963-08-31 has been withdrawn and stands cancelled as the provisions of this standard have been covered in the National Building Code of India, 1970.

[No. CMD/13 : 7]

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|-----|---|-------------------------------------|--------------------------|--|----------------|
| 4 | IS : 562—1972 बीएससी एस ओ 3256 (एचसी एच) जल विसर्जनीय मेज नए की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण) | दिनांक 24 नवम्बर 1973 | संख्या 1 फरवरी 1975 | (1) खण्ड ए-3 के स्थान पर एक नया खण्ड दिया गया है और (2) मारणी 1 का संशोधन दिया गया है। | 1 फरवरी 1975 |
| 5 | IS : 697—1963 उर्ता कार्बोनों एस ओ 1102 (इरोट) की विशिष्टि (पुनरीक्षित) | दिनांक 28 मार्च 1961 | संख्या 2 मार्च 1975 | (पृष्ठ 3, खण्ड 2.3, टिप्पणी)---उभका 1 मार्च 1975 हटा दीजिए। | |
| 6 | IS : 1354—1964 कोक की परीक्षण पद्धतियाँ—विशेष परीक्षण (पुनरीक्षित) | एस ओ 1081 दिनांक 9 अप्रैल 1966 | संख्या 1 मार्च 1975 | (पृष्ठ 6, खण्ड 3.2.2 पंक्ति 3)--- '100 मिमी' के स्थान पर "6 मिमी" कर लीजिए। | 1 मार्च 1975 |
| 7 | IS : 1509—1972 पशुआहार के रूप में टैपिओका की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | --- | संख्या 1 मार्च 1975 | मारणी 1 का संशोधन किया गया है। | 1 मार्च 1975 |
| 8 | IS : 1973—1973 ऊन से तैयार वस्त्र सामग्री पर निशान लगाने की संदर्शिका (पहला पुनरीक्षण) | --- | संख्या 1 मार्च 1975 | (पृष्ठ 3, खण्ड 1.2, पंक्ति 1)---'1.2' के बाद मार्च 1975 के शब्द "Wool fibre" को हटा दीजिए। | 1 मार्च 1975 |
| 9 | IS : 2141—1968 रोक के लिए जस्तीकृत तार की लड़ों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | --- | संख्या 3 दिसम्बर 1974 | (पृष्ठ 7, खण्ड 6 2.1)---इसको हटा दीजिए। | 1 दिसम्बर 1974 |
| 10 | IS : 2556 (भाग 12)--- 1973 कांचाभ सेनीटरी सामान की विशिष्टि (चीनी मिट्टी का) भाग 12 कर्म वाले ट्रैप की विशिष्टि अपेक्षाएं | --- | संख्या 1 मार्च 1975 | (पृष्ठ 5, प्राकृति 1 में)---'320' के स्थान पर '310' कर लीजिए। | 1 मार्च 1975 |
| 11 | IS : 2873—1969 पटमन की वस्तुओं की गाँठ बांधने की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | एस ओ 3561 दिनांक 7 नवम्बर 1970 | संख्या 1 अप्रैल 1975 | (पृष्ठ 12, मारणी 5)---'टिप्पणी' के स्थान पर "टिप्पणी 1" कर लीजिए और "टिप्पणी 1" के बाद निम्नलिखित जोड़ लीजिए। टिप्पणी 2---In case of internal transit two baling strips may be used for bale length below "69 cm." | 1 अप्रैल 1975 |
| 12 | IS : 3099—1965 सूक्ष्मदर्शी के स्वाइडों और कवर स्लिपों की विशिष्टि | एस ओ 2673 दिनांक 28 अगस्त 1965 | संख्या 3 दिसम्बर 1974 | (1) खण्ड 1.3 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है, और (2) मारणी 1 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है। | 1 दिसम्बर 1974 |
| 13 | IS : 3104—1965 घनत्व द्रव्य मापी की विशिष्टि | एस ओ 1081 दिनांक 9 अप्रैल 1966 | संख्या 1 अप्रैल 1975 | खण्ड ए-3.3 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। | 1 अप्रैल 1975 |
| 14 | IS : 3329—1973 सूती मोजों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | --- | संख्या 1 मार्च 1975 | (पृष्ठ 3, खण्ड 1.1 की अंतिम पंक्ति में) "reached" के स्थान पर "bleached" कर लीजिए। | 1 मार्च 1975 |
| 15 | IS : 3961 (भाग 1)---1967 केबलों की धारा रेटिंग की सिफारिशें भाग 1 कागज रोहित सीमें के खोलदार केबल | एस ओ 287 दिनांक 20 जनवरी 1968 | संख्या 1 मार्च 1975 | खण्ड 3.1 (सी) (2) और मारणियों 1 में 20, 23, 24, 32, 33, और 39 का संशोधन किया गया है। | 1 मार्च 1975 |
| 16 | IS : 4009—1967 ग्रीज निपटन की विशिष्टि | एस ओ 4633 दिनांक 30 दिसम्बर 1967 | संख्या 1 मार्च 1975 | मारणी 2 के नीचे एक टिप्पणी जोड़ी गई है। | 1 मार्च 1975 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|--|-------------------------------------|-------------------------|---|---------------|-----|
| 17. IS : 4748—1968 धातुओं के कणों का औसत आकार ज्ञात करने की पद्धतियाँ | एस ओ 4114 दिनांक 11 अक्टूबर 1969 | संख्या 2 फरवरी 1975 | सारणी 2 और आकृति 1 का संशोधन किया गया है। | 1 फरवरी 1975 | |
| 18. IS : 4804 (भाग 2)—1968 प्रतिरोध बेल्डिंग उपकरण की विशिष्टि भाग 2 एक फेज राकर-थ्रॉस स्पार्ट बेल्डिंग मशीन | एस ओ 593 दिनांक 15 फरवरी 1969 | संख्या 1 मार्च 1975 | खण्ड 4.1 (ई) का संशोधन किया गया है। | 1 मार्च 1975 | |
| 19. IS : 4804 (भाग 3)—1969 प्रतिरोध बेल्डिंग उपकरण की विशिष्टि भाग 3 एक फेज स्पार्ट और प्रक्षेप बेल्डिंग मशीन | एस ओ 1236 दिनांक 4 अप्रैल 1970 | संख्या 1 मार्च 1975 | खण्ड 4.1 (ई) का संशोधन किया गया है। | 1 मार्च 1975 | |
| 20. IS : 4942—1969 एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्रधातुओं पर बिजली द्वारा निकेल और क्रोमियम की परत खटाने की विशिष्टि | एस ओ 1906 दिनांक 15 मई 1969 | संख्या 1 मार्च 1975 | खण्ड 4 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। | 1 मार्च 1975 | |
| 21. IS : 5041—1969 जूते, बूटों और स्टेशनरी में लगने वाले नाकों की विशिष्टि | एस ओ 3728 दिनांक 13 सितम्बर 1969 | संख्या 1 फरवरी 1975 | खण्ड 5.1 के बाद नया खण्ड 5.2 जोड़ा गया है। | 1 फरवरी 1975 | |
| 22. IS : 5225—1969 झलेखी वर्षा-मापी की विशिष्टि | एस ओ 89 दिनांक 10 जनवरी 1970 | संख्या 5 जनवरी 1970 | खण्ड 9.1 (बी) का संशोधन किया गया है। | 1 जनवरी 1975 | |
| 23. IS : 5577—1970 स्क्वल गाड़ियों के ऐमीटर की विशिष्टि | एस ओ 1277 दिनांक 27 मई 1972 | संख्या 3 अप्रैल 1975 | (1) खण्ड 7.6.2 और 7.10 का संशोधन किया गया है। (2) खण्ड 7.6.3 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है। | 1 अप्रैल 1975 | |
| 24. IS : 5638—1970 अम्नीय नेसों (घिनोना और संगकनी) की विशिष्टि | एस ओ 5032 दिनांक 6 नवम्बर 1971 | संख्या 1 जनवरी 1975 | सारणी 1 और खण्ड बी 3.1.8 का संशोधन किया गया है। | 1 जनवरी 1975 | |
| 25. IS : 6306—1971 अवप्राप्त खण्ड की परीक्षण पद्धतियाँ | एस ओ 231 दिनांक 26 नवम्बर 1974 | संख्या 1 अप्रैल 1975 | कालिख की मात्रा निर्धारित करने की एक और पद्धति और आर : 5 खण्ड 6.1 के बाद पृष्ठ 13 पर जोड़ी गई है। | 1 अप्रैल 1975 | |
| 26. IS : 6736—1972 खांचदार उभरे शंकुखनित मिरों वाले लकड़ी के पेशों की विशिष्टि | — | संख्या 1 मार्च 1975 | आकृति 1 और सारणी 2 का संशोधन किया गया है। | 1 मार्च 1975 | |
| 27. IS : 7075—1973 पटसन कपड़े की लिपटाई के लिए प्रयुक्त कार्ड-बोर्ड की नालियों की विशिष्टि | — | संख्या 1 मार्च 1975 | (1) सारणी 1 का संशोधन किया गया है, और (2) (पृष्ठ 6, खण्ड 7.5)—इसको हटा दीजिए। | 1 मार्च 1975 | |

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002 और इसके शाखा कार्यालयों: अहमदाबाद, बंगलोर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास और पटना से प्राप्त की जा सकती है।

[सं. सी एस डी/13 : 5]

S.O. 946.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

| Sl. No. and title of the Indian Standard amended | No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified | No. and Date of the Amendment | Brief particulars of the Amendment | Date from which the amendment shall have effect | |
|--|---|-------------------------------|--|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. IS : 191-1967 Specification for copper. (Second Revision). | S.O. 287 dt 21 Jan 1968 | No. 1 Apr 1975 | Clause 10.1 and foot-note at page 13 have been substituted by new ones. | 1 Apr 1975 | |
| 2. IS : 278-1969 Specification for galvanized steel barbed wire for fencing. (Second Revision). | S.O. 639 dt 21 Feb 1970 | No. 3 Dec 1974 | (Page 6, clause 7.4, last line)—Substitute 'turns' for 'times'. | 1 Dec 1974 | |
| 3. IS : 428-1969 Specification for distemper, oil emulsion, colour as Required. (First Revision). | S.O. 4114 dt 11 Oct 1969 | No. 1 Jan 1975 | (i) Table 1 has been amended, and (ii) (Page 9, Appendix E)—Delete. | 1 Jan 1975 | |
| 4. IS : 562-1972 Specification for BHC (HCH) water dispersible powder concentrates. (Third Revision) | S.O. 3256 dt 24 Nov 1973 | No. 1 Feb 1975 | (i) Clause A-3 has been substituted by a new one, and (ii) Table 1 has been amended. | 1 Feb 1975 | |
| 5. IS : 697-1963 Specification for woollen druggets. (Revised) | S.O. 1102 dt 28 Mar 1964 | No. 2 Mar 1975 | (Page 3, clause 2.3, Note)—Delete | 1 Mar 1975 | |
| 6. IS : 1354-1964 Methods of test for coke-special tests. (Revised). | S.O. 1081 dt 9 Apr 1966 | No. 1 Mar 1975 | (Page 6, clause 3.2.2, line 3)—Substitute '6 mm' for '100 mm'. | 1 Mar 1975 | |
| 7. IS : 1509-1972 Specification for tapioca as livestock feed. (First Revision). | — | No. 1 Mar 1975 | Table 1 has been amended. | 1 Mar 1975 | |
| 8. IS : 1793-1973 Guide for marking textile materials made of wool. (First Revision). | — | No. 1 Mar 1975 | (Page 3, clause 1.2, line 1)—Delete the words 'WOOL FIBRE' appearing after '1.2'. | 1 Mar 1975 | |
| 9. IS : 2141-1968 Specification for galvanized stay strand. (First Revision). | — | No. 3 Dec 1974 | (Page 7, clause 6.2.1)—Delete. | 1 Dec 1974 | |
| 10. IS : 2556 (Pt XII)-1973 Specification for vitreous sanitary appliances. (Vitreous China). Part XII Specific requirements | — | No. 1 Mar. 1975 | (Page 5, Fig 1)—Substitute '310' for '320'. | 1 Mar 1975 | |
| 11. IS : 2873-1969 Specification for packaging of jute products in bales. (First revision). | S.O. 3561 dt 7 Nov 1970 | No. 1 Apr 1975 | (Page 12, Table 5)—Substitute 'Note 1' for 'Note' and add the following after Note 1. Note 2—In case of internal transit, two baling strips may be used for bale length below 69 cm'. | 1 Apr 1975 | |
| 12. IS : 3099-1965 Specification for slides and cover slips for microscopes. | S.O. 2673 dt 28 Aug 1975 | No. 3 Dec 1974 | (i) Clause 1.3.1 has been substituted by a new one and (ii) A note has been added at the end of table 1. | 1 Dec 1974 | |
| 13. IS : 3104-1965 Specification for density hydrometers | S.O. 1081 dt 9 Apr 1966 | No. 1 Apr 1975 | Clause A-3.3 has been substituted by a new one. | 1 Apr 1975 | |
| 14. IS : 3329-1973 Specification for socks, cotton. (First revision). | — | No. 1 Mar 1975 | (Page 3, clause 1.1, last line)—Substitute 'bleached' for 'reached'. | 1 Mar 1975 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---------------------------|-----------------|---|---|-------------|
| 15. IS : 3961 (Pt. I)—1967 Recommended current ratings for cables. | S.O. 287 dt. 20 Jan 1968 | No. 1 Mar. 1975 | Clause 3.1 (c)(2) and tables 1 to 20, 23, 24, 32, 33 and 39 have been amended. | | 1 Mar. 1975 |
| Part I Paper insulated lead sheathed cables. | | | | | |
| 16. IS : 4009-1967 Specification for grease nipples. | S.O. 4633 dt. 30 Dec 1967 | No. 1 Mar. 1975 | A note has been added under table 2. | | 1 Mar. 1975 |
| 17. IS : 4748—1968 Methods for estimating average grain size of Metals. | S.O. 4114 dt. 11 Oct 1969 | No. 2 Feb. 1975 | Table 2 and Fig. 1 have been amended. | | 1 Feb. 1975 |
| 18. IS : 4804 (Pt. II)—1968 Specification for resistance welding equipment. | S.O. 593 dt. 15 Feb 1969 | No. 1 Mar. 1975 | Clause 4.1 (e) has been amended. | | 1 Mar. 1975 |
| Part II Single Phase rocker arm spot welding machines. | | | | | |
| 19. IS : 4804 (Pt. III)—1969 Specification for resistance welding equipment. | S.O. 1236 dt. 4 Apr 1970 | No. 1 Mar. 1975 | Clause 4.1 (e) has been amended. | | 1 Mar. 1975 |
| Part III Single-Phase spot and projection welding machines | | | | | |
| 20. IS : 4942—1969 Specification for electroplated coatings of nickel and chromium on aluminium and aluminium alloys. | S.O. 1906 dt. 17 May 1969 | No. 1 Mar. 1975 | Clause 4 has been substituted by a new one. | | 1 Mar. 1975 |
| 21. IS : 5041—1969 Specification for shoe, Boot and Stationery eyelets. | S.O. 3728 dt. 13 Sep 1969 | No. 1 Feb. 1975 | New clause 5.2 has been added after clause 5.1. | | 1 Feb. 1975 |
| 22. IS : 5225—1969 Specification for rain gauge, non recording. | S.O. 89 dt. 10 Jan. 1970 | No. 5 Jan. 1975 | Clause 9.1 (b) has been amended. | | 1 Jan. 1975 |
| 23. IS : 5577—1970 Specification for ammeters for automobiles. | S.O. 1277 dt. 27 May 1972 | No. 3 Apr. 1975 | (i) Clauses 7.6.2 and 7.10 has been amended and (ii) A note has been added at the end of clause 7.6.3. | | 1 Apr. 1975 |
| 24. IS : 5638—1970 Specification for acid oil (cottonseed and groundnut). | S.O. 5032 dt. 6 Nov. 1971 | No. 1 Jan. 1975 | Table 1 and clause B 3.1.8 have been amended. | | 1 Jan. 1975 |
| 25. IS : 6306—1971 Methods of test for reclaimed rubber. | S.O. 231 dt. 26 Nov 1974 | No. 1 Apr. 1975 | An alternative method for the determination of carbon black has been added at page 13, RR : 5 after 6.1 | | 1 Apr. 1975 |
| 26. IS : 6736—1972 Specification for slotted raised counter sunk head wood screws. | — | No. 1 Mar. 1975 | Fig. 1 and table 2 have been amended. | | 1 Mar. 1975 |
| 27. IS : 7075—1973 Specification for cardboard tubes used at cores for jute fabric rolls. | — | No. 1 Mar. 1975 | (i) Table 1 has been amended and (ii) (Page 6, clause 7.5)—Delete. | | 1 Mar. 1975 |

Copies of these Amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi 110001 and also its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras and Patna.

[No. CMD/13 : 5]

क्र० आ० ९४७.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) विनियम ४ के उपविनियम (२) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि : IS : 1361—1959 औद्योगिक भवनों की इमारत की खिड़कियों की विशिष्टि से सम्बन्धित औद्योगिक भवनों की इमारत की खिड़कियों का मानक चिह्न जिसके ब्योरे भारत के राजपत्र 11. खण्ड 3, (ii) दिनांक 1971-08-14 में एम० आ० संख्या 3023 दिनांक 1971-07-20 के अधीन छपे थे, 1976-07-04 से निरस्त हो गया है।

[सं० सी एम डी/13 : 9]
ए० बी० राय, उप-सहायतिदेशक

S.O. 947.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Standard Mark for steel windows for industrial buildings, relating to IS:1361-1959 Specification for steel windows for industrial buildings, details of which were published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1971-08-14 under notification number S.O. 3023 dated 1971-07-20, has been rescinded with effect 1976-07-04.

[No. CMD/13:9]

A. B. RAO, Dy. Director General.

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 7th March, 1977

CORRIGENDUM

S.O. 948.—In the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 159(E)/15/IDRA/77 dated the 10th February, 1977, and published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), Extraordinary, at pages 501-502—at page 501, in line 6, for "Messrs. National Rubber Manufacturing Limited, Calcutta," read "Messrs. National Rubber Manufacturers Limited, Calcutta,".

[File No. 2/24/76-CUC]

R. R. PAHWA, Under Secy.

स्वास्थ्य व परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1977

क्र० आ० 949.—यतः भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) में खण्ड (ख) के अनुसरण में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में नेत्र विज्ञान के प्रोफेसर डा० आर० के० मिश्रा को जबलपुर विश्वविद्यालय कोर्ट ने 30-7-1976 में भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य चुन लिया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की 9 जनवरी 1960 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-एम-1 में आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः :

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के अन्तर्गत क्रम संख्या 13 और तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों को प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामतः :-

"13. डा० आर० के० मिश्रा,

नेत्र विज्ञान के प्रोफेसर, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, जबलपुर।"

[सं० बी० 11013/1/76-एम पी टी]]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 23rd February, 1977

S.O. 949.—Whereas, in pursuance of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. R. K. Mishra, Professor of Ophthalmology, Government Medical College, Jabalpur has been elected by the Court of Jabalpur University to be a member of the Medical Council of India, with effect from the 30-7-1976;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, late Ministry of Health, No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :-

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for serial number

13 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely :-

"13. Dr. R. K. Mishra, Professor of Ophthalmology, Government Medical College, Jabalpur."

[No. V. 11013/1/76-MPT]

क्र० आ० 950.—यतः केन्द्रीय सरकार ने गुजरात सरकार से परामर्श करने हुए भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अनुसरण में डा० ओम प्रकाश रामचन्द्र गुप्त, निदेशक, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान गुजरात को 17 सितम्बर, 1976 में भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य मनोनीत किया है ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या 50/3/59/एम०-1 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, नामतः :-

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के अधीन मनोनीत" शीर्षक के अन्तर्गत क्रम संख्या 14 और तत्सम्बन्धी प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी नामतः :

"14. डा० ओम प्रकाश रामचन्द्र गुप्त, निदेशक चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान, गुजरात।"

[सं० बी० 11013/3/1/76-एम पी टी]

S.O. 950. Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), and in consultation with the Government of Gujarat, nominated Dr. Om Prakash Ramachandra Gupta, Director of Medical Education and Research, Gujarat, to be a member of the Medical Council of India, with effect from the 17th September, 1976;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, late Ministry of Health, No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :-

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3", for serial number 14 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :-

"14. Dr. Om Prakash Ramachandra Gupta, Director of Medical Education and Research, Gujarat."

[No. V. 11013/1/76-MPT]

क्र० आ० 951.—यतः भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 7 की उप-धारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के अनुसरण में सौराष्ट्र विश्वविद्यालय की मिनेट ने डा० एच० एच० शाह के स्थान पर, जो भारतीय चिकित्सा परिषद् के सदस्य नहीं रहे हैं, डा० अरुण सायू माधव डीन एम० पी० शास्त्र मेडिकल कॉलेज जामनगर को 27 अक्तूबर, 1975 से भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की 9 जनवरी 1960 की अधिसूचना संख्या 5-3/59/एम 1 में निम्नलिखित और संशोधन करती है नामतः :

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा 1 के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के अन्तर्गत क्रम संख्या 37 और तत्सम्बन्धी प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जायेंगी, नामतः :

“37. डा० अचार सधु माधव, डीन,

एम पी शाह मेडिकल कालेज, जामनगर।”

[सं० बी० 11013/1/76-एम० पी० टी०]

एस० श्रीनिवासन, उप सचिव

S.O. 951.—Whereas in pursuance of clause (b) of sub-section (1) of section 3, read with sub-section (4) of section 7 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. Achar Sathu Mathav, Dean, M. P. Shah Medical College, Jamnagar, has been elected by the senate of the Saurashtra University to be a member of the Medical Council of India, with effect from the 27th October, 1975 vice Dr. H. H. Shah, who ceased to be the member of the Medical Council of India;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, late Ministry of Health, No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading “Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3”, for serial number 37 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

“37. Dr. Achar Sathu Mathav, Dean, M.P. Shah Medical College, Jamnagar.”

[No. V. 11013/1/76-MPT]

S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1977

का० आ० 952.—खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा निवेश देती है कि भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 1 अप्रैल, 1976 की अधिसूचना संख्या का० आ० 276 (इ) में निम्नलिखित और संशोधन किए जायेंगे, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के अन्तर्गत प्रम संख्या (21) के सम्मुख “धारा 3 की उप-धारा (2) के खण्ड (इ) के अधीन मनोनीत सदस्य” “शरीर के “महामारी वैज्ञानिक” शब्द के स्थान पर “स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक (खाद्य अपमिश्रण)” शब्द और कोष्ठक रखे जायेंगे।

[सं० पी० 15016/1/76-डी एण्ड एम एस (भाग-II)]

जी० पंचपकेशम, अवर सचिव

New Delhi, the 5th March, 1977

S.O. 952.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), the Central Government hereby directs that the following further amendment shall be made in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health), No. S. O. 276(E), dated the 1st April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading “Members nominated under clause (e) of sub-section (2) of section 3”, against serial No. (21), for the word “Epidemiologist”, the words and brackets “Assistant Director of Health Services (Food Adulteration)” shall be substituted.

[No. P. 15016/1/76-D&MS (Pt. II)]

G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1977

का० आ० 953.—यतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 5671 तारीख 28-11-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न

अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जन करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जन करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जन किया जाता है।

और आगे, उस धारा की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बंधनों से मुक्त रूप में, हम घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

रुद्रसागर कुपनस्थल 1 में रुद्रसागर जी० जी० एस०

नम्बर 3 सबकी पाइपलाइन

राज्य: असम, जिला: शिबसागर, तालुक: मेतका दोनगाँव

| ग्राम | सर्वे नम्बर | हेक्टर | गैरे | मन्ती गैरे |
|----------|-------------|--------|------|------------|
| सलगुरिया | 695ख | 0 | 1 | 87 |
| | 696ख | 0 | 1 | 20 |
| | 133ख | 0 | 1 | 20 |
| | 134ख | 0 | 3 | 48 |
| | 194ख | 0 | 1 | 20 |
| | 195ख | 0 | 1 | 87 |
| | 198ख | 0 | 2 | 54 |
| | 199ख | 0 | 2 | 68 |
| | 201ख | 0 | 2 | 27 |
| | 193ख | 0 | 1 | 20 |
| | 256ख | 0 | 4 | 15 |

[सं० 12020/5/75-एल एंड एल]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 28th February, 1977

S.O. 953.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 5671 dated 28-11-75 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar Well No. 1 to Rudrasagar GGS

No. 3

State : Assam, Dist : Sibsagar, Taluk : Meteka Bongaon

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|-----------|------------|---------|-----|----------|
| Salaguria | 695 Kha | 0 | 1 | 87 |
| | 696 Kha | 0 | 1 | 20 |
| | 133 Kha | 0 | 1 | 20 |
| | 134 Kha | 0 | 3 | 48 |
| | 194 Kha | 0 | 1 | 20 |
| | 195 Kha | 0 | 1 | 87 |
| | 198 Kha | 0 | 2 | 54 |
| | 199 Kha | 0 | 2 | 68 |
| | 201 Kha | 0 | 2 | 27 |
| | 193 Kha | 0 | 1 | 20 |
| | 256 Kha | 0 | 4 | 15 |

[No. 12020/5/75-L & L]

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1977

का० आ० 954.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कामम्बा जी० जी० ए० 7 से सी० टी० ए० पिलोदरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः ; अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप समक्ष अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कोसम्बा जी० जी० ए० 7 से सी० टी० ए० पिलोदरा तक भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन

| राज्य: गुजरात, | जिला: सुरत, | तालुका: मंगरोड | | |
|----------------|---------------|----------------|-----|----------|
| गांव | सर्वेक्षण सं० | हेक्टेयर | एकर | सेण्टियर |
| कुवर्दा | 798 | 0 | 18 | 00 |

[सं० 12016/3/76/एल एण्ड एल/प्रो०-1]

New Delhi, the 1st March, 1977

S.O. 954.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kasamba G.G.S. to C.T.F. Pilodra in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-9 ;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. in Land for Laying Pipeline from Kosamba GGS-7 to CTF Pilodra

| State : Gujarat | District : Surat | Taluka : Mangrol | | |
|-----------------|------------------|------------------|-----|----------|
| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
| Kuwarda | 798 | 0 | 18 | 00 |

[No. 12016/3/76-L & L/Prod., I]

का० आ० 955.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० ए० पी०-1 से कूप नं० 23 (जी० जी० ए० III) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आक्षेप समक्ष अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कृप न० एस०पी०-१ से कृप न० 23 (जी०जी०एस०-3) तक भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन।

| राज्य : गुजरात | ज़िला : बरोच | तालुका : अंकलेश्वर | | | |
|----------------|--------------|--------------------|----|----|---------|
| गांव | सर्वेक्षण न० | हेक्टेयर | ए | आर | सेंटियर |
| अदोल | 151 | 0 | 03 | 90 | |
| | 139/1 | 0 | 02 | 60 | |
| | 140 | 0 | 07 | 28 | |
| | 139/2 | 0 | 04 | 55 | |
| | 138/2-ए | 0 | 07 | 15 | |
| | 138/1 | 0 | 03 | 90 | |

[सं० 12016/3/76-एल एंड एल/प्रोड०-II]

S.O. 955.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. SP-1 to Well 23 (GGS-III) in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-9;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Acquisition of right of User in Land from Well SP-1 to Well No. 23 (GGS-III)

| State : Gujarat | District : Broach | Taluka : Ankleshvar | | | |
|-----------------|-------------------|---------------------|-----|----------|--|
| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare | |
| Adol | 151 | 0 | 03 | 90 | |
| | 139/1 | 0 | 02 | 60 | |
| | 140 | 0 | 07 | 28 | |
| | 139/2 | 0 | 04 | 55 | |
| | 138/2-A | 0 | 07 | 15 | |
| | 138/1 | 0 | 03 | 90 | |

[No. 12016/3/76-L & L/Prod. II]

का०आ० यतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2287 तारीख 24-5-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे रही है।

और ध्याते यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् हम अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती

है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, ध्याते उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी संघर्षों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

व्ययन क्षेत्र न० के०डी०ई०-19 से जी०जी०एस०-1/2 तक भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन।

| राज्य : गुजरात | ज़िला : गांधीनगर | तालुका : गांधीनगर | | | |
|----------------|------------------|-------------------|----|----|---------|
| गांव | सर्वेक्षण न० | हेक्टेयर | ए | आर | सेंटियर |
| उवरसद | 1312 | 0 | 04 | 95 | |
| | 1311 | 0 | 00 | 50 | |
| | 1318 | 0 | 23 | 45 | |
| | 1317 | 0 | 02 | 10 | |
| | 1316 | 0 | 28 | 20 | |
| | कार्ट-ट्रैक | 0 | 01 | 05 | |
| | 1230/1 | 0 | 18 | 00 | |
| | 1230/2 | 0 | 16 | 35 | |
| | 1229 | 0 | 08 | 85 | |

[सं० 12016/3/76-एल एंड एल/प्रोड०-II]

S.O. 956.—Whereas by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum & Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 2287 dated 24-5-1976 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. from D.S. No. KDE-19 to GGS-VII State : Gujarat District : Gandhi Nagar Taluka : Gandhi Nagar

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare | |
|---------|------------|---------|-----|----------|--|
| Uwarsad | 1312 | 0 | 04 | 95 | |
| | 1311 | 0 | 00 | 50 | |
| | 1318 | 0 | 23 | 45 | |
| | 1317 | 0 | 02 | 10 | |
| | 1316 | 0 | 28 | 20 | |
| | Cart-track | 0 | 01 | 05 | |
| | 1230/1 | 0 | 18 | 00 | |
| | 1230/2 | 0 | 16 | 35 | |
| | 1229 | 0 | 08 | 85 | |

[No. 12016/3/76-L & L/Prod.-III]

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1977

कां०आ० 57—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में व्यधन क्षेत्र के० 113 (के०आई०सी०) से के०-124 (के०एच०क्यू०) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह पतित होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुप्राप्ति में अर्जित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुये केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बबोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र नं० 113 (के०आई०सी०) से व्यधन क्षेत्र के०-124 (के०एच०क्यू०) तक भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कलोल

| गांव | ब्लॉक नं० | हेक्टेयर ए आर ई सेण्टियर |
|-------|-----------|--------------------------|
| पंसार | 105 | 0 14 70 |
| | 119 | 0 01 00 |
| | 106 | 0 10 50 |
| | 143 | 0 07 95 |
| | 141 | 0 10 50 |
| | 140 | 0 09 15 |
| | 135 | 0 25 65 |
| | 134 | 0 06 90 |
| | 113 | 0 06 75 |

[सं० 12016/8/76-एन एंड एल-1]

New Delhi, the 8th March, 1977

S.O. 957.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from L.S.K-113 (KIC) to K-124 (KHQ) in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-9;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Acquisition of Right of User from D.S. No. 113 (KIC) to D.S. K-124 (KHQ).

| State : Gujarat | District : Mehsana | | Taluka : Kalol | |
|-----------------|--------------------|---------|----------------|----------|
| Village | Blok No. | Hactare | Are | Centiare |
| Pansar | 105 | 0 | 14 | 70 |
| | 149 | 0 | 01 | 00 |
| | 106 | 0 | 10 | 50 |
| | 143 | 0 | 07 | 95 |
| | 141 | 0 | 10 | 50 |
| | 140 | 0 | 09 | 15 |
| | 135 | 0 | 25 | 65 |
| | 134 | 0 | 06 | 90 |
| | 113 | 0 | 06 | 75 |

[No. 12016/8/76-L & I-1]

कां०आ० 958.—यतः पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना कां०आ० सं० 5140 तारीख, 17-11-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम, प्राधिकारी ने उक्त, अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के वजह तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बंधनों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

| ग्राम | सर्वे नम्बर | हेक्टेयर | मेरे सेण्टियर |
|---------------|-------------|----------|---------------|
| जिजमांगर टाउन | 5941 ख | 0 | 67 |
| | 6380 ख | 4 | 01 |
| | 6196 ख | 0 | 13 |
| | 5942 ख | 4 | 55 |
| | 5944 ख | 3 | 21 |
| | 5945 ख | 1 | 87 |
| | 6001 ख | 2 | 27 |

| ग्राम | सर्वे नम्बर | हेक्टर | गैरे | सेन्टीगैरे | Village | Survey No. | Hectre | Are | Centiare |
|-------|-------------|--------|------|------------|---------|------------|--------|-----|----------|
| | 6044 ख | | 0 | 27 | | 6055 Kha | 0 | 7 | 63 |
| | 6002 ख | | 4 | 15 | | 6058 Kha | 0 | 1 | 47 |
| | 6003 ख | | 2 | 14 | | 6059 Kha | 0 | 1 | 61 |
| | 6053 ख | | 6 | 42 | | 6385 Kha | 0 | 2 | 01 |
| | 6054 ख | | 5 | 89 | | 1388 Kha | 0 | 2 | 94 |
| | 6055 ख | | 7 | 63 | | 6391 Kha | 0 | 2 | 94 |
| | 6058 ख | | 1 | 47 | | 6392 Kha | 0 | 1 | 47 |
| | 6059 ख | | 1 | 61 | | 6046 Kna | 0 | 0 | 80 |
| | 6385 ख | | 2 | 01 | | 6137 Kha | 0 | 5 | 35 |
| | 6388 ख | | 2 | 94 | | 6318 Kha | 0 | 7 | 22 |
| | 6391 ख | | 2 | 94 | | 6321 Kha | 0 | 4 | 41 |
| | 6392 ख | | 1 | 47 | | | | | |
| | 6046 ख | | 0 | 80 | | | | | |
| | 6137 ख | | 5 | 35 | | | | | |
| | 6318 ख | | 7 | 22 | | | | | |
| | 6321 ख | | 4 | 41 | | | | | |

[No. 12020/4/75-L & L-1]

[सं० 12020/4/75-एल० एण्ड एल-1]

S.O. 958.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 5140 dated 17-11-1975 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-Section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-Section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar Well No. 46 to Rudrasagar Well No. 30

| State : Assam | Dist : Sibsagar | Taluk : Nagarmahal | | |
|---------------|-----------------|--------------------|-----|----------|
| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
| Sibsagar Town | 5941 Kha | 0 | 0 | 67 |
| | 6390 Kha | 0 | 4 | 01 |
| | 6496 Kha | 0 | 0 | 13 |
| | 5942 Kha | 0 | 4 | 55 |
| | 5944 Kha | 0 | 3 | 21 |
| | 5945 Kha | 0 | 1 | 87 |
| | 6001 Kha | 0 | 2 | 27 |
| | 6044 Kha | 0 | 0 | 27 |
| | 6002 Kha | 0 | 4 | 15 |
| | 6003 Kha | 0 | 2 | 14 |
| | 6053 Kha | 0 | 6 | 42 |
| | 6054 Kha | 0 | 5 | 89 |

कां०आ० 959.—यतः पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार की अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना कां०आ० सं० 5111 तारीख 17-11-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का अथवा आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा के उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तैल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बन्धनों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

रुद्रसागर कूप नम्बर 38 से रुद्रसागर जी०जी०एन० नम्बर 1 तक की पाइप लाइन

| राज्य : असम | जिला : शिवसागर | तालुक : मेनेका बलगांव | | |
|-------------|----------------|-----------------------|------|------------|
| ग्राम | सर्वे नम्बर | हेक्टर | गैरे | सेन्टीगैरे |
| पथानियाल | 261ख | | 1 | 61 |
| | 262ख | | 0 | 67 |
| | 308ख | | 0 | 67 |
| | 310ख | | 0 | 67 |
| | 354ख | | 0 | 80 |
| | 311ख | | 0 | 67 |
| | 312ख | | 0 | 67 |
| | 358ख | | 0 | 67 |
| | 313ख | | 1 | 34 |
| | 314ख | | 1 | 61 |
| | 315ख | | 1 | 87 |

| ग्राम | गर्व नम्बर | हेक्टेयर | तेरे | सेन्टीएरे |
|-------|------------|----------|------|-----------|
| | 316 ख | | 2 | 11 |
| | 357 ख | | 0 | 67 |
| | 259 ख | | 0 | 67 |
| | 350 ख | | 2 | 41 |
| | 355 ख | | 0 | 10 |
| | 353 ख | | 0 | 67 |
| | 517 ख | | 2 | 54 |
| | 352 ख | | 0 | 67 |
| | 351 ख | | 2 | 11 |
| | 521 ख | | 1 | 74 |
| | 522 ख | | 1 | 31 |
| | 547 ख | | 2 | 01 |

[सं 12020/4/75-एल० एण्ड एल०-II]

S.O. 959.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 5141 dated 17-11-1975 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-Section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar GGS No. 1 to Rudrasagar well
No. 38

| State : Assam | Dist : Sibsagar | Taluk : Metoka Bongaon | | | |
|---------------|-----------------|------------------------|-----|----------|--|
| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare | |
| Pathalial, | 261 Kha | 0 | 1 | 61 | |
| | 262 Kha | 0 | 0 | 67 | |
| | 308 Kha | 0 | 0 | 67 | |
| | 310 Kha | 0 | 0 | 67 | |
| | 354 Kha | 0 | 0 | 80 | |
| | 311 Kha | 0 | 0 | 67 | |
| | 312 Kha | 0 | 0 | 67 | |
| | 358 Kha | 0 | 0 | 67 | |
| | 313 Kha | 0 | 1 | 34 | |
| | 314 Kha | 0 | 1 | 61 | |
| | 315 Kha | 0 | 1 | 87 | |
| | 316 Kha | 0 | 2 | 41 | |
| | 357 Kha | 0 | 0 | 67 | |
| | 259 Kha | 0 | 0 | 67 | |
| | 350 Kha | 0 | 2 | 41 | |
| | 355 Kha | 0 | 0 | 40 | |
| | 353 Kha | 0 | 0 | 67 | |
| | 517 Kha | 0 | 2 | 54 | |
| | 352 Kha | 0 | 0 | 67 | |
| | 351 Kha | 0 | 2 | 41 | |
| | 521 Kha | 0 | 1 | 74 | |
| | 522 Kha | 0 | 1 | 34 | |
| | 547 Kha | 0 | 2 | 01 | |

[No. 12020/4/75-L & L-II]

का०आ० 960.—यतः वैट्रोपियम पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के वैट्रोपियम और रसायन मंत्रालय (वैट्रोपियम विभाग) की अधिसूचना का०आ० सं० 2291 तारीख 24-5-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाना है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय नैन और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी संयंत्रों में सुक्त रू में, ईंधन आयोग के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप न० एम०पी०जे० से एन०के०ओ० से एम०पी०ई० तक भूमि के उपयोग के अधिकार

| राज्य : गुजरात | जिला : अहमदाबाद | तालुका : बीरमगम | | | |
|----------------|-----------------|-----------------|------|-----------|--|
| गांव | संबंधन न० | हेक्टेयर | तेरे | सेन्टीएरे | |
| आलसासन | 34 | 0 | 10 | 75 | |
| | 93 | 0 | 10 | 75 | |
| | 92/1 | 0 | 04 | 75 | |
| मातेरिया | 13 | 0 | 02 | 00 | |
| | 11 | 0 | 04 | 20 | |
| | 10/3 | 0 | 05 | 75 | |
| | 9 | 0 | 05 | 40 | |
| | 712 | 0 | 13 | 20 | |
| | 612 | 0 | 15 | 25 | |

[सं 12018/8/76-एल० एण्ड एल०-II]

S.O. 960.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 2291 dated 24-5-1976 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the

said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. from Well No. SPJ to NKO to SPE

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

| Village | Survey No. | Hectare | Acre | Centiare |
|----------|------------|---------|------|----------|
| Balsasan | 94 | 0 | 10 | 75 |
| | 93 | 0 | 10 | 75 |
| | 92/1 | 0 | 04 | 75 |
| Bhateria | 13 | 0 | 02 | 00 |
| | 11 | 0 | 04 | 20 |
| | 10/3 | 0 | 05 | 75 |
| | 9 | 0 | 05 | 40 |
| | 7/2 | 0 | 13 | 20 |
| | 6/2 | 0 | 15 | 25 |

[No. 12016/8/76-L & L-II]

का० आ० 961.—यतः पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 5145 तारीख 17-11-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जन करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम, प्राधिकारिय ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जन करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जन किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बन्धनों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

रुद्रसागर कूप नम्बर 25 से कूप नम्बर 38 तक की पाइप लाइन

| ग्राम | सर्वे० नम्बर | हेक्टेयर | ऐर | सेन्टीऐर |
|---------|--------------|----------|----|----------|
| पथलीयाल | 539ख | 0 | 3 | 61 |
| | 540ख | 0 | 7 | 22 |
| | 577ख | 0 | 2 | 01 |
| | 541ख | 0 | 2 | 14 |
| | 578ख | 0 | 2 | 81 |

[सं० 12020/4/75-एल०एण्ड०एल०-III]

टी०पी० सुब्रह्मनियन, अव्वर सचिव

S.O. 961.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 5145 dated 17-11-1975 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar Well No. 25 to Rudrasagar Well No. 38

State : Assam District : Sibsagar Taluk : Metekabongaon

| Village | Survey No. | Hectare | Acre | Centiare |
|-----------|------------|---------|------|----------|
| Pathalial | 539 Kha | 0 | 3 | 61 |
| | 540 Kha | 0 | 7 | 22 |
| | 577 Kha | 0 | 2 | 01 |
| | 541 Kha | 0 | 2 | 14 |
| | 578 Kha | 0 | 2 | 81 |

[No. 12020/4/75-L & L-III]

T.P. SUBRAMANYAN, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1977

का० आ० 962.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधि-भोगियों की बेइखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०आ० 349 (अ), तारीख 11 जुलाई, 1975 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध नारणी में, “कोल माइनस अक्विटी निमिटेड (पश्चिमी खण्ड)” शब्दों और कोष्ठकों के स्थान पर, जहाँ कहा भी वे आये हों, “वेस्टर्न कोल फील्ड निमिटेड” शब्द रखे जायेंगे।

[का० सं० 19(43)/75-सी०ई०एल०]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 8th March, 1977

S.O. 962.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification

of the Government of India in the Ministry of Energy No. S.O. 349 (E), dated the 11th July, 1975, namely :—

In the table appended to the said notification, for the words and brackets "Coal Mines Authority Limited (Western Division)", wherever they occur, the words "Western Coal-fields Limited" shall be substituted.

[F. No. 19(43)/75-C1]

अनुसूची-क
रानीगंज खण्ड—9 विस्तार
रानीगंज कोयला क्षेत्र
उपखण्ड—'क'

ड्राइंग सं० 33/1861

तारीख 1-5-76

(जिसमें अर्जित की जाने वाली भूमियां दर्शाए हैं)

सभी अधिकार

का० आ० 963.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2512, तारीख 11 मिनम्बर, 1974 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 2100.00 एकड़ (लगभग) या 850.00 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमियों में कोयले के लिए पूर्वक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और केन्द्रीय सरकार ने उस अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 3290, तारीख 28 अगस्त, 1976 द्वारा, 11 मिनम्बर, 1976 से प्रारम्भ होने वाली एक वर्ष की और अवधि को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट किया था, जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उस भूमियों को या ऐसी भूमियों में या उन पर किन्हीं अधिकारों को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दे सकेगी ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त सम्पूर्ण भूमियों में कोयला अभिप्राप्य है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना देती है :—

(क) इससे उपाबद्ध अनुसूची 'क' में वर्णित 2046.31 एकड़ (लगभग) या 828.28 हेक्टेयर (लगभग) माप वाली भूमि ; और

(ख) इससे उपाबद्ध अनुसूची 'ख' में वर्णित 53.69 एकड़ (लगभग) या 21.72 हेक्टेयर (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों के खनन, खदान, बेधन, उनकी खुदाई करने और उन्हें तलाश करने उन्हें प्राप्त करने, उनपर कार्य करने और उन्हें हो कर ले जाने के अधिकार ।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण कलकत्ता का कार्यालय, बर्दमान (पश्चिमी बंगाल) में या कोयला नियंत्रक का कार्यालय, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में अथवा मुख्य खान इंजीनियर (संश्लेषण और विकास) का कार्यालय, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, संक्टोरिया, डाकघर दिशेगढ़, जिला बर्दमान (पश्चिमी बंगाल) में किया जा सकेगा ।

कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है ।

| क्रम सं० | मौजा (ग्राम) | थाना सं० | पुलिस स्टेशन (थाना) | जिला | क्षेत्र | टिप्पणियां |
|----------|--------------|----------|---------------------|---------|---------|------------|
| 1. | बोनाबन्धी . | 11 | फरीदपुर | बर्दमान | | प्रांशिक |
| 2. | बालीजूड़ी . | 16 | " | " | | " |
| 3. | सिरसा . | 17 | " | " | | " |
| 4. | नवधनपुर . | 19 | " | " | | " |
| 5. | जमपारा . | 23 | " | " | | " |
| 6. | मधार्गंजा . | 24 | " | " | | " |

कुल क्षेत्रफल 2046.31 एकड़ (लगभग)
या 828.28 हेक्टेयर (लगभग)

मौजा बोनाबन्धी में अर्जित किए जाने वाले प्लोटों की संख्याएं :
145(पी), 177(पी), 178(पी), 179, 180(पी), 181, 182, 183(पी), 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 180/215, 189/199 ।

मौजा बालीजूड़ी में अर्जित किए जाने वाले प्लोटों की संख्याएं :
1, 2, 3, 4, 3/2064, 4/2065, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 14/2066, 15, 16, 17, 18, 18/2076, 5/2077, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 31/2079, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 56/2067, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 101/2070, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 113/2068, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140/2080, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 160/2082, 151, 2115, 167, 168, 168/2113, 168/2114, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 174/2128, 174/2129, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 210/2083, 211, 212, 213, 214,

215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225,
 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235,
 236, 237, 238, 239, 240, 205/2112, 206, 2081, 233/
 2116, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 248/
 2084, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257,
 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267,
 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277,
 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 279/2085, 285,
 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295,
 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305,
 306, 307, 308, 309, 310, 308/2069, 311, 312, 313,
 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323,
 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333,
 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343,
 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353,
 354, 354/2086, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361,
 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371,
 372, 373, 374, 375, 376, 377, 377/2071, 378, 379,
 380, 381, 282, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389,
 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399,
 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409,
 410, 404/2117, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417,
 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 424/2087, 424/
 2088, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433,
 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443,
 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453,
 454, 455, 456, 457, 458, 459, 560, 461, 462, 463,
 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 480,
 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490,
 521, 525, 542(पी), 568 569, 570, 571, 572, 573, 574,
 575, 576, 574/2121, 577 578, 578/2122, 579, 580,
 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590,
 591, 592, 593, 594, 595, 596, 625, 626, 627, 628,
 629, 630, 631, 632 633, 631/2123, 634, 635, 646,
 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656,
 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666,
 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676,
 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686,
 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696,
 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706,
 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716,
 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726,
 727, 728, 729, 730, 731, 732, 732/2091, 733, 734,
 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744,
 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754,
 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 662, 763, 764,
 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774,
 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 783, 830, 831,
 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841,
 842, 843, 844, 845, 846, 848, 849, 850, 851, 852,
 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862(पी),
 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872(पी),

873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880(पी), 851/2036,
 881(पी), 882(पी), 884(पी), 885(पी), 886(पी), 887(पी),
 890(पी), 890/2093, 891(पी), 892(पी), 893(पी), 894(पी),
 895, 896, 897, 898, 899, 899/2058, 900, 901, 902,
 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912,
 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922,
 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 904/2094,
 931, 932, 933, 934, 935, 936(पी), 939(पी), 940, 940/
 2060, 940/2061, (पी) 941(पी), 1210(पी), 1211(पी),
 1212(पी), 1213(पी), 1215(पी), 1216, 1217(पी), 1218,
 1219, 1220(पी), 1268(पी), 1269(पी), 1272(पी),
 1277(पी), 1278(पी), 1279(पी), 1280, 1281, 1282,
 (पी), 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290,
 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298(पी),
 1299(पी), 1301(पी), 1303(पी), 1304, 1305, 1306,
 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312(पी), 1313, 1314,
 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322,
 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330,
 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338,
 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1314, 1345, 1346,
 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354,
 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362,
 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370,
 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378,
 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386,
 1387, 1388, 1389, 1390, 1308/2138, 1442, 1443,
 1441, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451,
 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459,
 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467,
 1467/2104, 1468, 1469, 1470, 1475, 1476, 1477,
 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1483, 1484, 1485,
 1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493,
 1494, 1495, 1496, 1497, 1498, 1499, 1500, 1501,
 1501/2105, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507,
 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1513, 1514, 1515,
 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523,
 1524, 1524/2106, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529,
 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537,
 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545,
 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553,
 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561,
 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569,
 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1574/2137, 1575,
 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583,
 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1588/2063(पी), 1589
 (पी), 1590, 1591(पी), 1592(पी), 1594(पी), 1598(पी),
 1599(पी), 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605(पी),
 1606(पी), 1625(पी), 1628, 1629, 1630, 1631, 1632,
 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638(पी), 1639, 1640
 (पी), 1721(पी), 1725(पी), 1726, 1727, 1728, 1729,
 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737,
 1738, 1739, 1740, 1741, 1742(पी), 1743, 1744, 1745,

1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758(पी), 1759, 1760, 1761, 1762, 1763(पी), 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769(पी), 1770(पी), 1773(पी), 1774(पी), 1882(पी), 1883(पी), 1884, 1885, 1886(पी), 1887(पी), 1888(पी), 1889, 1890, 1891, 1892, 1893, 1894, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901, 1902, 1903(पी), 1904, 1905(पी), 1908(पी), 1909(पी), 1910(पी), 1911, 1912, 1913, 1914, 1915, 1916, 1917(पी), 1918(पी), 1919(पी), 1922(पी), 1923(पी), 1924(पी), 1925(पी), 1917/2130, 1917/2131(पी), 1917/2132, 1917/2133, 1897/2127, 1769/2111.

सीमा नयनपुर में अजित सिंह जाने वाले प्लॉटों की संख्याएं :

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 18/2336, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 53/2385, 53/2391, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 199/2340, 145/2348, 201, 201/2337, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 233, 234, 235, 336, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 211, 245, 246, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 274, 275, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 355, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 365/2349, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 375/2350, 376, 377(पी), 378, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431 (पी), 431/2347, 431/2405(पी), 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483(पी), 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495,

496, 497, 498, 499, 500, 500/2339, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 547, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593(पी), 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606(पी), 607(पी), 610(पी), 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621(पी), 622(पी), 623, 624, 625(पी), 626(पी), 627(पी), 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 681/2351, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 816, 817, 855(पी), 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996(पी), 997, 998, 999, 1001, 1002, 1003, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1123, 1125, 1126, 1127, 1128, 1133, 1134, 1151, 1152, 1153, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1156/2360, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1185/2363, 1185/2364, 1185/2365, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216,

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|------------|------------|------------|------------|------------|------------|-------|-------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|-------|
| 1217, | 1218, | 1220, | 1221, | 1222, | 1223, | 1224, | 1225, | 1633, | 1634, | 1635, | 1636, | 1637, | 1638, | 1639, | 3640, |
| 1226, | 1227, | 1228, | 1229, | 1230, | 1231, | 1232, | 1233, | 1841, | 1642, | 1643, | 1644, | 1645, | 1646, | 1647, | 1648, |
| 1234, | 1235, | 1236, | 1237, | 1239, | 1240, | 1242, | 1243, | 1649, | 1650, | 1651, | 1652, | 1653, | 1654, | 1655, | 1656, |
| 1244, | 1245, | 1246, | 1247, | 1248, | 1249, | 1250, | 1251, | 1657, | 1758, | 1659, | 1660, | 1660/2368, | 1661, | 1662, | |
| 1252, | 1253, | 1254, | 1256, | 1257, | 1258, | 1259, | 1260, | 1663, | 1664, | 1665, | 1666, | 1667, | 1668, | 1669, | 1670, |
| 1261, | 1262, | 1263, | 1264, | 1265, | 1266, | 1267, | 1268, | 1671, | 1672, | 1673, | 1674, | 1675, | 1676, | 1677, | 1678, |
| 1269, | 1270, | 1271, | 1272, | 1273, | 1274, | 1275, | 1276, | 1679, | 1680, | 1681, | 1682, | 1683, | 1684, | 1685, | 1686, |
| 1277, | 1278, | 1279, | 1280, | 1281, | 1282, | 1283, | 1284, | 1687, | 1688, | 1689, | 1690, | 1691, | 1692, | 1693, | 1694, |
| 1285, | 1286, | 1287, | 1288, | 1289, | 1290, | 1291, | 1292, | 1695, | 1696, | 1697, | 1698, | 1699, | 1700, | 1701, | 1702, |
| 1293, | 1294, | 1295, | 1296, | 1297, | 1298, | 1299, | 1300, | 1703, | 1704, | 1705, | 1706, | 1707, | 1708, | 1709, | 1710, |
| 1301, | 1302, | 1303, | 1304, | 1305, | 1306, | 1307, | 1308, | 1711, | 1712, | 1713, | 1714, | 1715, | 1716, | 1717, | 1718, |
| 1309, | 1310, | 1311, | 1312, | 1313, | 1314, | 1315, | 1316, | 1719, | 1720, | 1721, | 1722, | 1723, | 1724, | 1725, | 1726, |
| 1317, | 1318, | 1319, | 1320, | 1321, | 1322, | 1323, | 1324, | 1727, | 2728, | 1729, | 1730, | 1731, | 1732, | 1733, | 1734, |
| 1325, | 1326, | 1327, | 1328, | 1329, | 1330, | 1331, | 1331/ | 1735, | 1736, | 1737, | 1738, | 1739, | 1740, | 1741, | 1742, |
| 2366, | 1331/2367, | 1332, | 1333, | 1334, | 1335, | 1336, | | 1743, | 1744, | 1745, | 1746, | 1747, | 1748, | 1749, | 1750, |
| 1337, | 1338, | 1339, | 1340, | 1341, | 1342, | 1343, | 1344, | 1751, | 1752, | 1753, | 1754, | 1755, | 1756, | 1757, | 1758, |
| 1345, | 1346, | 1347, | 1348, | 1349, | 1350, | 1351, | 1352, | 1759, | 1760, | 1761, | 1762, | 1763, | 1764, | 1765, | 1766, |
| 1353, | 1354, | 1355, | 1356, | 1357, | 1358, | 1359, | 1360, | 1767, | 1768, | 1769, | 1770, | 1737/2403, | 1737/2384, | 1771, | |
| 1360/2380, | 1360/2381, | 1360/2382, | 1360/2383, | 1361, | | | | 1772, | 1773 | 1774, | 1775, | 1776, | 1777, | 1778, | 1779, |
| 1362, | 1363, | 1364, | 1365, | 1366, | 1367, | 1368, | 1369, | 1780, | 1781, | 1782, | 1783, | 1784, | 1785, | 1786, | 1787, |
| 1371, | 1372, | 1373, | 1374, | 1375, | 1376, | 1377, | 1378, | 1788, | 1789, | 1790, | 1791, | 1792, | 1793, | 1794, | 1795, |
| 1379, | 1380, | 1381, | 1382, | 1383, | 1384, | 1385, | 1386, | 1796, | 1797, | 1798, | 1799, | 1800, | 1801, | 1802, | 1803, |
| 1387, | 1388, | 1389, | 1390, | 1316/2361, | 1316/2362, | 1390/ | | 1804, | 1805, | 1806, | 1807, | 1808, | 1809, | 1810, | 1811, |
| 2392, | 1391, | 1392, | 1393, | 1394, | 1395, | 1396, | 1397, | 1812, | 1813, | 1814, | 1815, | 1816, | 1817, | 1818, | 1819, |
| 1398, | 1399, | 1400, | 1401, | 1402, | 1403, | 1404, | 1405, | 1820, | 1821, | 1822, | 1823, | 1824, | 1825, | 1826, | 1827, |
| 1406, | 1407, | 1408 | 1409, | 1410, | 1411, | 1412, | 1413, | 1828, | 1829, | 1830, | 1831, | 1832, | 1833, | 1834, | 1835, |
| 1414, | 1415, | 1416, | 1417, | 1418, | 1419, | 1420, | 1421, | 1836, | 1837, | 1838, | 1839, | 1840, | 1841, | 1842, | 1843, |
| 1422, | 1423, | 1424, | 1425, | 1426, | 1427, | 1428, | 1429, | 1844, | 1845, | 1846, | 1847, | 1848, | 1849, | 1850, | 1851, |
| 1430, | 1431, | 1432, | 1436, | 1437, | 1438, | 1439, | 1440, | 1852, | 1853, | 1854, | 1855, | 1856, | 1857, | 1858, | 1859, |
| 1441, | 1442, | 1443, | 1444, | 1445, | 1446, | 1447, | 1448, | 1860, | 1861, | 1862, | 1863, | 1864, | 1865, | 1866, | 1867, |
| 1449, | 1450, | 1451, | 1452, | 1453, | 1454, | 1455, | 1456, | 1868, | 1869, | 1864, | 2343, | 1881, | 1882, | 1883, | 1884, |
| 1457, | 1458, | 1459, | 1460, | 1461, | 1462, | 1463, | 1464, | 1885, | 1929, | 1930, | 1928/2377, | 1935, | 1936, | 1937, | 1938, |
| 1465, | 1466, | 1467, | 1468, | 1469, | 1470, | 1471, | 1472, | 1939, | 1940, | 1941, | 1942, | 1943, | 1944, | 1945, | 1946, |
| 1473, | 1474, | 1475, | 1476, | 1477, | 1478, | 1479, | 1480, | 1947, | 1948, | 1949, | 1950, | 1951, | 1952, | 1953, | 1954, |
| 1481, | 1482, | 1483, | 1484, | 1485, | 1486, | 1487, | 1488, | 1955, | 1956, | 1957, | 1958, | 1959, | 1960, | 1961, | 1962, |
| 1489, | 1490, | 1491, | 1492, | 1493, | 1494, | 1495, | 1496, | 1963, | 1964, | 1965, | 1966, | 1967, | 1968, | 1968/2344, | 1969, |
| 1497, | 1498, | 1499, | 1500, | 1501, | 1502, | 1503, | 1504, | 1970, | 1971, | 1972, | 1973, | 1974, | 1975, | 1976, | 1977, |
| 1505, | 1506, | 1507, | 1508, | 1509, | 1510, | 1511, | 1512, | 1978, | 1979, | 1980, | 1981, | 1982, | 1983, | 1984, | 1985, |
| 1513, | 1514, | 1515, | 1516, | 1517, | 1518, | 1519, | 1520, | 1986, | 1987, | 1988, | 1989, | 1990, | 1991, | 1992, | 1993, |
| 1521, | 1522, | 1523, | 1524, | 1525, | 1526, | 1527, | 1528, | 1994, | 1995, | 1996, | 1997, | 1998, | 1999, | 2000, | 2001, |
| 1529, | 1451/2342, | 1530, | 1531, | 1532, | 1533, | 1534, | 1535, | 2002, | 2003, | 2004, | 2005, | 2006, | 2007, | 2008, | 2009, |
| 1392/2341, | 1536, | 1537, | 1538, | 1539, | 1540(फ़ी), | 1544, | | 2010, | 2011, | 2012, | 2013, | 2014, | 2015, | 2016, | 2017, |
| 1545, | 1546, | 1547, | 1548, | 1549, | 1550, | 1551, | 1552, | 2018, | 2019, | 2020, | 2021, | 2022, | 2023, | 2024, | |
| 1553, | 1554, | 1555, | 1556, | 1557, | 1558, | 1559, | 1560, | 2025, | 1793/2378, | 2026, | 2027, | 2028, | 2029, | 2030, | |
| 1561, | 1562, | 1563, | 1564, | 1565, | 1566, | 1567, | 1568, | 2031, | 2032, | 2033, | 2034, | 2035, | 2036, | 2037, | 2038, |
| 1569, | 1570, | 1571, | 1572, | 1573, | 1574, | 1575, | 1576, | 2039, | 2040, | 2041, | 2042, | 2043, | 2044, | 2045, | 2046, |
| 1577, | 1578, | 1579, | 1580, | 1581, | 1582, | 1583, | 1584, | 2047, | 2048, | 2049, | 2050, | 2051, | 2052, | 2052/2345, | |
| 1585, | 1586, | 1587, | 1588, | 1589, | 1590, | 1591, | 1592, | 2052/2379, | 2053, | 2054, | 2055, | 2056, | 2057, | 2058, | |
| 1593, | 1594, | 1595, | 1596, | 1597, | 1598, | 1599, | 1600, | 2059(फ़ी), | 2060(फ़ी), | 2061(फ़ी), | 2062, | 2063, | 2064, | 2065, | |
| 1601, | 1602, | 1603, | 1604, | 1605, | 1606, | 1607, | 1608, | 2066, | 2067, | 2068, | 2068/2346, | 2069, | 2070, | 2071, | |
| 1609, | 1610, | 1611, | 1612, | 1613, | 1614, | 1615, | 1616, | 2072(फ़ी), | 2073(फ़ी), | 2074(फ़ी), | 2075(फ़ी), | 2064/2390, | 2077(फ़ी) | | |
| 1617, | 1618, | 1619, | 1620, | 1621, | 1622, | 1623, | 1624, | 2071/2386, | 2123(फ़ी), | 2124, | 2125, | 2126, | 2127, | 2128, | |
| 1625, | 1626, | 1627, | 1628, | 1629, | 1630, | 1631, | 1632, | | | | | | | | |

2129, 2130, 2131, 2132(पी), 2133(पी), 2141(पी), 2142(पी), 2148(पी), 2172(पी), 2188(पी), 2189(पी), 2190, 2191(पी), 2192, 2193(पी), 2194(पी), 2199(पी), 2200/2397(पी) ।

मौजा मिरमा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉटों की संख्याएं : 1047(पी), 1048, 1047/1588(पी), 1047/1608(पी), 1047/1609(पी), 1047/1610, 1047/1611, 1047/1612, 1047/1613, 1047/1614, 1017/1616(पी), 1047/1623(पी), 1017/1624, 1047/1625, 1047/1657(पी), 1047/1615, 1047/1622(पी), 1048/1660(पी)

मौजा जमगरा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉटों की संख्याएं : 1(पी), 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41(पी), 42, 43, 44, 45(पी), 46(पी), 47(पी), 53(पी), 60(पी), 61(पी), 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90(पी), 91, 92(पी), 93, 94, 95, 98(पी), 99(पी), 100(पी), 194(पी), 199(पी), 200(पी), 201(पी), 204(पी), 205(पी), 210(पी), 211(पी), 212(पी), 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 71/1244, 73/1245(पी), 41/1253, 86/3346, 33/3418

मौजा मधार्हगंजा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉटों की संख्याएं : 1, 2(पी), 13(पी), 14(पी), 15(पी), 16(पी), 17(पी), 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34(पी), 35(पी), 37(पी), 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86(पी), 87(पी), 88(पी), 89(पी), 90, 91, 92, 93(पी), 97(पी), 98(पी), 99(पी), 153(पी), 154(पी), 158(पी), 159, 160(पी), 161(पी), 162(पी), 172(पी), 174(पी), 175, 176, 177, 178, 179, 180, 182, 183(पी), 184, 185, 186, 187(पी), 178/967, 186/970, 172/977(पी), 68/981, 66/982, 28/983, 162/997(पी), 160/1013, 5/1017(पी), 1/1018(पी), 1/1019, 1/1022(पी), 160/1064, 162/1066(पी), 162/1068(पी), 1/1020(पी), 12/1141(पी)

सीमा वर्णन :

ए बी याहन मौजा मिरमा और तक्रकोन्दा के बीच सामान्य सीमा के साथ-साथ, और मौजा नवचनपुर की प्लॉट सं० 1047/1588, 1047/1657, 1047/1658, 1047/1622, 1047/1623, 1017/1608, 1047/1609, 1047 से होकर जाती है तथा बिन्दु 'बी' पर मिलती है।

बी-सी याहन मौजा नवचनपुर की प्लॉट सं० 1047/1657, 1048/1660, 1047, 1051 से मौजा मिरमा की प्लॉट सं० 431/2105, 131, 2200/2397, 483, 2194, 2199, 2193, 2191, 2189, 2188, 2172, 2132, 2133, 2141, 2142, 2124, 2123, 593, 606, 607, 610, 621,

622, 625, 626, 627, 2075, 2074, 2077, 2071/2386, 2073, 2061, 2072, 2059, 2060, से मौजा बालीजूड़ी की प्लॉट सं० 1925, 1922, 1924, 1923, 1917/2131, 1917, 1919, 1918, 1910, 1909, 1908, 1903, 1905, 1888, 1887, 1886, 1882, 1883, 1758, 1763, 1774, 1773, 1770, 1769, 1742, 1721, 1725, 1640, 1726, 1638, 1625, 1606, 1605, 1598, 1599, 1594, 1592, 1591, 1589, 1588/2063 से होकर गुजरती है बिन्दु 'सी' पर (जो कोयला अधिनियम की धारा 4(1) के अधीन अधिसूचित रानीगंज खण्ड XI की आंशिक उत्तरी सीमा है) मिलती है।

सी-डी

याहन मौजा जमगरा की प्लॉट सं० 1 से होकर मौजा मधार्हगंजा की प्लॉट सं० 1/1022, 1/1021, 1/1020, 2, 1/1018, 5/1017, 17, 16, 15, 14, 13, 12/1141, 86, 87, 88, 89, 99, 98, 97, 93, 153, 154, 160, 161, 162/1068, 162/1066, 162, 174, 172, 172/977 से गुजरती है और बिन्दु 'डी' पर (जो कोयला अधिनियम की धारा 4(1) के अधीन अधिसूचित रानीगंज खण्ड XI की आंशिक पूर्वी सीमा है) मिलती है।

डी-ई

याहन मौजा जमगरा की प्लॉट सं० 1, 73/1245, 199, 200, 201, 204, 205, 212, 211, 210, 194 से गुजरती है और बिन्दु 'ई' पर मिलती है।

ई-एफ

याहन मौजा जमगरा की प्लॉट सं० 194, 90, 100, 99, 98, 92, 60, 61, 53, 45, 46, 47, 41 से मौजा मधार्हगंजा की प्लॉट सं० 187, 183, 162/997, 162, 162/1066, 162/1068, 161, 160, 158, 160/1064, 154, 153, 37, 35, 34, से, मौजा बोनाबंदी की प्लॉट सं० 183, 145, 180, 178, 177, से मौजा बालीजूड़ी की प्लॉट सं० 1279, 1281, 1278, 1277, 1272, 1269, 1268, 1282, 1299, 1298, 1301, 1303, 1312, 1212, 1220, 1218, 1217, 1215, 1213, 1210, 1211, 1212, 872, 880, 881, 882, 883, 884, 862, 885, 886, 887, 890, 891, 892, 893, 894, 936, 939, 941, 940/2061 से गुजरती है और बिन्दु 'एफ' पर मिलती है।

एफ-ए

याहन मौजा बालीजूड़ी की आंशिक उत्तरी सीमा और मौजा मिरमा की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

अनुसूची-ख
उपखण्ड 'ख'

ड्राइंग सं० 33/1861

तारीख 1-5-76

(जिसमें ऐसी भूमि वर्णन की गई है, जिसमें खनिजों के खनन, खदान, भेदन, उत्खनन, खुदाई करने, उन्हे तलाश करने, प्राप्त करने उन पर कार्य करने और उन्हें हो कर ले जाने के अधिकार अर्जित किए जाने हैं)

खनन अधिकार

| क्रम मोजा सं० (ग्राम) | थाना सं० | पुलिस स्टेशन (थाना) | जिला क्षेत्र | टिप्पणियां |
|---------------------------------|----------|---------------------|--------------|------------|
| 1. मिरसा | 17 | फरीदपुर | बर्दवान | आंशिक |
| कुल क्षेत्रफल-23.47 एकड़ (लगभग) | | | | |
| या 9.49 हेक्टेयर (लगभग) | | | | |

मोजा मिरसा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉटों की संख्याएं:—220

221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 228/2338, 229, 230, 231, 232, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 253, 354, 356, 377(पी), 379, 380, 381, 382, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 531, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 812, 813, 814, 815, 818, 819, 820, 821, 822, 831/2355, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855(पी), 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 921, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 969, 970, 996 (पी), 941/2359, 1101, 1129, 1130, 1131, 1132, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1154, 935/2357, 935/2358, 858/2356, 829/2354, 829/2352, 829/2353.

सीमा वर्णन :

ए-सी-सी-डी-ई-एफ लाइने मोजा मिरसा की प्लॉट सं० 969 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 912 और 954 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 942, 943, 938, 937 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 933 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1101 की उत्तरी और पूर्वी

सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 887 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 887 और 1117 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 886 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 886 और 1118 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 881, 880, 879, 878, की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 877 और 1119 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1129 और 1119 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1129, 1130 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1128 और 1131 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1131 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ आती है और बिन्दु 'एफ' पर मिलती है।

एफ-जी

लाइने मोजा मिरसा की प्लॉट सं० 1131, 1132, 1135, 1154 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1150 और 1153 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट संख्या 1150, 1149 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 855 से होकर प्लॉट सं० 764 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 764 और 753 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 763, 762, 761, 759, 758, 754 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 754 और 791 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 781, 783, की पूर्वी सीमा के साथ-साथ आती है और बिन्दु 'जी' पर मिलती है।

जी-एच-आई-जे-के-एल-एम-एन

लाइने मोजा मिरसा की प्लॉट सं० 783, 782 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 812 की पूर्वी और दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 814 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 815 और 811 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 815, 818, 819, 820, 546 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 548, 549, 550 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 550 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 550 और 555 तथा 550 और 552 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट, सं० 551, 519, 520, 521, 522 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 377 से होकर प्लॉट सं० 377 और 517 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 382 और 383 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 382, 379 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ आती है और बिन्दु 'एन' पर मिलती है।

एन-ओ-पी-क्यू-आर-एस

लाइने मोजा मिरसा की प्लॉट सं० 377 से होकर प्लॉट सं० 379 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 351, 356 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 356 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 354 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 343 और 334 की सामान्य सीमा की साथ-साथ, प्लॉट सं० 340 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 340 और 335 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 338, 337 की

पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 336 और 335 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 284, 285, 286 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 286 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 278 और 287 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 277 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 277, 276, 272, 273 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 249, 258 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 258, 257 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 257, और 255 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 230, 231, 232 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लॉट, सं० 223, 222, 220, की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 996 से होकर प्लॉट सं० 220 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 970, 969 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

उपखण्ड 'ग'

खनन अधिकार

| क्रम सं० | मौजा | थाना सं० | पुलिस स्टेशन (थाना) | जिला | क्षेत्र | टिप्पणियां |
|----------|-------|----------|---------------------|---------|---------|------------|
| 1 | सिरसा | 17 | फरीदपुर | बर्दवान | | आंशिक |

कुल क्षेत्रफल—8.66 एकड़ (लगभग)
या—3.50 हेक्टेयर (लगभग)

मौजा सिरसा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉटों की संख्याएं:—1433, 1434, 1435, 1874, 1875, 1876, 1876/2369, 1877, 1895, 1541, 1542, 1543, 1870, 1871, 1872, 1873, 1926, 1927, 1928, 1924, 1923, 1931, 1922, 1921, 1920, 1919, 1932, 1933, 1934, 1913, 1918, 1911, 1910, 1909, 1912, 1914, 1915, 1916, 1917, 1908, 1907, 1887, 1888, 1886, 1889, 1906, 1890, 1903, 1904, 1905, 1901, 1902, 1900, 1899, 1891, 1898, 1892, 1879, 1893/2375, 1893, 1897, 1896, 1894, 1878, 1880, 1540(पी), 1925, 1894/2370, 1894/2371, 1894/2372, 1894/2373, 1894/2374, 1890/2376

सीमा वर्णन :

1-2-3 लाहने मौजा सिरसा की प्लॉट सं० 1880, 1878, 1894/2370 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1876 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1876/2369 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 1433, 1434 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1540 से होकर प्लॉट सं० 1435 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1539 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1541, 1542, 1543 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु '3' पर मिलती है।

3-4

लाहने मौजा सिरसा की प्लॉट सं० 1543, 1871, 1870, 1926, 1928 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1928 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1927 और 1928/2377 तथा 1540 और 1928/2377 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1931, 1932, 1933 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1933 और 1955 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1934 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु '4' पर मिलती है।

4-5

लाहने मौजा सिरसा की प्लॉट सं० 1934 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1934, 1937 की सामान्य सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 1913 और 1937 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1911, 1910 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1910 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1909 और 1937 तथा 1909 और 1941 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1908, 1887 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु '5' पर मिलती है।

5-1

लाहने मौजा सिरसा की प्लॉट सं० 1887 और 2058 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1986, 1886 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1886 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1906 और 1881 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1889, 1892, 1879 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1880 की दक्षिणी और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु '1' पर मिलती है।

उप-खण्ड 'घ'

खनन अधिकार

| क्रम सं० | मौजा (ग्राम) | थाना सं० | पुलिस स्टेशन (थाना) | जिला | क्षेत्र | टिप्पणियां |
|----------|--------------|----------|---------------------|---------|---------|------------|
| 1. | बालीजुड़ी | 16 | फरीदपुर | बर्दवान | | आंशिक |

कुल क्षेत्रफल—21.56 एकड़ (लगभग)
या 8.73 हेक्टेयर (लगभग)

मौजा बालीजुड़ी में अर्जित किए जाने वाले प्लॉटों की संख्याएं:—491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501/2089, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542(पी), 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 602/2120, 601/2090, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 616/2118, 616/2119, 619, 620

621, 622, 623 624, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 477, 476, 475, 474, 473, 478, 479, 567/2073, 561/2072, 779, 782, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 805/2092, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825 826, 827, 828, 829, 847, 1391, 1392, 1390, 1394, 1395 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1433, 1434, 1435, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 851/2057, 1473, 1474.

सीमा वर्णन :

ए-बी लाइन मौजा बालीजूड़ी की प्लॉट सं० 779 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 779 की आंशिक पूर्वी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 825, 826, 828, 829, की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 829, 828, 821, की पूर्वी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 847 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'बी' पर मिलती है।

बी-सी लाइन मौजा बालीजूड़ी की प्लॉट सं० 847 की पूर्वी और दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 820 और 851 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 851/2057 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 788 से होकर प्लॉट सं० 788 और 851 तथा 788 और 851/2056 की सामान्य सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 1390 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है। और बिन्दु 'सी' पर मिलती है।

सी-डी लाइन मौजा बालीजूड़ी की प्लॉट सं० 1453 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1439, 1441 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 1441, 1440, 1438, 1437 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 525, 521, की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 521/1446 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1473, 1474 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'डी' पर मिलती है।

डी-ई लाइन मौजा बालीजूड़ी की प्लॉट सं० 1474 की दक्षिणी और आंशिक पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 1474 और 493 की सामान्य सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 491 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 492 की आंशिक पूर्वी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 495 की पूर्वी और आंशिक दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 496 की पूर्वी और दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 497, 498 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 477 की आंशिक पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 479 की पूर्वी और दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 473 की दक्षिणी

और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 475 की आंशिक दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ई' पर मिलती है।

ई-एफ-जी-एच-
आई-ए :

लाइन मौजा बालीजूड़ी की प्लॉट सं० 542 से होकर प्लॉट सं० 475, 501 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 542 और 156 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 543 की दक्षिणी और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 544, 545 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 545 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 156 की आंशिक पूर्वी सीमा और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 567 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 567 की आंशिक उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 567 और 568 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 568, और 566 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 569 और 566 की सामान्य सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 573 और 566 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 575 की दक्षिणी पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 576 की आंशिक पूर्वी और आंशिक उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 596 की पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 623, 624 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 624, 622, 620, 619, 617 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 635 की आंशिक दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 636, 637, की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 638 की आंशिक पश्चिमी और आंशिक उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 644, 645, की आंशिक पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 645, 784, 785, 786 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लॉट सं० 787 की आंशिक पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 782 की दक्षिणी और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लॉट सं० 779 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

[सं० 19(46)/76-सी०एल०]
चन्द्रधर त्रिपाठी, निदेशक

S.O. 963.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) No. S.O. 2512 dated the 11th September, 1974 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 2100.00 acres (approximately) or 850.00 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the schedule appended to that notification ;

And, whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 3290 dated the 28th August, 1976, under sub section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government specified a further, period of one year commencing from the 11th September, 1976 as the period within which the Central Government may give

notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands ;

And, whereas, the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the whole of the said lands ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire—

- (a) the lands measuring 2046.31 acres (approximately) or 828.28 hectares (approximately) described in Schedule A appended hereto ; and
- (b) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 53.69 acres (approximately) or 21.72 hectares (approximately) described in scheduled B appended hereto.

The plans of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Burdwan (West Bengal) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Chief Mining Engineer (Construction and Development), Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, Post Office Dishergarh, District Burdwan (West Bengal).

The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

THE SCHEDULE A RANIGANJ BLOCK—XI EXTN.

RANIGANJ COALFIELD

Sub Block 'A'

Drawing No. 33/1861
Dated 1-5-76

All rights (Showing lands to be acquired)

| Serial No. | Mouza (Village) | Thana No. | Police Station (Thana) | District Area | Remarks |
|------------|-----------------|-----------|------------------------|---------------|---------|
| 1. | Benebandhi | 11 | Faridpur | Burdwan | Part |
| 2. | Balijuri | 16 | " | " | " |
| 3. | Sirsha | 17 | " | " | " |
| 4. | Nabaghanapur | 19 | " | " | " |
| 5. | Jamgora | 23 | " | " | " |
| 6. | Madhaiganja | 24 | " | " | " |

Total area—2046.31 acres
(Approximately)
or—828.28 hectares
(Approximately)

Plot numbers to be acquired in Mouza Benebandhi :—145(P), 177(P), 178(P), 179, 180(P), 181, 182, 183(P), 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 180/215, 189/199.

Plot numbers to be acquired in mouza Balijuri :—1, 2, 3, 4, 3/2064, 4/2065, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 14/2066, 15, 16, 17, 18, 18/2078, 5/2077, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 31/2079, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 56/2067, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 101/2070, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 113/2068, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129,

130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 140/2080, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 160/2082, 151/2115, 167, 168, 168/2113, 168/2114, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 174/2128, 174, 2129, 175, 176, 177, 178, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 210/2083, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 205/2112, 206/2081, 233/2116, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 248/2084, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 279/2085, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301-302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 308/2069, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 354/2086, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 377/2071, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 404/2117, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 424/2087, 424/2088, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 521, 525, 542(P), 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 574/2121, 577, 578, 578/2122, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 631/2123, 634, 635, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 732/2091, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 783, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862(P), 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872(P), 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880(P), 851/2056, 881(P), 882(P), 884(P), 885(P), 886(P), 887(P), 890(P), 890/2093, 891(P), 892(P), 893(P), 894(P), 895, 896, 897, 898, 899, 899/2058, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 904/2094, 931, 932, 933, 934, 95, 936(P), 939(P), 940, 940/2060, 940/2061(P), 941(P), 1210(P), 1211(P), 1212(P), 1213(P), 1215(P), 1216(P), 1217(P), 1218, 1219, 1220(P), 1268(P), 1269(P), 1272(P), 1277(P), 1278(P), 1279(P), 1280, 1281, 1282(P), 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298(P), 1299(P), 1301(P), 1303(P), 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312(P), 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373,

1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1308/2138, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1467/2104, 1468, 1469, 1470, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1483, 1484, 1485, 1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1497, 1498, 1499, 1500, 1501, 1501/2105, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1524/2106, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1544, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1574/2137, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1588/2063(P), 1589(P), 1590, 1591(P), 1592(P), 1594(P), 1598(P), 1599(P), 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605(P), 1606(P), 1625(P), 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638(P), 1639, 1640(P), 1721(P), 1725(P), 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742(P), 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758(P), 1759, 1760, 1761, 1762, 1763(P), 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769(P), 1770(P), 1773(P), 1774(P), 1882(P), 1883(P), 1884, 1885, 1886(P), 1887(P), 1888(P), 1889, 1890, 1891, 1892, 1893, 1994, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901, 1902, 1903(P), 1904, 1905(P), 1908(P), 1909(P), 1910(P), 1911, 1912, 1913, 1914, 1915, 1916, 1917(P), 1918(P), 1919(P), 1922(P), 1923(P), 1924(P), 1925(P), 1917/2130, 1917/2131(P), 1917/2132, 1917/2133, 1897/2127, 1769/2111.

Plot numbers to be acquired in mouza Sirsha :—1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 18/2336, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 53/2385, 53/2394, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 199/2340, 145/2348, 201, 201/2337, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 274, 275, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 355, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 365/2349, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 375/2350, 376, 377(P), 378, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431(P), 431/2347, 431/2405(P), 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483(P), 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 500/2339, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 547, 552,

553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593(P), 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606(P), 607(P), 610(P), 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621(P), 622(P), 623, 624, 625(P), 626(P), 627(P), 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 681/2351, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 816, 817, 855(P), 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996(P), 997, 998, 999, 1001, 1002, 1003, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1123, 1125, 1126, 1127, 1128, 1133, 1134, 1151, 1152, 1153, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1156/2360, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1185/2363, 1185/2364, 1185/2365, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1027, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1239, 1240, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254, 1256, 1257, 1258, 1259, 1260, 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1331/2366, 1331/2367, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1360/2380, 1360/2381, 1360/2382, 1360/2383, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1390, 1316/2361, 1316/2362, 1390/2392, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1554, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1468, 1469, 1470, 1471, 1472, 1473, 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1483, 1484, 1485,

1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1497, 1498, 1499, 1500, 1501, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1451/2342, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1392/2341, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540(P), 1544, 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 1640, 1641, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656, 1657, 1658, 1659, 1660, 1660/2368, 1661, 1662, 1663, 1664, 1665, 1666, 1667, 1668, 1669, 1670, 1671, 1672, 1773, 1674, 1675, 1676, 1677, 1678, 1779, 1680, 1681, 1682, 1683, 1684, 1685, 1686, 1687, 1688, 1689, 1690, 1691, 1692, 1693, 1694, 1695, 1696, 1697, 1698, 1699, 1700, 1701, 1702, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716, 1717, 1718, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1724, 1725, 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758, 1759, 1760, 1761, 1762, 1763, 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769, 1770, 1737/2403, 1737/2384, 1771, 1772, 1773, 1774, 1775, 1776, 1777, 1778, 1779, 1780, 1781, 1782, 1783, 1784, 1785, 1786, 1787, 1788, 1789, 1790, 1791, 1792, 1793, 1794, 1795, 1796, 1797, 1998, 1799, 1800, 1801, 1802, 1803, 1804, 1805, 1806, 1807, 1808, 1809, 1810, 1811, 1812, 1813, 1814, 1815, 1816, 1817, 1818, 1819, 1821, 1822, 1823, 1824, 1825, 1826, 1827, 1828, 1829, 1830, 1831, 1832, 1833, 1834, 1835, 1836, 1837, 1838, 1839, 1840, 1841, 1842, 1843, 1844, 1845, 1846, 1847, 1848, 1849, 1850, 1851, 1852, 1853, 1854, 1855, 1856, 1857, 1858, 1859, 1860, 1861, 1862, 1863, 1864, 1865, 1866, 1867, 1868, 1869, 1884, 2343, 1881, 1882, 1883, 1884, 1885, 1929, 1930, 1928/2377, 1935, 1936, 1937, 1938, 1939, 1940, 1941, 1942, 1943, 1944, 1945, 1946, 1947, 1948, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953, 1954, 1955, 1956, 1957, 1958, 1959, 1960, 1961, 1962, 1963, 1964, 1965, 1966, 1967, 1968, 1968/2344, 1969, 1970, 1971, 1972, 1973, 1974, 1975, 1976, 1977, 1978, 1979, 1980, 1981, 1982, 1983, 1984, 1985, 1986, 1987, 1988, 1989, 1990, 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 1793/2378, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2052/2345, 2052/2379, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059(P), 2060(P), 2061(P), 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2068/2346, 2069, 2070, 2071, 2072(P), 2073(P), 2074(P), 2075(P), 2064/2390, 2077(P), 2071/2386, 2123(P), 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132(P), 2133(P), 2141(P), 2142(P), 2148(P), 2172(P), 2188(P), 2189(P), 2190(P), 2191(P), 2192, 2193(P), 2194(P), 2199(P), 2200/2397(P).

Plot numbers to be acquired in mouza Nabaghanapur : 1047(P), 1048, 1047/1588(P), 1047/1608(P), 1047/1609(P), 1047/1610, 1047/1611, 1047/1612, 1047/1613, 1047/1614, 1047/1616(P), 1047/1623(P), 1047/1624, 1047/1625, 1047/1657(P), 1047/1615, 1047/1622(P), 1048/1660(P).

Plot numbers to be acquired in mouza Jamgora : 1(P), 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41(P), 42, 43, 44, 45(P), 46(P), 47(P), 53(P), 60(P), 61(P), 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81,

82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90(P), 91, 92(P), 93, 94, 95, 98(P), 99(P), 100(P), 194(P), 199(P), 200(P), 201(P), 204(P), 205(P), 210(P), 211(P), 212(P), 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 71/1244, 73/1245(P), 44/1253, 86/3346, 33/3418.

Plot numbers to be acquired in mouza Madhaiganja : 1, 2(P), 13(P), 14(P), 15(P), 16(P), 17(P), 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34(P), 35(P), 37(P), 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86(P), 87(P), 88(P), 89(P), 90, 91, 92, 93(P), 97(P), 98(P), 99(P), 153(P), 154(P), 158(P), 159, 160(P), 161(P), 162(P), 172(P), 174(P), 175, 176, 177, 178, 179, 180, 182, 183(P), 184, 185, 186, 187(P), 178/967, 186/970, 172/977(P), 68/981, 66/982, 28/983, 162/997(P), 160/1013, 5/1017(P), 1/1018(P), 1/1019, 1/1022(P), 160/1064, 162/1066(P), 162/1068(P), 1/1020(P), 12/1141(P).

BOUNDARY DESCRIPTION

- A-B Line passes along the common boundary between mouzas Sirsha and Nakrakonda, and through plot numbers 1047/1588, 1047/1657, 1047/1658, 1047/1622, 1047/1623, 1047/1608, 1047/1609, 1047 of mouza Nabaghanapur and meets at point 'B'.
- B-C Line passes through plot numbers 1047/1657, 1048/1660, 1047, 1051 of mouza Nabaghanapur, through plot numbers 431/2405, 431, 2200/2397, 483, 2194, 2199, 2193, 2191, 2189, 2188, 2172, 2132, 2133, 2141, 2142, 2124, 2123, 593, 606, 607, 610, 621, 622, 625, 626, 627, 2075, 2074, 2077, 2071/2386, 2073, 2061, 2072, 2059, 2060 of mouza Sirsha through plot numbers 1925, 1922, 1924, 1923, 1917/2131, 1917, 1919, 1918, 1910, 1909, 1908, 1903, 1905, 1888, 1887, 1886, 1882, 1883, 1758, 1763, 1774, 1773, 1770, 1769, 1742, 1721, 1725, 1640, 1726, 1638, 1625, 1606, 1605, 1598, 1599, 1594, 1592, 1591, 1589, 1588, 2053 of mouza Balijuri and meets at point 'C' (which is part northern boundary of Raniganj Block XI notified under section 4(1) of the Coal Act).
- C-D Line passes through plot numbers 1/1022, 1/1021, 1/1020, 2, 1/1018, 5/1017, 17, 16, 15, 14, 13, 12/1141, 86, 87, 88, 89, 98, 97, 93, 153, 154, 160, 161, 162/1068, 162/1066, 162, 174, 172, 172/977 of mouza Madhaiganja through plot number 1 of mouza Jamgora and meets at point 'D' (which is part eastern boundary of Raniganj Block XI notified under section 4(1) of the Coal Act).
- D-E Line passes through plot numbers 1, 73/1245, 199, 200, 201, 204, 205, 212, 211, 210, 194 of mouza Jamgora and meets at point 'E'.
- E-F Line passes through plot numbers 194, 90, 100, 99, 98, 92, 60, 61, 53, 45, 46, 47, 41 of mouza Jamgora, through plot numbers 187, 183, 162/997, 162, 162/1066, 162/1068, 161, 160, 158, 160/1064, 154, 153, 37, 35, 34, of mouza Madhaiganja, through plot numbers 183, 145, 180, 178, 177 of mouza Benibandhi, through plot numbers 1279, 1281, 1278, 1277, 1272, 1269, 1268, 1282, 1299, 1298, 1301, 1303, 1312, 1212, 1220, 1218, 1217, 1215, 1213, 1210, 1211, 1212, 872, 880, 881, 882, 883, 884, 862, 885, 886, 887, 890, 891, 892, 893, 894, 936, 939, 941, 940/2061 of mouza Balijuri and meets at point 'F'.

F-A Line passes along the part northern boundary of mouza Balijuri and northern boundary of mouza Sirsha and meets at starting point 'A'.

SCHEDULE—B

Sub-Block—'B'

Drawing No. 33/1861

Dated 1-5-76

(Showing lands the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals wherein are to be acquired).

Mining Rights

| Sl. No. | Mouza (Village) | Thana Number | Police Station (Thana) | District | Area | Remarks |
|---------|-----------------|--------------|------------------------|----------|------|---------|
| 1. | Sirsha | 17 | Faridpur | Burdwan | | Part |

Total area—23.47 acres (Approximately)

or—9.49 hectares

(Approximately)

Plot numbers to be acquired in mouza Sirsha : 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 228/2338, 229, 230, 231, 232, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 356, 377(P), 379, 380, 381, 382, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 812, 813, 814, 815, 818, 819, 820, 821, 822, 831/2355, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855(P), 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 969, 970, 996(P), 941/2359, 1101, 1129, 1130, 1131, 1132, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1154, 935/2357, 935/2358, 858/2356, 829/2354, 829/2352, 829/2353.

BOUNDARY DESCRIPTION

a-b-c-d-e-f

Line pass along the northern boundary of plot number 969 along common boundary of plot numbers 942 and 954 along northern boundary of plot numbers 942, 943, 938, 937 along western and northern boundary of plot number 933 along northern and eastern boundary of plot number 1101 along northern boundary of plot number 887 along common boundary of plot number 887 and 1117 along northern boundary of plot number 886 along common boundary of plot numbers 886 and 1118 along northern boundary of plot numbers 881, 880,

879, 878 along common boundary of plot numbers 887 and 1119, along common boundary of plot numbers 1129 and 1119 along northern boundary of plot numbers 1129, 1130 along common boundary of plot numbers 1128 and 1131 along northern boundary of plot number 1131 of mouza Sirsha and meet at point 'f'.

f-g

Line passes along the eastern boundary of plot numbers 1131, 1132, 1135, 1154 along common boundary of plot numbers 1150, and 1153, along eastern boundary of plot numbers 1150, 1149, through plot number 855 along eastern boundary of plot number 764 along common boundary of plot numbers 764 and 753 along eastern boundary of plot numbers 763, 762, 761, 759, 758, 754, along common boundary of plot numbers 754 and 791 along eastern boundary of plot numbers 781, 783 of mouza Sirsha and meets at point 'g'.

g-h-i-j-k-l-m-n

Lines pass along southern boundary of plot numbers 783, 782, along eastern and southern boundary of plot number 812 along southern boundary of plot number 814 along common boundary of plot numbers 815 and 811 along southern boundary of plot numbers 815, 818, 819, 820, 846, along eastern boundary of plot numbers 548, 549, 550 along southern boundary of plot number 550 along common boundary of plot numbers 550 and 555 and 550 and 552 along southern boundary of plot numbers 551, 519, 520, 521, 522 along common boundary of plot numbers 377 and 517 through plot number 377 along common boundary of plot numbers 382 and 383 along southern boundary of plot numbers 382, 379 of mouza Sirsha and meets at point 'n'.

n-o-p-q-r-a

Lines pass along western and northern boundary of plot number 379 through plot number 377 along southern boundary of plot numbers 351, 356 along western and northern boundary of plot number 356 along western and northern boundary of plot number 354 along common boundary of plot numbers 343 and 334 along western boundary of plot number 340 along common boundary of plot numbers 340 and 335 along western boundary of plot numbers 338, 337 along common boundary of plot numbers 336 and 335 along southern boundary of plot numbers 284, 285, 286, along western boundary of plot number 286 along common boundary of plot numbers 278 and 287 along southern boundary of plot number 277 along western boundary of plot numbers 277, 276, 272, 273, along southern boundary of plot numbers 259, 258 along western boundary of plot numbers 258, 257 along common boundary of plot numbers 257 and 255 along western boundary of plot numbers 230, 231, 232 along southern boundary of plot numbers

223, 222, 220 along western boundary of plot number 220 through plot number 996 along western boundary of plot numbers 970, 969 of mouza Sirsha and meet at starting point 'a'

SUB-BLOCK 'C'

Mining Rights

| S. No. | Mouza Village | Thana Number | Police Station (Thana) | District | Area | Remarks |
|--------|---------------|--------------|------------------------|----------|------|---------|
| 1. | Sirsha | 17 | Faridpur | Burdwan | | Part |

Total area—8.66 acres (approximately)
or—3.50 hectares
(approximately)

Plot numbers to be acquired in mouza Sirsha : 1433, 1434, 1435, 1874, 1875, 1876, 1876/2369, 1877, 1895, 1541, 1542, 1543, 1870, 1871, 1872, 1873, 1926, 1927, 1928, 1924, 1923, 1931, 1922, 1921, 1920, 1919, 1932, 1933, 1934, 1913, 1918, 1911, 1910, 1909, 1912, 1914, 1915, 1916, 1917, 1908, 1907, 1887, 1888, 1886, 1889, 1906, 1890, 1903, 1904, 1905, 1901, 1902, 1900, 1899, 1891, 1898, 1892, 1879, 1893/2375, 1893, 1897, 1896, 1894, 1878, 1880, 1540(P), 1925, 1894/2370, 1894/2371, 1894/2372, 1894/2373, 1894/2374, 1890/2376.

BOUNDARY DESCRIPTION

- 1-2-3 Lines pass along northern boundary of plot numbers 1880, 1878, 1894/2370 along western and northern boundary of plot number 1876 along northern boundary of plot number 1876/2369 along western boundary of plot numbers 1433, 1434, along western and northern boundary of plot number 1435 through plot number 1540 along western boundary of plot number 1539 along northern boundary of plot numbers 1541, 1542, 1543 of mouza Sirsha and meet at point '3'.
- 3-4 Line passes along eastern boundary of plot numbers 1543, 1871, 1870, 1926, 1928 along southern boundary of plot number 1928 along common boundary of plot number 1927 and 1928/2377 and 1540 and 1928/2377 along eastern boundary of plot numbers 1931, 1932, 1933 along common boundary of plot numbers 1933 and 1955 along eastern boundary of plot number 1934 of mouza Sirsha and meet at point '4'.
- 4-5 Line passes along southern boundary of plot number 1934 along common boundary of plot numbers 1934 and 1937 along common boundary of plot numbers 1913 and 1937 along eastern boundary of plot numbers 1911, 1910 along southern boundary of plot numbers 1910 along common boundary of plot numbers 1909 and 1937 and 1909 and 1941 along southern boundary of plot numbers 1908, 1887 of mouza Sirsha and meets at point '5'.
- 5-1 Line passes along common boundary of plot numbers 1887 and 2058 along southern boundary of plot numbers 1906, 1886 along western and northern boundary of plot number 1886 along common boundary

dary of plot numbers 1906 and 1881 along western boundary of plot numbers 1831, 1832, 1879 along southern and western boundary of plot number 1880 of mouza Sirsha and meets at starting point '1'.

SUB-BLOCK 'D'

Mining Rights

| Sl. No. | Mouza (Village) | Thana Number | Police Station (Thana) | District | Area | Remarks |
|---------|-----------------|--------------|------------------------|----------|------|---------|
| 1. | Balijuri | 16 | Faridpur | Burdwan | | Part |

Total area—21.56 acres (approximately)
or—8.73 hectares (approximately)

Plot numbers to be acquired in mouza Balijuri : 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 501/2089, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542(P), 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 602/2120, 601/2090, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 616/2118, 616/2119, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 477, 476, 475, 474, 473, 478, 479, 567/2073, 561/2072, 779, 782, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 805/2092, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 847, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1433, 1434, 1435, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 851/2057, 1473, 1474.

BOUNDARY DESCRIPTION

- a'-b' Line passes along northern boundary of plot number 779, along part eastern boundary of plot number 779, along northern boundary of plot numbers 825, 826, 828, 829, along eastern boundary of plot numbers 829, 828, 821, along northern boundary of plot number 847 of mouza Balijuri and meets at point 'b'.
- b'-c' Line passes along eastern and southern boundary of plot number 847, along common boundary of plot numbers 820 and 851, along eastern boundary of plot number 851/2057 along common boundary of plot numbers 788 and 851 & 788 and 851/2056, through plot number 788, along western boundary of plot number 1390 of mouza Balijuri and meets at point 'c'.
- c'-d' Line passes along northern boundary of plot number 1453, along eastern boundary of plot numbers 1439, 1441, along southern boundary of plot numbers 1441, 1440, 1438, 1437, along western boundary of plot numbers 525, 521, along southern boundary of plot numbers 521, 1446 along eastern

| | | 1 | 2 |
|--|---|--------------------------|---|
| | boundary of plot numbers 1473, 1474 of mouza Balijuri and meets at point 'd'. | | |
| d'-c' | Line passes along southern and part western boundary of plot number 1474, along common boundary of plot numbers 1474 and 493, along southern boundary of plot numbers 491, along part eastern boundary of plot number 492, along eastern and part southern boundary of plot number 495 along eastern and southern boundary, of plot number 496, along southern boundary of plot numbers 497, 498 along part eastern boundary of plot numbers 477, along eastern and southern boundary of plot number 479, along southern and western boundary of plot number 473, along part southern boundary of plot number 475 of mouza Balijuri and meets at point 'e'. | 1106 | कालम 4 में "बही" के स्थान पर "गोदाम कलक" पढ़ें। |
| | | 1111 | क्रम सं० 1023 की दृष्टि में इसको निकाल दें। |
| | | 1129 | (i) कालम 2 में श्रीचन्द शर्मा के स्थान पर "श्री श्रीचन्द शर्मा" पढ़ें। |
| | | | (ii) कालम 3 में चपरासी के स्थान पर "दफ्तरी" पढ़ें। |
| | | 1130 | कालम 2 में श्री हर प्रसाद मिश्र के स्थान पर "श्री हरि प्रसाद मिश्र" पढ़ें। |
| | | 1133 | कालम 3 में चपरासी के स्थान पर (—) पढ़ें। |
| | | 1135 | कालम 3 में चपरासी के स्थान पर "डस्टिंग प्रापरेटर" पढ़ें। |
| | | 1144 | क्रम संख्या 1142 की दृष्टि में इसको निकाल दें। |
| | | 1145 | कालम 4 में "बही" के स्थान पर "दफ्तरी" पढ़ें। |
| | | 1146 | कालम 4 में बही के स्थान पर "चपरासी" पढ़ें। |
| | | 1153 | कालम 2 में श्री बी० के० सैनी के स्थान पर "श्री बाण किशन" पढ़ें। |
| | | 1154 | कालम 2 में श्री राम पाल के स्थान पर "श्री राम फल" पढ़ें। |
| | | 1157 | (i) कालम 2 में श्री कीतिराम के स्थान पर "श्री कीति राम शर्मा" पढ़ें। |
| | | | (ii) कालम 3 में (—) के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें। |
| | | 1158 | कालम 3 में चपरासी के स्थान पर (—) पढ़ें। |
| | | 1159 | कालम 3 में बही के स्थान पर (—) पढ़ें। |
| | | 1160 | कालम 3 में बही के स्थान पर (—) पढ़ें। |
| | | 1161 | कालम 3 में बही के स्थान पर "चपरासी" पढ़ें। |
| | | 1166 | (i) कालम 2 में श्री अत्तर सिंह के स्थान पर "श्री अत्तर सिंह सुपुत्र श्री मरत सिंह" पढ़ें। |
| | | | (ii) कालम 3 में (—) के स्थान पर "डस्टिंग प्रापरेटर" पढ़ें। |
| | | 1169 | कालम 3 में सिफ्टर के स्थान पर "डस्टिंग प्रापरेटर" पढ़ें। |
| | | 1171 | (i) कालम 2 में श्री मन्तपाल के स्थान पर "श्री संत राज सुपुत्र श्री विश्वकर्मा" पढ़ें। |
| | | | (ii) कालम 3 में (—) के स्थान पर "डस्टिंग प्रापरेटर" पढ़ें। |
| | | 1179 | कालम 2 में श्री चन्द शंकर के स्थान पर "श्री चन्द्र शंकर" पढ़ें। |
| | | 1187 | कालम 3 में (—) के स्थान पर "स्वीपर" पढ़ें। |
| | | 1189 | कालम 3 में (—) के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें। |
| | | 1198 | कालम 4 में बही के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें। |
| | | 1199 | कालम 4 में बही के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें। |
| | | 1200 | कालम 4 में बही के स्थान पर "डस्टिंग प्रापरेटर" पढ़ें। |
| | | 1201 | कालम 3 में (—) के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें। |
| | | 1202 | कालम 3 में (—) के स्थान पर "डस्टिंग प्रापरेटर" पढ़ें। |
| | | 1205 | कालम 3 में (—) के स्थान पर "डस्टिंग प्रापरेटर" पढ़ें। |
| o'-f'-g'-h'-i'-a' | Lines pass along western boundary of plot numbers 475, 501 through plot number 542, along common boundary of plot numbers 542 and 155, and southern and western boundary of plot numbers 543, along western boundary of plot numbers 544, 545, along northern boundary of plot number 545, along part eastern boundary and northern boundary of plot number 156 along western boundary of plot number 567, along part northern boundary of plot number 567, along common boundary of plot numbers 567 and 568 along common boundary of plot numbers 569 and 566 along common boundary of plot numbers 573 and 566, along southern, eastern and northern boundary of plot number 575, along part eastern and part northern boundary of plot number 576, along eastern and northern boundary of plot number 596, along western boundary of plot numbers 623, 624 along northern boundary of plot numbers 624, 622, 620, 619, 617 along part southern boundary of plot number 635, along western boundary of plot numbers 636, 637 along part western and part northern boundary of plot number 638, along, part western boundary of plot numbers 644, 645 along northern boundary of plot numbers 645, 784, 785, 786, along part western boundary of plot number 787, along southern and western boundary of plot number 782, along western boundary of plot number 779 of mouza Balijuri and meet at starting point 'a'. | | |
| | | [No. 19(46)/76-CL] | |
| | | C. D. TRIPATHI, Director | |
| कृषि व सिंचाई मंत्रालय | | | |
| (बाग विभाग) | | | |
| नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1977 | | | |
| शुद्धि पत्र | | | |
| क्र० आ० 964.—इस विभाग के 11 जून 1974 के आदेश सं० 52/21/68-एफ० सी० III (एन० जेड) बाल्यूम 7 में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जाएँ:— | | | |
| स्थानान्तरण आदेश में क्रम संख्या | की जाने वाली शुद्धियाँ | | |
| 1 | 2 | | |
| 1105 | कालम 4 में बही के स्थान पर "वरिष्ठ गोदाम रखक" पढ़ें। | | |

| | |
|------|---|
| 1206 | कालम 3 में "डस्टिंग ऑपरेटर" के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें। |
| 1217 | कालम 3 में चौकीदार के स्थान पर "डस्टिंग ऑपरेटर" पढ़ें। |
| 1218 | कालम 3 में (—) के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें। |
| 1230 | कालम 2 में श्री नथी मल के स्थान पर "श्री नथीमल खटीक" पढ़ें। |
| 1232 | कालम 4 में बड़ी के स्थान पर "स्वीपर" पढ़ें। |
| 1233 | कालम 4 में बड़ी के स्थान पर "डस्टिंग ऑपरेटर" पढ़ें। |
| 1241 | कालम 4 में बड़ी के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें। |
| 1242 | कालम 4 में बड़ी के स्थान पर "डस्टिंग ऑपरेटर" पढ़ें। |
| 1257 | कालम 3 में चौकीदार के स्थान पर (—) पढ़ें। |
| 1258 | कालम 3 में बड़ी के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें। |
| 1260 | कालम 3 में बड़ी के स्थान पर "डस्टिंग ऑपरेटर" पढ़ें। |

[सं० 52/7/74-एफ० सी०-III (वॉल्यूम VIII)]
बाकशी राम, उप सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

New Delhi, the 22nd February, 1977.

CORRIGENDUM

S.O. 964.—In this Department Order No. 52/21/68-FC, III(NZ)/Vol. VII dated 11-6-74, the following corrections shall be carried out :—

| S. No. in the Transfer Order | Correction to be carried out |
|------------------------------|---|
| 1105 | For the word "Do" in col. 4, read "Senior Godown Keeper". |
| 1106 | For the word "Do" in col. 4, read "Godown Clerk". |
| 1111 | Deleted in view of Sl. No. 1023. |
| 1129 | (i) For the words "Shri Chand Sharma" in col. 2, read, "Shri Sri Chand Sharma". (ii) For the word "Peon" in col. 3, read "Daftry". |
| 1130 | For the words "Shri Har Prasad Misra" in col. 2, read "Shri Hari Prasad Misra". |
| 1133 | For the word "Peon" in col. 3, read "Dash". |
| 1135 | For the word "Peon" in col. 3, read "Dusting Operator". |
| 1144 | Deleted in view of Sl. No. 1142. |
| 1145 | For the word "Do" in col. 4, read "Daftry". |
| 1146 | For the word "Do" in col. 4, read "Peon". |
| 1153 | For the words "Shri B.K. Saini" in col. 2, read "Shri Bal Kishan". |
| 1154 | For the words "Shri Ram Pal" in col. 2, read "Shri Ram Phal". |
| 1157 | (i) For the words "Shri Kirti Ram" in col. 2, read "Shri Kirti Ram Sharma". (ii) For the "Dash" in col. 3, read "Watchman". |
| 1158 | For the word "Peon" in col. 3, read "Dash". |
| 1159 | For the word "Do" in col. 3, read "Dash". |
| 1160 | For the word "Do" in col. 3, read "Dash". |

| | |
|------|--|
| 1161 | For the word "Do" in col. 3, read "Peon". |
| 1166 | (i) For the words "Shri Attar Singh" in col. 2, read "Shri Attar Singh S/o Shri Bhara-Singh". (ii) For the "Dash" in col. 3, read "Dusting Operator". |
| 1169 | For the word "Sifter" in col. 3, read "Dusting Operator". |
| 1171 | (i) For the words "Shri Sant Lal" in col. 2, read "Shri Sant Raj S/o Shri G. Viskarma". (ii) For the "Dash" in col. 3, read "Dusting Operator". |
| 1179 | For the words "Sri Chandra Shanker" in col. 2, read "Shri Chandra Sheker". |
| 1187 | For the "Dash" in col. 3, read "Sweeper". |
| 1189 | For the "Dash" in col. 3, read "Watchman". |
| 1198 | For the word "Do" in col. 4, read "Watchman". |
| 1199 | For the word "Do" in col. 4, read "Watchman". |
| 1200 | For the word "Do" in col. 4, read "Dusting Operator". |
| 1201 | For the "Dash" in col. 3, read "Watchman". |
| 1202 | For the "Dash" in col. 3, read "Dusting Operator". |
| 1205 | For the "Dash" in col. 3, read "Dusting Operator". |
| 1206 | For the words "Dusting Operator" in col. 3, read "Watchman". |
| 1217 | For the word "Watchman" in col. 3, read "Dusting Operator". |
| 1218 | For the "Dash" in col. 3, read "Watchman". |
| 1230 | For the words "Shri Nathi Mal" in col. 2, read "Shri Nathi Mal Khatik". |
| 1232 | For the word "Do" in col. 4, read "Sweeper". |
| 1233 | For the word "Do" in col. 4, read "Dusting Operator". |
| 1241 | For the word "Do" in col. 4, read "Watchman". |
| 1242 | For the word "Do" in col. 4, read "Dusting Operator". |
| 1257 | For the word "Watchman" in col. 3, read "Dash". |
| 1258 | For the word "Do" in col. 3, read "Watchman". |
| 1260 | For the word "Do" in col. 3, read "Dusting Operator". |

[No. 52/7/74-FC. III (Vol. VIII)]
BAKHSI RAM, Dy. Secy.

नौवहन व परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1977

क्र० भा० 965.—दीपघर अधिनियम 1927 (1927 का 17) की धारा 2 के खंड (ग) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "मद्रास दीपघर" को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए "सामान्य दीपघर" घोषित करती है।

[क्र० सं० 33-डी(21)/76]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 5th February, 1977

S.O. 965.—In pursuance of clause (c) of section 2 of the Lighthouse Act, 1927 (17 of 1927), the Central Government hereby declares the "Madras Lighthouse" to be a "General Lighthouse" for the purposes of the said Act.

[File No. 33-D(2)/76]

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1977

क्र० आ० 966—भारतीय व्यापार पोत (नाविकों का रोजगार कार्यालय, कलकत्ता) नियम 1954 के नियम, 5 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 2 वर्ष की अवधि के लिए कलकत्ता के पोत में नाविकों के रोजगार बोर्ड (विदेशगामी) नियुक्त करती है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात्—

- | | |
|---|---|
| 1. नौवहन महानिदेशक । | } सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य । |
| 2. नाविकों के रोजगार कार्यालय, कलकत्ता के प्रभारी नौवहन उपमहानिदेशक । | |
| 3. श्रम आयुक्त, पश्चिमी बंगाल, कलकत्ता । | |
| 4. शिपिंग मास्टर, कलकत्ता । | |
| 5. निदेशक, नाविकों का रोजगार कार्यालय, कलकत्ता । | |
| 6. पोत स्वास्थ्य अधिकारी, कलकत्ता । | } पोत स्वामियों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य । |
| 7. श्री एन० के० सेन । | |
| 8. श्री टी० बागची । | |
| 9. कैप्टन एम० डी० चट्टा । | |
| 10. श्री एस० पुरी । | |
| 11. कैप्टन जी० सी० राव । | |
| 12. कैप्टन भी० एम० पावरी । | |
| 13. श्री असित मित्रा । | } नाविकों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य । |
| 14. श्री अजित चक्रवर्ती । | |
| 15. श्री विजय मुखर्जी । | |
| 16. श्री के० पी० राय । | |
| 17. श्री एन० सी० भारद्वाज । | |
| 18. श्री सुनील दास । | |

2. नौवहन महानिदेशक और नाविकों के रोजगार कार्यालय, कलकत्ता के प्रभारी नौवहन उपमहानिदेशक, बोर्ड के कमरा: अध्यक्ष और उपाध्यक्ष होंगे ।

[सं० एम एस ई (36)/76-एम सी]

श्रीमती बी० निर्मल, अवर सचिव

New Delhi, the 7th March, 1977

S.O. 936.—In pursuance of rule 5 of the Indian Merchant Shipping (Seamen's Employment Office, Calcutta) Rules 1954, the Central Government hereby appoints Seamen's Employment Board (Foreign Going) at the port of Calcutta, for a period of two years with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette, consisting of the following members, namely :—

- | | |
|---|------------------------------------|
| 1. The Director General of Shipping. | } Members representing Government. |
| 2. The Deputy Director General of Shipping, incharge of the Seamen's Employment Office, Calcutta. | |
| 3. Labour Commissioner, West Bengal. | |
| 4. The Shipping Master, Calcutta. | |
| 5. The Director, Seamen's Employment Office, Calcutta. | |
| 6. The Port Health Officer, Calcutta. | |
| 7. Shri N.K. Sen. | } Members representing Shipowners. |
| 8. Shri T. Bagchi. | |
| 9. Capt. S.D. Chadha. | |
| 10. Shri S. Puri. | |
| 11. Capt. G.C. Rao. | |
| 12. Capt. B.S. Pavri | |
| 13. Shri Asit Mitra. | } Members representing Seamen. |
| 14. Shri Ajit Chakraborty. | |
| 15. Shri Bijoy Mukherjee. | |
| 16. Shri K.P. Roy. | |
| 17. Shri N.C. Bharadwaj. | |
| 18. Shri Sunil Das. | |

2. The Director General of Shipping and the Deputy Director General of Shipping incharge of the Seamen's Employment Office, Calcutta shall, respectively, be the Chairman and the Vice Chairman of the Board.

[No. MSE(36)/76-MT]
SMT. B. NIRMAL, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1977

क्र० आ० 967.—चलचित्र (सेंसर) नियमावली, 1958 के नियम 9 के उप नियम (2) के साथ पठित नियम 8 के उप नियम (3) और चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5(1) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से अगले आदेश तक, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड के बम्बई मलाहकार पैनल का सदस्य नियुक्त करती है :—

1. श्रीमती नीलम माथुर ।
2. डा० एस० डी० मिश्र ।
3. श्रीमती विजय चोपड़ा ।
4. श्री बी० जी० कोशी ।
5. श्री मधुरेन्द्र किशोर वर्मा ।

[फा० सं० 11/3/76-एफ० सी०]

आनन्द कुमार वर्मा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 5th March, 1977

S.O. 967.—In exercise of the powers conferred by Section 5(i) of the Cinematograph Act, 1952 and sub-rule (3) of rule 8 read with sub-rule (2) of rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby appoints the following persons as members of the Advisory Panel of Central Board of Film Censors at Bombay with effect from the date of issue of this notification until further orders :—

1. Smt. Neelam Mathur.
2. Dr. S. D. Mishra.
3. Smt. Vijay Chopra.
4. Shri B. G. Koshy.
5. Shri Madhurendra Kishore Verma.

[F. No. 11/3/76-FC]

A. K. VERMA, Jt. Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1977

क्र० आ० 968.—केन्द्रीय सरकार ने, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड 3 के उपखण्ड (vi) के परन्तुक के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या क्र० आ० 3517, तारीख 17 मितम्बर, 1976 द्वारा जिस खतन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 17 मितम्बर, 1976 में छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया गया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त कालावधि को आठ छः मास की कालावधि के लिए बढ़ाया जाना लोक हित में अपेक्षित है,

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (क) के उप-खण्ड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 17 मार्च, 1977 से आगे छः मास की कालावधि के लिए, लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस०-11017/3/77/डी०-1(ए)]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 7th March, 1977

S.O. 968.—Whereas the Central Government being satisfied that the public interest so required had declared by a notification made in pursuance of the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section (2) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), being the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3517 dated the 17th September, 1976, the Zinc Mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 17th September, 1976;

And whereas the Central Government is of the opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period for six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 17th March, 1977.

[No. S. 11017/3/77/DI(A)]

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1977

का० आ० 969.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (क) के उप-खण्ड (vi) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 3455 तारीख 17 सितम्बर, 1976 द्वारा सीसा खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 25 सितम्बर, 1976 से छ मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया गया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त कालावधि को आगे छ मास की कालावधि के लिए बढ़ाया जाना लोकहित में अपेक्षित है;

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (क) के उप-खण्ड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 25 मार्च, 1977 से आगे छ मास की कालावधि के लिए, लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस०-11017/2/77/डी०-1(ए)]

New Delhi, the 13th March, 1977

S.O. 969.—Whereas the Central Government being satisfied that the public interest so required, had in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section (2) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 3455 dated the 17th September, 1976, the lead mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 25th September, 1976;

And whereas the Central Government is of the opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 25th March, 1977.

[No. S. 11017/2/77/DI(A)]

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1977

का० आ० 970.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (क) के उप-खण्ड (vi) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 3518 तारीख 17 सितम्बर, 1976 द्वारा तांबा खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए पहली अक्टूबर, 1976 से छ मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त कालावधि को आगे छ मास की कालावधि के लिए बढ़ाया जाना लोकहित में अपेक्षित है;

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (क) के उप-खण्ड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए पहली अप्रैल, 1977 से आगे छ मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस०-11017/2/77/डी०-1(ए)]

एल० के० नारायणन्, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th March, 1977

S.O. 970.—Whereas, the Central Government having been satisfied that the public interest so required, had in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 3518 dated the 17th September, 1976, the Copper mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 1st October, 1976;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 1st April, 1977.

[No. S. 11017/2/77/DI(A)]

L. K. NARAYANAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1977

का० आ० 971.—केन्द्रीय सरकार, लोह अयस्क श्रम कल्याण उपकर नियम, 1963 के नियम 3 के खण्ड (ii) के साथ पठित लोह अयस्क खान श्रम कल्याण उपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 58) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खनन और भूविज्ञान निदेशक, महाराष्ट्र सरकार, नागपुर के स्थान पर लोह अयस्क खान कल्याण आयुक्त गोवा और महाराष्ट्र, पणजी गोवा) को महाराष्ट्र राज्य के लिए बनाई गई मलाहकार समिति के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 810 तारीख, 21 फरवरी, 1976 में निम्नलिखित और संशोधित करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, कम सं० 2 के सामने की प्रविष्टियों के स्थान पर "खनन और भूविज्ञान निदेशक, महाराष्ट्र सरकार, नागपुर" शब्दों के स्थान

पर "लोह अयस्क खान अम आयुक्त, गोवा और महाराष्ट्र, लोह अयस्क खान अम कल्याण संगठन, गोवा, पणजी", शब्द रखे जाएंगे।

[सं यू०-19012/1/75-इन्ड्यू ए० (एम)]
पी० के० सेन, अवर सचिव

New Delhi, the 8th March, 1977

S.O. 971.—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Act, 1961 (58 of 1961) read with clause (ii) of rule 3 of the Iron Ore Labour Welfare Cess Rules, the Central Government hereby appoints the Iron Ore Mines Welfare Commissioner Goa and Maharashtra, Panaji (Goa) to be the Vice-Chairman of the Advisory Committee set up for the State of Maharashtra vice the Director of Mining and Geology, Government of Maharashtra, Nagpur and further makes the following amendment in the notification of the Government of India the Ministry of Labour S. O. No. 810 dated the 21st February, 1976, namely :—

In the said notification for the entries against Serial No. 2 for the words "Director of Mining and Geology, Government of Maharashtra, Nagpur" the words "Iron Ore Mines Welfare Commissioner, Goa and Maharashtra, Iron Ore Mines Labour Welfare Organisation, Goa, Panaji" shall be substituted.

[No U. 19012/1/75-W.A.(M)]

P. K. SEN, Under Secy.

New Delhi, the 9th March, 1977

S.O. 972.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Riverside Transport and Trading Private Limited, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th March, 1977.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 22 of 1976

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Riverside Transport and Trading Private Limited, Calcutta.

AND

Their workmen

APPEARANCE :

On behalf of Employers—None.

On behalf of Workmen—None.

STATE : West Bengal INDUSTRY : Port and Dock

AWARD

This reference arise out of the Order of the Government of India, Ministry of Labour, vide No. L-32011/25/75-D. IV(A) dated 10th June, 1976 under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947. The reference reads :

"Whether the management of Messrs Riverside Transport and Trading Private Limited, Calcutta are justified in refusing to pay to their following workmen interim relief as per the recommendations of the Wage Revision Committee for Port and Dock Workers? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

Names of the workmen involved

- | | |
|------------------------------|---------------------------------|
| 1. Shri Chita Bahadur Chetri | } Steamer Watchmen Supervisors. |
| 2. " Krishna Prasad Sharma | |
| 3. " Mohammed Saifi | |
| 4. " Mohd. Jamal | |
| 5. " Kal Bahadur Chetri | } Steamer Watchmen. |
| 6. " Laki Kanta Sharma | |
| 7. " Ganga Bahadur Thapa | |
| 8. " Bhimlal Sharma | |
| 9. " Lakshmi pati Sharma | |
| 10. " Jangbahadur Chetri | |
| 11. " Dhan Bahadur Ghala | |
| 13. " Shanta Bahadur Chetri | |
| 14. " Salender Singh | |
| 15. " Mohammed Hanif | |
| 16. " Mohd. Jamil " | |

2. Both parties to the reference filed written statement raising various contentions. When the Reference was taken up today for hearing both the contesting parties were absent.

3. In the result, the Reference is rejected as unanswered.

E. K. MOIDU, Presiding Officer.

Dated Calcutta, the 28th February, 1977.

[No. L-32011(25)/75-D. IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer.

S.O. 973.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal Madras, in the industrial dispute between the employers in relations to the management of Indian Airlines and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th March, 1977.

BEFORE THIRU T. N. SINGARAVELU, B.A., B.L.,

INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Industrial Dispute No. 60 of 1975

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Indian Airlines, Cochin).

BETWEEN

Thiruvallargal

1. T. M. George, Mangalathilparambil, Pallilamkara, Kalamassery P. O. Alwaye-4, Kerala.
2. A. C. Puruthothaman, Althara House, Kumbalangi Post, Cochin-682007, Kerala.
3. V. K. Murugan, C/o Renown Foot Wear, Durbar Hall Road, Ernakulam, Cochin-682016, Kerala.
4. V. S. Jayaram, 21/3313-Vattathara, Palluruthy, Cochin-682006, Kerala.
5. N. V. George, Nediody House No. 46/93, Vypeen, Cochin.
6. P. Sivan, Kada Vilparambil House, Vathuruthy, Cochin-682004, Kerala.

7. T. Krishnan, Thayyulathil House, P. O. Pudur, Nut Street, (via) Badagara, Kozhikode, Kerala.
8. C. John, Villayil House, Kalayapuram, Mylom P. O. Kottarakkara, Quilon Distt. Kerala.

AND

Indian Airlines, Airlines House, Madras-27.

REFERENCE :

Order No. L-11011(2)/75-D. IIB, dated 13-8-1975 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on for hearing this day, upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvalargal K. T. Palpandian and G. V. Srinivasulu, Advocates for the workmen and of Thiruvalargal C. Ramakrishna. N. G. R. Prasad and M. Shakir Ali, Advocates for the Management and the parties having filed a Memoranda of settlement and recording the same, this Tribunal made the following Award.

AWARD

This is an Industrial Dispute between the Management of Indian Airlines and its workmen with reference to the question of non-employment of certain individuals mentioned in the reference. This was referred to this Tribunal by the Government of India in its Order No. L-11011(2)/75-D. IIB, dated 13-8-1975 of the Ministry of Labour.

2. The Schedule for reference reads as follows :

Is the action of the management of the Indian Airlines, Cochin (Madras Region) is justified in denying employment from 24-11-1973 to Sarvashri C. John, T. M. George, A. C. Purushothaman, V. K. Murugan, V. S. Jayaram, N. V. George, P. Sivan, and T. Krishnan, who were appointed on regular/casual/daily rated basic? If not, to what relief are the said workmen entitled and from what date?

3. The workmen of the Indian Airlines filed a Claim Statement stating that they are all permanent employees in the service of the Indian Airlines Corporation Limited. There was a strike followed by a lock-out in 1973 and thereafter the Management stopped giving work to these Positioners and claim to retrench them giving out that they were only casual employees. The stand of the Management is not correct and these persons are permanent employees of the Corporation who should be reinstated in service with back wages from 24-11-1973.

4. The Management filed a counter statement as follows: **These workmen named in the reference are not permanent employees of the Corporation and they were employed purely as casual workmen on a daily rated basis. There was no guarantee of employment for them and they were engaged just for the day when there was work. The reference itself is not proper in that it is not a collective dispute. The claim of the workmen has to be negated even on the preliminary objection.**

5. The matter was adjourned from time to time for a number of hearings at the request of both the parties. Finally when the matter was taken up for enquiry on 10-2-1977, the workman filed a memo in respect of one individual, viz., V. K. Murugan (claimant No. 3) to the effect that he is already a permanent employee in service and therefore the dispute is not pressed so far as he is concerned. Consequently, the memo filed by V. K. Murugan is recorded and the claim for reinstatement so far as he is concerned is dismissed, since he is already a permanent employee in service.

6. When the matter was adjourned to 15-2-1977, the workmen filed further memo of Settlements to the effect that an Award may be passed in terms of the Settlements. The Settlements are marked as Exs. M-1, M-3 and M-4. I have perused the terms of the Settlements and heard learned counsel for both sides. I am satisfied that they are just, fair and equitable. Therefore, an Award is passed in terms of the Settlements in respect of these persons covered by Exs. M-1, M-3 and M-4.

7. The result is that claims of the employees mentioned in the reference have been settled and nothing remains for adjudication. An award is passed in terms of the Settlements. Each party will bear his or its own costs.

Dated: this 15th day of February, 1977.

T. N. SINGARAVELU, Industrial Tribunal.

WITNESSES EXAMINED

For both sides : Nil.

DOCUMENTS MARKED

For workmen : Nil

For Management

Ex. M-1/1-11-76.—Memorandum of settlement u/s. 18(1) r/w Section 2(p) of the I. D. Act, 1947 between the Management and the workers 1, 2, 4 and 5.

Ex. M-2.—Memorandum of Worker No. 3 stating that the claim in respect of worker-3 may be dismissed.

Ex. M-3/9-2-77.—Memorandum of settlement u/s. 18(1) r/w Sec. 2(p) of the I. D. Act, 1947 between the Management and the workers 6 and 7.

Ex. M-4/10-2-77.—Memorandum of settlement u/s. 18(1) r/w Sec. 2(p) of the I. D. Act, 1947 between the Management and Worker No. 8.

T. N. SINGARAVELU
Industrial Tribunal

ANNEXURE

MEMORANDUM OF SETTLEMENT UNDER SECTION
18(1) READ WITH SECTION 2(p) OF THE INDUS-
TRIAL DISPUTES ACT, 1947.

Name of parties :

1. Employer.—Indian Airlines represented by Shri Krishan Dev, Manager, Personnel Services, Indian Airlines, Madras.

2. S/Shri

- (i) A. C. Purushothaman
(ii) N. V. George.
(iii) V. S. Jayaram.
(iv) T. M. George.

} Workmen

Whereas Indian Airlines had engaged the above mentioned workmen purely on casual and daily rated basis depending upon day to day requirement of work at Cochin and its other stations.

And whereas Indian Airlines were constrained to declare a lock-out with effect from 24-11-1973 following an illegal strike which was commenced by the employees of the Corporation

And whereas subsequently the lock-out was lifted.

And whereas after lifting the lock-out Indian Airlines found that its permanent staff was more than ample to meet its requirements.

And whereas in consequence the above mentioned daily rated casual workmen could not be offered any work after lifting of the lock-out.

And whereas the said workmen raised a dispute under the Industrial Disputes Act, 1947 alleging non-employment by Indian Airlines.

And whereas on failure of conciliation the said dispute was referred for adjudication by the Central Government by Order No. L-11011/2/75-D.IIA, dated 13th August, 1975 of the Ministry of Labour, Government of India, originally to Shri T. Palaniappan (duly constituted as Central Government Industrial Tribunal).

And whereas the said dispute has been numbered as I.D. No. 60 of 1975 and is now pending before T. N. Singaravelu, Industrial Tribunal, Madras, (as Central Government Tribunal) consequent upon the retirement of Shri T. Palaniappan.

And whereas during the pendency of the said dispute a certain number of permanent vacancies in the cadre of loader have arisen in Indian Airlines.

And whereas along with others the above mentioned workmen were also called for interview to adjudge their suitability for regular employment in Indian Airlines.

And whereas on the basis of the oral test and the interview, the above mentioned workmen who are parties to this settlement have been found suitable for the job of a loader in Indian Airlines.

And whereas the above mentioned workmen no longer wish to prosecute their claims any more in I.D. No. 60 of 1975 and in this view the parties hereto agree as follows :—

Terms of settlement :

- (1) Indian Airlines agree to appoint the above mentioned workmen namely S/Shri A. C. Purushothaman, N. V. George, V. S. Jayaram and T. H. George as loaders against regular vacancies with effect from the date they join Indian Airlines.
- (2) The above appointment is subject to their being found medically fit for the job of a loader and further subject to service regulations framed/amended by Indian Airlines from time to time for their employees.
- (3) The above mentioned workmen agree to withdraw their claim in I. D. No. 60 of 1975 on the file of Shri T. N. Singaravelu (duly constituted as Central Government Industrial Tribunal) and submit a joint petition along with Indian Airlines to the said Central Government Industrial Tribunal requesting that an award may be made by the said Tribunal dismissing their claim without costs.
- (4) The above mentioned workmen agree not to make any claim whatsoever against Indian Airlines in respect of alleged non-employment prior to their present appointment.

Madras,

Dated the 1st November, 1976

Signature of the parties.

Witness : For Indian Airlines.

1. Sd/- Sd/-
(S. K. GHOSH) Manager, Personnel Services, Madras.

2. Sd/- Workmen.
A. C. Purushothaman—Sd/-
N. V. George—Sd/-
V. S. Jayaram—Sd/-
T. M. George—Sd/-

Witness :

1. Sd/-
(W. T. S. DAVID)

2. Sd/-
(K. V. Varghese)

MEMORANDUM OF SETTLEMENT UNDER SECTION 18(1) READ WITH SECTION 2(p) OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

NAMES OF PARTIES :

1. Employer — Indian Airlines represented by Shri Krishan Dev, Manager, Personnel Services, Indian Airlines, Madras.
2. S/Shri
T. Krishnan
P. Sivan } Workmen.

Whereas Indian Airlines had engaged the above mentioned workmen purely on casual and daily rated basis depending upon day to day requirement of work at Madras and its other stations.

And whereas Indian Airlines were constrained to declare a lock-out with effect from 24-11-73 following an illegal strike which was commenced by the employees of the Corporation.

And whereas subsequently the lock-out was lifted.

And whereas after lifting the lock-out Indian Airlines found that its permanent staff was more than ample to meet its requirements.

And whereas in consequence the above mentioned daily rated casual workmen could not be offered any work after lifting of the lock-out.

And whereas the said workmen raised a dispute under the Industrial Disputes Act, 1947 alleging non-employment by Indian Airlines.

And whereas on failure of conciliation the said dispute was referred for adjudication by the Central Government by Order No. 1. 11011(2)/75-D.IIA, dated 13-8-75 of the Ministry of Labour, Government of India, originally to Shri T. Palaniappan (duly constituted as Central Government Industrial Tribunal).

And whereas the said dispute has been numbered as I.D. No. 60 of 1975 and is now pending before Shri T. N. Singaravelu, Industrial Tribunal, Madras (as Central Government Tribunal) consequent upon the retirement of Shri T. Palaniappan.

And whereas during the pendency of the said dispute a certain number of permanent vacancies in the cadre of loader have arisen in Indian Airlines.

And whereas along with others the above mentioned workmen were also called for interview to adjudge their suitability for regular employment in Indian Airlines.

And whereas on the basis of the oral test and the interview, the above mentioned workmen who are parties to this settlement have been found suitable for the job of loader in Indian Airlines.

And whereas the above mentioned workmen no longer wish to prosecute their claims any more in I.D. No. 60 of 1975 and in this view the parties hereto agree as follows :—

TERMS OF SETTLEMENT

1. Indian Airlines agree to appoint the above mentioned workmen namely S/Shri T. Krishnan and P. Sivan as loaders against regular vacancies with effect from the date they join Indian Airlines.
2. The above appointment is subject to their being found medically fit for the job of a loader and further subject to service regulations framed/amended by Indian Airlines from time to time for their employees.
3. The above mentioned workmen agree to withdraw their claim in I.D. No. 60 of 1975 on the file of Shri T. N. Singaravelu (duly constituted as Central Government

Industrial Tribunal) and to submit a joint petition along with Indian Airlines to the said Central Government Industrial Tribunal requesting that an award may be made by the said Tribunal dismissing their claim without costs.

4. The above mentioned workmen agree not to make any claim whatsoever against Indian Airlines in respect of the alleged non-employment prior to their present appointment.

Madras, 9-2-1977

Signature of the parties.
For Indian Airlines.
Sd/-.....

WITNESS :

1. Sd/-.....

2. Sd/-.....

WORKMEN :

1. T. Krishnan—Sd/-.....

2. P. Sivan —Sd/-.....

WITNESS :

1. Sd/-.....
(K. V. VARGHESE)

2. Sd/-.....
(C. J. SOUNDARARAJAN)

MEMORANDUM OF SETTLEMENT UNDER SECTION 18(1) READ WITH SECTION 2(p) OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

NAMES OF PARTIES :

1. Employer—Indian Airlines represented by Shri Krishan Dev. Manager, Personnel Services, Indian Airlines, Madras.
2. Shri C. John—Workman.

Whereas Indian Airlines had engaged the above mentioned workman purely on casual and daily rated basis depending upon day to day requirement of work at Madras and its other stations.

And whereas Indian Airlines were constrained to declare a lock out with effect from 24-11-73 following an illegal strike which was commenced by the employees of the Corporation.

And whereas subsequently the lock out was lifted.

And whereas after lifting the lock out Indian Airlines found that its permanent staff was more than ample to meet the requirements.

And whereas in consequence the above mentioned daily casual workman could not be offered any work after lifting the lock out.

And whereas the said workman raised a dispute under the Industrial Disputes Act, 1947 alleging non-employment by Indian Airlines.

And whereas on failure of conciliation the said dispute was referred for adjudication by the Central Government by order No. L-11011(2)/75-D. IIA dated 13-8-75 of the Ministry of Labour, Government of India, originally to Shri T. Palaniappan (duly constituted as Central Government Industrial Tribunal).

And whereas the said dispute has been numbered as I.D. No. 60 of 1975 and is now pending before Sri T. N. Singaravelu, Industrial Tribunal, Madras (as Central Government Tribunal) consequent upon the retirement of Shri T. Palaniappan.

And whereas during the pendency of the said dispute a certain number of permanent vacancies in the cadre of loader have arisen in Indian Airlines.

And whereas along with others the above mentioned workman was also called for interview to adjudge his suitability for regular employment in Indian Airlines.

And whereas on the basis of the oral test and the interview, the above mentioned workman who is party to this settlement has been found suitable for the job of loader in Indian Airlines.

And whereas the above mentioned workman no longer wish to prosecute his claim any more in I.D. No. 60 of 1975 and in this view the party hereto agree as follows:—

TERMS OF SETTLEMENT

1. Indian Airlines agree to appoint the above mentioned workman namely Shri C. John as loader against regular vacancies with effect from the date he joins Indian Airlines.
2. The above appointment is subject to his being found medically fit for the job of a loader and further subject to service regulations framed/amended by Indian Airlines from time to time for their employees.
3. The above mentioned workman agrees to withdraw his claim in I.D. No. 60 of 1975 on the file of Shri T. N. Singaravelu (duly constituted as Central Government Industrial Tribunal) and to submit a joint petition along with Indian Airlines to the said Central Government Industrial Tribunal requesting that an award may be made by the said Tribunal dismissing his claim without costs.
4. The above mentioned workman agrees not to make any claim whatsoever against Indian Airlines in respect of the alleged non-employment prior to his present appointment.

Madras : 10-2-1977

Signature of the parties.

WITNESS :

for Indian Airlines

1. Sd/-.....

Sd/-.....

2. Sd/-.....

WITNESS :

WORKMAN :

1. Sd/-.....
(K. V. VARGHESE)

Shri C. John—Sd/-.....

2. Sd/-.....
(V. P. KRISHNAKUTTY)

15th Feb., 1977.

T. N. SINGARAVELU, Presiding Officer

Note : Parties are directed to take return of their document/s within six months from the date of the Award.

[No. L-11011(2)/75-D-II(B)]

HARBANS BAHADUR, Desk Officer

S.O. 974.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Birsinghpur Colliery of Coal Mines Authority Limited, District Shahdol (Madhya Pradesh) and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th March, 1977.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)**

Case No. CGIT/LC(R)(4)/1975

PARTIES :

Employers in relation to the management of Birsinghpur Colliery of Coal Mines Authority Limited, Post Office, Birsinghpur, Distt. Shahdol (M.P.) and their workman represented through the Birsinghpur Colliery Mazdoor Sabha, P.O. Birsinghpur, Distt. Shahdol (M.P.).

APPEARANCES :

For workman—Shri P. K. Thakur, Advocate.
For management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mines **DISTRICT :** Shahdol (M.P.)

New Delhi, the 1st March, 1977

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the ministry of Labour vide its Order No. L-22012/9/74-LR. II Dated 7th February, 1975 for the adjudication of the following industrial dispute:—

"Is the management of Birsinghpur Colliery of Coal Mines Authority Limited justified in not providing Shri Munilal Coal Cutter, a Surface job under it as recommended by the Medical Officer ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. It is not disputed that the workman, Munilal, developed an eye trouble and was admitted to Company's hospital at Birsinghpur from where he was sent to Manendragarh. His eye was operated upon by the Doctors in the end of 1972 or early 1973 and he had to stay in the hospital for about two months. When he was discharged from the hospital the Doctor gave a letter under which he recommended that he may be given some work on the surface. The management offered him the work of a wagon loader in the siding by its letter dated 19-7-1973 but the workman did not join his duties on that job and agitated the matter before the Assistant Labour Commissioner where the conciliation failed and a failure report was sent to the Government.

3. The case of the workman is that the Doctor had recommended that he should be given some light job on the surface. It was not possible for him to have head loads and as such he did not accept the offer of the management to do the wagon loaders job on the surface. The management have several light jobs e.g. the jobs of peon, chowkidars or pump attendants. He is willing to do any of the jobs. The management did not post him on any of these jobs inspite of vacancy occurring subsequently. Such a light job was refused to the workman because of his trade union activities and he is being victimised for that purpose.

4. The case of the management is that Doctor recommended only a job on the surface. There was no recommendation that he should be given light duty, nor the letter prohibited him from taking head loads. Under the circumstances the refusal of the workman to do the work of wagon loader in siding was not justified. He was not penalised for any trade union activities. A man with a weak eye sight could not be posted as a chowkidar which post is generally given to Ex Army man. Similarly the job of pump attendant is given to the qualified persons. The allegation that vacancy occurred subsequently is false and no post of his choice could be created simply because the applicant suffered from some eye disease which was not due to his underground

working. The ailment was not connected with the job. The reference is alleged to be mechanical because it speaks of the management not offering him any job on the surface when in fact a job on the surface was offered to Shri Munilal. It is further bad because the demand appears to be for a surface job of the workman's choosing while the reference is about surface job only.

5. Many attempts were made to get the matter amicably settled between the parties and the proceedings were adjourned times out of number so that the workman could secure some relief by appealing to the sympathetic attitude and human considerations. However, when all such attempts were frustrated the case was posted for evidence. The parties failed to attend and adduce evidence on the date fixed. Hence the case was closed.

6. Under the contract of service when a person is appointed as a coal cutter he cannot claim as a matter of right that he should be posted to work on the surface. However, as said by Hidayat Ullah J. in *R. M. M. Singh Vs. Appollo Mills Ltd.* (1960-JI-LJ 263 SC) that 'social justice is not based on contractual relations and is not to be enforced on the principle of contract of service. It is something outside these principles and is invoked to do justice without a contract to back it'. Similarly in *R. B. Diwan Badridas Vs. Industrial Tribunal* [1952 (5) FLR 354 SC] the Supreme Court while comparing the industrial law developments with the constitutional developments said that 'so too, in industrial adjudication the claims of employer based on freedom of contract have to be adjusted with the claims of industrial employees for social justice'. It is thus within the powers of this Tribunal to see whether without causing any untoward inconvenience to the employer a disabled employee could be accommodated on some other job which may not adversely affect the sight in this old age. However, for doing so this Tribunal is not to act arbitrarily but has to balance the interests of both the sides.

7. In the present case the reference is about justification in not providing a surface job as recommended by the Medical Officer. Thus the main question is as to what was recommended by the Medical Officer. According to the workman the Medical Officer had recommended light job and had prohibited him from taking any load on the head. These facts have been denied by the management. The workman filed the papers which contain the certificate of the junior Surgeon of Central Hospital Manendragarh. Though this out door patient ticket is not proved yet it can well be used against the person producing it even without a formal proof of the said document. In the discharge certificate the advice written by the Doctor is that the "patient may do surface duty with glasses". This advice purports to have been recorded on 25-2-73. In the out door patient ticket on 13-6-73 the opinion recorded by the same Doctor is as follows:—

"As patient is Aphakic in I.P. and has got Immature Cataract in R.E., he is not fit for underground duty. He may however do surface duty if available."

Thus in none of these medical certificates there is any recommendation made by the Doctor that he should be given light work and should be prohibited from taking load on his head. Under these circumstances after seeing these medical certificates the management was perfectly justified in giving him an offer of wagon loader's job in the siding on the surface and Shri Munilal was unjustified in not joining the job. In view of this finding it is not necessary for me to comment upon the mechanical character or otherwise of the reference. Award is given accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer
[No. L-22012(9)/74-LR,II/D. IV(B)]

S.O. 975.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the matter of application filed by Sarva Shri Fagu and Aruna, Wagon Loaders in Pure Chirimiri Colliery of Western Coalfields Limited under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947, which was received by the Central Government on the 8th March, 1977.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)**Case No. CGIT/LC(A)(1) of 1977**
Under Sec. 33-A of I. D. Act.**PARTIES :**

1. Shri Fagu S/o Duhan, Wagon Loader and Shri Aruna S/o Mahadeo Rao, Wagon Loader, Residing at West Bhagrakhand Colliery, P.O. West Bhagrakhand Colliery, District Surguja (M.P.).

—Complainants.

Versus

The General Manager, Chirimiri Area, Western Coal Field Ltd. P.O. Chirimiri, Distt. Surguja (M.P.).

—Opposite Party.

APPEARANCES :

For Complainants—None.

For Opposite Party—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mines **DISTRICT :** Surguja (M.P.)

New Delhi, the 24th February, 1977

AWARD

This is a joint complaint under Sec. 33-A of the Industrial Disputes Act filed by Fagu and Aruna, Wagon Loaders in Pure Chirimiri Colliery of Western Coal Fields Ltd. against the dismissal from services with effect from 7-1-1975 by the management during the pendency of Reference Case No. 34 of 1974 before this Tribunal.

2. After the perusal of the said reference case and the facts of the complaint it is obvious that the complainants have no right to come before this Tribunal directly because the complaint does not arise out of the reference nor it is in any way related to the reference mentioned in the complaint, while the reference was against the management of North Chirimiri Colliery. The complaint is against Pure Chirimiri Colliery. The reference related to 8 wagon Loaders of North Chirimiri Colliery who were stopped from work by the management of that colliery. It had no relationship with the present complainants. The two collieries are altogether different and the fact that they are under the common management of Western Coal Fields Ltd. is not sufficient for the complainants to seek the shelter of the provisions of Sec. 33-A. In spite of the common management each unit has its separate entity. The dispute under the reference was not of such a nature as could have effected all the workmen in the different collieries of that area. Hence I am of the view that the complaint is not maintainable. It is dismissed and the award is given accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-22014(1)-77-D.IV(B)]

S.O. 976.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nimcha Colliery of Messrs Coal Mines Authority Limited, Post Office Jaykaynagar and their workmen, which was received by the Central Government on 4th March, 1977.

155 G I/76-12

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT
CALCUTTA**Reference No. 8 of 1976****PARTIES :**

Employers in relation to the management of Nimcha Colliery of the Coal Mines Authority Limited ;

AND

Their Workmen.

APPEARANCE :

On behalf of Employers—Shri N. Das, Advocate with Shri B. N. Lal, Assistant Chief Personnel Officer, & K. C. Koar, Area Industrial Relations Officer.

On behalf of Workmen—Shri Manoj Kumar Mukherjee, Advocate.

STATE : West Bengal**INDUSTRY :** Coal Mine**AWARD**

By Order No. L-19012/24/75/DIII B dated 4th February 1976, the Government of India, in the Ministry of Labour referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Nimcha Colliery of the Coal Mines Authority Limited, Nimcha Sub-Area, Area III, Post Office Jaykaynagar, District Burdwan (West Bengal) and their workmen, to this Tribunal for adjudication. The reference reads :

“Whether the management of Nimcha Colliery of Messrs Coal Mines Authority Limited, Post Office Jaykaynagar, District Burdwan, were justified in stopping Sarva Shri Basudeo Verma and Sohanlal Verma, clerks from work with effect from 10-2-1973 ? If not, to what relief are the said workmen entitled ?”

2. The Nimcha Colliery was owned by Nimcha Coal Company Ltd. It was a Public Limited Company. The two workmen concerned in the reference were appointed as clerks in the erstwhile company under the appointment letters, Ex-M-1 dated 24-12-1972 and Ex. M-2 dated 29-12-1972. The letters were issued by one of the Directors of the company for and on behalf of the company. It is alleged that the two workmen joined duty at the office of the company on 1-1-1973. On 31-1-1973 the management of the company and Coal mine was taken over by the Custodian on behalf of the Government of India on the strength of the Coal Mines (Taking over of Management) Act, 1973 under which the appointed day for taking over the management was fixed as 31-1-1973.

3. The last pay sheet (Ex. M 11) kept and maintained during the period of management by Custodian shows that both these two workmen worked in the colliery office in the month of January, 1973 and for 10 days in the month of February 1973. Thereafter, they had been stopped from working. That there was necessity and purpose for making the appointments to the clerical staff during the month of January 1973 was made clear out of the letter dated 8-2-1973 and letter Ex. M3(a) dated 10-2-1973. Ex. M3 is the list attached to the letter dated 8-2-1973 and there was a similar list attached to Ex. M3(a). The manager in charge reported to the custodian in these letters that “considering the output of the colliery and labour strength, I think their appointment is necessary for maintaining office work regularly and punctually. A list showing the persons appointed in January 1973 attached”. Ex. M3 and Ex. M3(b) are the two lists in which the names of the two concerned workmen appeared as persons appointed in January 1973. The B Form register (Ex. M6) maintained under Section 48 of the Mines Act, 1952 gives the names of these two workmen as members of the mines establishment. These facts combined with the evidence of MW1 clearly established that the two workmen were employed with effect from 1-1-1973 and that they continued in service till 10-2-1973.

4. The only ground relied upon by the management to terminate the services of the two workmen is the power vested in the Custodian to terminate the services of any workman under Section 16 of the Coal Mines (Taking over the Management) Act, 1973 and the exercise of that power by him in this particular case against the workmen. The section reads:

"16. Power to terminate contract of employment. If the Custodian is of opinion that any contract of employment entered into by any owner or agent of a coal mine, at any time before the appointed day, is unduly onerous or if he considers that it is necessary so to do in the interests of the proper management of a coal mine, he may, by giving to the employee concerned one month's notice in writing or the salary or wages for one month in lieu thereof, terminate such contract of employment."

First of all it is not certain whether the power vested in the Custodian under this section can be exercised by him in relation to dispute between employer and employee under the Industrial Disputes Act, 1947. Even if he has any such power under Section 16, it has to be exercised in accordance with the principles of natural justice. In this case the workmen were stopped from work with effect from 10-2-1973. But the actual order of termination was passed on 17-4-1973 vide the letter of the Custodian (Ex. M4). The Custodian was seen to have exercised his right under Section 16 of the aforesaid taking over the management Act on the basis of a written recommendation contained in Ex. M5 dated 10-4-1973. An officer of the Custodian made a spot enquiry on 9-4-1973 when he collected certain details of the work and appointment of these two workmen. The workmen were, however, not given a chance to explain their position. So that spot enquiry was conducted behind their back and the officer came to the conclusion that the workmen (one among them) were unfit for appointment and that the appointment was made as they happened to be close relatives of the Superintendent of the colliery. I do not propose to sit on judgment over the conclusions arrived at by the officer as a result of his enquiry. It is sufficient to say that no notice of the enquiry was given to the concerned workmen and the enquiry was conducted behind their back after they were sent away from the office on 10-2-1973.

5. The alleged enquiry is not material circumstance for consideration in this case. We are concerned with the justification or otherwise of the termination of the services of the two workmen with effect from 10-2-1973. It has to be admitted that the Custodian did not pass an order on 10-2-1973 terminating the services of the two employees. The order passed on 17-4-1973 could have no application to the termination of the service on 10-2-1973. It is incumbent upon the Custodian under Section 16 of the Act to come to a conclusion that the appointment in question was unduly onerous or that it is necessary to terminate the service in the interest of the proper management of the coal mine. Nothing of the sort was considered or recorded in this case before the termination was effected on 10-2-1973. So, the termination of the services can said to be illegal.

6. The termination of the services can also said to be mala fide because the management felt that the two workmen having entered the service through the personal interest of the erstwhile management shall not be kept in service. So before any decision could be taken on merits the management stopped their work and later go up an enquiry without the knowledge of the workmen. The procedure adopted is not in accordance with the principle of natural justice. So the termination of the services of the workmen could not be supported. There is no ground to hold that it is a case of termination simpliciter; but it goes to show that there was something else which disturbed the management in terminating the services of the workmen. On a consideration of all the aspects of the question I am constrained to hold that the management is not justified in stopping the work of the two workmen with effect from 10-2-1973.

7. Since the stoppage of the work of these two workmen is found to be invalid, they shall be reinstated to their former posts. They shall also be paid the back wages. But they shall be paid only the basic wages for each month during the un-employed period. There was no evidence that they were elsewhere employed or earned any other income after 10-2-1973.

8. In the result, an award is passed against the management and in favour of the two workmen, Basudeo Verma and Sohanlal Verma holding that the management was not justified in stopping them from work with effect from 10-2-1973 and

therefore they shall be reinstated to their former posts forthwith. They shall be paid back wages: but the claim for back wages is restricted to basic salary which they drew per month and it shall be paid for the period of their unemployment.

Dated Calcutta,

the 23rd February 1977.

E. K. MOIDU, Presiding Officer.

[No. I-19012/24/75-D.IIB/D.IV(B)]

BHUPENDRA NATH, Desk Officer.

New Delhi, the 7th March, 1977

S.O. 977.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Madhuband Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nudkharkee (Dhanbad) and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st March, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 5 of 1975

(Ministry's Order No. L-2012/66/74-LR11, dated, 11-2-1975)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Madhuband Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nudkharkee (Dhanbad).

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the management—Shri T. P. Choudhury, Advocate and Shri G. Prasad, Advocate.

For the Workmen—Shri J. D. Lal, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated the 23rd February, 1977

AWARD

The Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Madhuband Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nudkharkee (Dhanbad) of not employing the following 36 workmen after the take over of the colliery by the Bharat Coking Coal Limited, is justified? If not, to what relief are the workmen entitled and from what date ?

S. No. Name of the workmen

1. R. N. Dass
2. R. S. Sarkar
3. Madan Nandi
4. Jernail Singh
5. D. P. Mahto
6. Devendar Kri
7. Shaktipado
8. Gulampir Ansari

| Sl. No. | Name of the Workman |
|---------|---------------------|
| 9. | Aktor Ali |
| 10. | Sukhoo |
| 11. | Arjun Mahato |
| 12. | Basant Ram |
| 13. | Chattar Singh |
| 14. | Jadunandan |
| 15. | Mangal Mahato |
| 16. | Kirti Rajwar |
| 17. | Ramkissun No. II |
| 18. | Ramkissun No. I |
| 19. | Jugal Rajwar |
| 20. | Bhairoo |
| 21. | B. K. Chakarbarti |
| 22. | Mahanand Mahato |
| 23. | Ainul Haque |
| 24. | Loffar Rajwar |
| 25. | Daulat |
| 26. | Mansha Kr. |
| 27. | Neel Kamal Rajwar |
| 28. | Pasupati Rajak |
| 29. | B. Gope |
| 30. | Depti Pd. |
| 31. | S. N. Banerjee |
| 32. | Sudama Singh |
| 33. | Krishna Dubey |
| 34. | Rahman Miya |
| 35. | Pycro Lall |
| 36. | Agnu Mahato." |

2. Usual notices were issued requiring the parties to file their respective written statements; and in compliance with that, the Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, filed the written statement on behalf of the said 36 workmen on June 26, 1976 and the Chief Personnel Manager, Bharat Coking Coal Limited, filed the written statement on behalf of the Madhuband Colliery on June 29, 1976. The Bharat Coking Coal Limited filed a rejoinder to the written statement of the Union on June 30, 1976 and the Union filed the rejoinder to the written statement of the Bharat Coking Coal Limited on August 27, 1976.

3. The case of the workmen is that M/s. Oriental Coal Co. Ltd. was the owner of the Amlabad and the Madhuband Collieries. These two are coking coal mines. M/s. Thapar Intrafor Co. (India) Ltd. is a sister concern of M/s. Oriental Coal Co.-Ltd. M/s. Thapar Intrafor Co. carried on the sole business of Shaft-sinking and drifts-driving in various collieries under contract with such collieries. They were employed as contractors by the Oriental Coal Co. Ltd. for shaft-sinking work in the Amlabad Colliery and when shaft-sinking work in that colliery was completed or almost completed, similar work was taken on contract in the Madhuband Colliery. Similarly when the work was finished or was about to finish in the Amlabad Colliery, a contract for similar purpose was obtained by M/s. Thapar Intrafor Co. at Jamadoba Colliery owned

by the Tata Iron & Steel Co. Ltd. The workmen further allege that they were either initially appointed as workmen in the Amlabad Colliery or in the Madhuband Colliery and were subsequently transferred to the shaft-sinking work in the Amlabad Colliery or in the Madhuband Colliery and were thereafter transferred to the Jamadoba Colliery; but throughout this period they continued to remain the workmen of either the Amlabad Colliery or the Madhuband Colliery and never became the employees of M/s. Thapar Intrafor Co. The Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Ordinance, 1971 came into force on October 17, 1971 and was subsequently replaced by the Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Act, 1971. The Central Government specified K. S. R. Chari as the authorised person in respect of these and other mines under sub-sec. (3) of section 4 of the Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Ordinance, 1971 by Notification No. G.S.R. 1543 dated October 16, 1971 published in the Gazette of India, Extraordinary Part II-Sec. 3-Sub-section (i) dated October 16, 1971. He took over the management of the two mines on the 'appointed day', that is to say, on October 17, 1971. The Bharat Coking Coal Ltd. took over the management from K. S. R. Chari as custodian on January 12, 1972 on the basis of Notification G.S.R. (27)E dated January 12, 1972 published in the Gazette of India Extraordinary, Part II-Sec. 3-Sub-section (i) dated January 14, 1972. These two coking coal mines and other coking coal mines were nationalised on May 1, 1972 under the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1972 and the ownership was vested in Bharat Coking Coal Limited on the same day by Notification No. G.S.R. 379(E) dated August 17, 1972 published in the Gazette of India Extraordinary, Part II-Sec. 3-Sub-section (i) dated August 17, 1972. The question of absorption of the workmen of the nationalised collieries then cropped up. The workmen allege that R. D. Singh, the Project Manager of M/s. Thapar Intrafor Co. in the shaft-sinking project and other officers were absorbed by the Bharat Coking Coal Limited. They further allege that 17 workmen, namely, Gulab Singh, Yunish Mian, Sashi Rajwar, Anand Shekhar, Haripado, Lal Rajwar, Gour Mahto, Chando Mahato, Ashoo Mahato, Abdul Haque, Bakshi Singh, Dharamdeo Singh, Maheshwari Napit, Chaku Kamar, Khatil Mian, Nambu Mahato and Mukund Rajwar who were working in the Shaft-sinking Project in the Amlabad Colliery under M/s. Thapar Intrafor Co. were also absorbed by the Bharat Coking Coal Limited after nationalisation. However, they were discriminated against and were not absorbed even though they were workmen either in the Amlabad Colliery or in the Madhuband Colliery and were working in shaft-sinking project in either or both these collieries though under the contractor M/s. Thapar Intrafor Company. They have further pleaded that they took up their cause with the Bharat Coking Coal Limited after nationalisation. However, they the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1971 but their request was turned down and thereafter they approached the A.L.C. for conciliation but that also failed and, therefore, they are entitled to be absorbed in the Madhuband Colliery with effect from May 1, 1972 with continuity of service and with full back wages and other monetary benefits.

4. The claim of the workmen has been resisted by the Bharat Coking Coal Limited. Their case is that none of these 36 workman was ever in the employment of either the Amlabad Colliery or the Madhuband Colliery owned by M/s. Oriental Coal Co. Ltd.; that they were actually the employees of the contractor M/s. Thapar Intrafor Co.; that M/s. Thapar Intrafor Co. was not a sister concern of

M/s. Oriental Coal Co. Ltd. but was a wholly independent company and only worked as contractor of M/s. Oriental Coal Co. Ltd.; that there was no relationship of employer and employees between it (B.C.C.I.) and these 36 workmen; that there is misjoinder of parties; that section 17 of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act has no application; that under sections 9 and 28 of the said Act it is not liable to absorb them or to pay any back wages to them; that the reference is bad because of laches; and that since these workmen were not workmen in any colliery but were workmen of a contractor, it has no liability whatsoever for not employing them after the date of nationalisation.

5. In its rejoinder, the Bharat Coking Coal Limited has pleaded that the 17 workmen who had been absorbed by it were workmen in a coking coal mine and were not workmen of M/s. Thapar Intrafor Company.

6. In their rejoinder, the workmen have reiterated their original stand and have added by saying that the legal pleas taken by the Bharat Coking Coal Limited are untenable; that the 36 workmen were originally the workmen of M/s. Oriental Coal Co. Ltd. in its Amlabad Colliery and were transferred by it to work in the Shaft-sinking Project in the same colliery under M/s. Thapar Intrafor Co.; that thereafter they were transferred from the Amlabad Colliery to the Madhuband Colliery, belonging to M/s. Oriental Coal Co. Ltd., to work in Shaft-sinking Project in that colliery under the same contractor; that these workmen were the workmen of the Madhuband Colliery and not of the contractor when the Madhuband Colliery was taken over by K. S. R. Chari or by Bharat Coking Coal Limited or at the time of nationalisation; that their employment under M/s. Thapar Intrafor Co. will not change their status as workmen of either of the two collieries in view of the Standing Orders; that Section 17(1) is fully applicable and sections 9 and 28 have no application; that there has been no laches; and that the stand taken by the Bharat Coking Coal Limited is neither tenable in fact nor in law.

7. The onus to prove that the action of not employing the 36 workmen is justified, lies fairly and squarely on the Bharat Coking Coal Limited. The Company examined K. P. Rawari MW-1 to discharge this burden. He is a clerk in the Personnel Section in Barora Area No. 1, under whose jurisdiction the Madhuband Colliery is situate. He frankly conceded that he has no knowledge whatsoever if these 36 workmen were or were not in the employment of the Madhuband Colliery before its management was taken over by K. S. R. Chari or by the Bharat Coking Coal Ltd. He has never himself worked in the Madhuband Colliery. Even in the Personnel Section in Barora Area No. 1, he is posted only since July, 1972. He neither knows the names of any of these 36 workmen nor is in a position to recognise them. Under the Mines Act, the name and other particulars of every workman employed in a mine is entered in a Register in the prescribed Form B. That Register was called by the Bharat Coking Coal Ltd. in its Sub-Area office from the colliery office but the witness never cared to go through it in order to find out if these 36 workmen were ever in employment in the Madhuband Colliery. His evidence, on his own admission, leads us no where and does not discharge the burden which lay heavily upon the Bharat Coking Coal Ltd.

8. The Bharat Coking Coal Ltd. did not press any of the legal points raised by it either in the evidence or in the

arguments and, therefore, the less said about them, the better.

9. The Union raised only two points, both in the evidence and in arguments, namely, that (1) these 36 workmen were bona fide workmen in a coking coal mine and, therefore, under section 17(1) of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, it was the statutory liability of the Bharat Coking Coal Ltd. to continue them in employment and it was their statutory right to so continue, and (2) the action of not employing them is discriminatory in the sense that the Bharat Coking Coal Ltd. cannot be allowed to pick and choose as to whom, from a given category, they will keep in employment and whom they will refuse to do so. On both these questions, the Union has examined three witnesses; Basant Ram WW-1, Ainul Haque WW-2 and R.D. Singh WW-3 and has further filed a large number of documents.

10. I will first survey the oral evidence. In doing that, and subsequently in referring to the documentary evidence also, I will not refer to the 36 workmen by their names, for the sake of brevity, but by their serial nos. in the reference.

11. Basant Ram WW-1 is the workman at serial no. 12. His evidence is to the effect that both the Amlabad and Madhuband Collieries were owned by the Oriental Coal Co. Ltd. O. P. Manchanda was the Manager of the Amlabad Colliery. He appointed him as a workman in the Amlabad Colliery in 1967 and asked him to work in connection with shaft-sinking in that colliery. Likewise, the workmen at serial nos. 1, 4, 7, 12, 13, 15, 18, 19, 20, 22, 24, 26, 27, 28, 31, 33 and 35 were also appointed in the Amlabad Colliery by O. P. Manchanda after shaft-sinking work had already started but were deployed to work in the shaft-sinking project in that colliery. He goes on to state that the workmen at serial nos. 3, 21 and 23 were appointed as workmen in the Amlabad Colliery and worked in that colliery for some time before they were shifted to the shaft-sinking project in that colliery. His further statement is that shaft-sinking work had started in Amlabad Colliery sometime in 1966 and came to a close sometime in 1969. He then deposes that R. D. Singh who was originally an officer in the Madhuband Colliery was transferred to the Amlabad Colliery as Shaft-sinking Project Manager and after the close of the shaft-sinking work there, he was retransferred to the Madhuband Colliery as Shaft-sinking Project Manager in that Colliery. When shaft-sinking work was about to finish in the Amlabad Colliery, 17 workmen (in respect of whom I will refer to later) were retained in the Amlabad Colliery to complete the shaft-sinking job but the others, namely, the workmen at serial nos. 1, 3, 4, 7, 12, 13, 15, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 31, 33, 35 and 36 were transferred by the Oriental Coal Co. Ltd. to their Madhuband Colliery to do shaft-sinking work in that colliery. He has then stated that the workmen at serial nos. 2, 5, 6, 8, 9, 10, 11, 14, 16, 17, 30, 32 and 34 were originally appointed as workmen in the Madhuband Colliery but when shaft-sinking work started in that colliery, they were deployed to work in the shaft-sinking project in that colliery. He subsequently modified his statement and stated that the workman at serial no. 25 was not originally appointed in the Amlabad Colliery but in the Madhuband Colliery. He went on to state that after nationalisation, he and the other 35 workmen were shifted to the Tata Iron & Steel Company's Jamadoba Colliery for shaft-sinking work there. M/s. Thapar Intrafor Co. were the contractors for shaft-sinking at Amlabad, Madhuband and

also at Jamadoba. At Jamadoba, Thapar Intrafor Co. dismissed the workmen at serial nos. 2, 13 and 33. An industrial dispute regarding their dismissal is pending adjudication in Industrial Tribunal No. 2 at Dhanbad. Six out of these 36 workmen are still working in Thapar Intrafor Co. and these six are the workmen at serial nos. 18, 19, 21, 23, 24 and 27. The other 27, namely, the workmen at serial nos. 1, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 14, 15, 16, 17, 20, 22, 25, 26, 28, 29, 30, 31, 32, 34, 35 and 36 were retrenched by Thapar Intrafor Co. at Jamadoba on July 6, 1975. Those who were retrenched were offered gratuity and they accepted it under protest, but no retrenchment compensation was paid. Ainul Haque WW-2 is the workman at serial no. 23. He has stated that he was originally appointed as a Fitter Helper in the Amlabad Colliery in the year 1955. The workmen at serial nos. 1, 3, 5, 7, 12, 13, 15, 18, 21, 24, 26, 33, 35 and 36 were also appointed originally in the Amlabad Colliery by O. P. Manchanda and were drafted by him to work in the shaft-sinking project there, which was started in the year 1967. While shaft-sinking work was still in progress at Amlabad, O. P. Manchanda transferred them for shaft-sinking work in the Madhuband Colliery. He has then stated that the workmen at serial nos. 2, 4, 6, 8, 9, 10, 11, 14, 16, 17, 19, 20, 22, 25, 27, 28, 29, 30, 31, 32 and 34 were appointed in the Madhuband Colliery as fresh hands and were drafted to do work in the shaft-sinking project. According to him, Register Form B for the Amlabad Colliery and the Amlabad shaft-sinking project was one and the same; wage-sheets for each department, that is to say, for miners, monthly-raters, loaders, shaft-sinking workers were all separate; Bonus Register for colliery workmen and shaft-sinking workmen was one and the same; payment to all workmen without distinction was made in colliery office; leave applications of shaft-sinking workmen used to be forwarded by R. D. Singh, the Project Manager, and used to be sanctioned by O. P. Manchanda, the Colliery Manager; the Welfare Officer and the Personnel Officer both for the colliery workmen and the shaft-sinking workmen were the same; and the disciplinary authority also for both the categories was the Colliery Manager himself. WW-3 R. D. Singh was the Project Manager of the shaft-sinking project in the Amlabad Colliery from 1969 to 1971. He was then shifted in the same capacity to the Madhuband Colliery for the same nature of work. He has deposed that these 36 workmen worked under him at Amlabad and later at Madhuband. He has given some points of similarity and also dissimilarity in the methodology of work of Thapar Intrafor Co. and the collieries. He says that the Colliery Manager, whether at Amlabad or at Madhuband, was also the Manager of the shaft-sinking project; the Colliery Manager was the disciplinary authority both for colliery workmen and shaft-sinking workmen; and the Colliery Manager was the overall controller both of the colliery and of the shaft-sinking project. However, the Attendance Register, the Register Form B and Bonus Register of the workmen working under Thapar Intrafor Co. were different from similar registers for colliery workmen. The Cash Section both for colliery workmen and shaft-sinking workmen was the same; the store facility for both was the same; the Manager, Cashier and the Chief Engineer for both were the same but both maintained separate books of accounts. He then stated that at Amlabad, some original colliery workmen were taken on shaft-sinking work because of their experience. These original workmen are the workmen at serial nos. 1, 3, 21, 23, 35 and 36. He concedes that there may be other such original workmen also who were drafted

for shaft-sinking work but he has no personal knowledge because he was transferred to Amlabad from Madhuband much later after shaft-sinking work was in full steam there. He frankly conceded that these original workmen were asked by the Amlabad Colliery Manager to work in shaft-sinking project in that colliery. He further stated that the Amlabad Colliery Manager recruited some new hands for shaft-sinking work and directed them to work in that project. He goes on to state that after shaft-sinking work was over at Amlabad, the Chief Engineer of Thapar Intrafor Co. who was none else than the Chief Mining Engineer of the Amlabad Colliery transferred the shaft-sinking workmen, with the exception of some (17) to the Madhuband Colliery for shaft-sinking work there. In cross-examination, he deposed that though the Cash Section was the same, the colliery and Thapar Intrafor Co. had their separate funds as the two were independent companies.

12. I will now deal with the documentary evidence. Exts. W-2 and W-3 have a bearing on the workman at serial no. 4, namely, Jarnail Singh Ext. W-2 and W-3 show that he was appointed as a Dumper Helper by the Oriental Coal Co. on August 17, 1967 and was a subscriber to the Coal Mines Provident Fund. His appointment was in the Madhuband Colliery. Ext. W-2 and W-3 are signed by the Welfare Officer of the Madhuband Colliery and by the Assistant Commissioner, Coal Mines Provident Fund. Ext. W-4 shows that the workmen at serial nos. 5, 25 and 29 were appointed on 9-1-71, 7-7-71 and 1-3-71 and were members of the Coal Mines Provident Fund while shaft-sinking work was continuing at Jamadoba Colliery. Ext. W-5 shows that the workman at serial no. 17 was appointed on 13-10-71 and was a member of the Coal Mines Provident Fund while shaft-sinking work was on at Jamadoba. Ext. W-6 is in respect of membership of the workmen at serial nos. 6, 8, 14, 15, 19, 30 and 34 which shows that they were members of the Coal Mines Provident Fund at Jamadoba. Ext. W-7 shows the same facts in respect of the workmen at serial nos. 9, 10, 20 and 32. Ext. W-8 is in respect of the workman at serial no. 21 which shows that he was appointed in the Amlabad Colliery on August 3, 1957 and was a member of the Coal Mines Provident Fund. Ext. W-9 is in respect of the workman at serial no. 3 which shows that he was appointed in the Amlabad Colliery on January 2, 1959 and was a member of the Coal Mines Provident Fund. Ext. W-10 is in respect of workmen at serial nos. 17, 18, 24 and 36 which reveals that they were appointed in the Amlabad Colliery on February 1, 1969 and were members of the Coal Mines Provident Fund. Ext. W-11 is in respect of the workman at serial no. 15 which shows that he was appointed in the Amlabad Colliery on June 17, 1969. Ext. W-12 and W-13 show that the workmen at serial nos. 7, 12, 13, 22, 26, 27, 28, 33 and 35 were employed on February 1, 1969 in the Amlabad Colliery and were members of the Coal Mines Provident Fund. Ext. W-19 is a certificate under clause 36 of the Coal Mines Regulations, 1957 dated June 28, 1968 which shows that the workman at serial no. 22 was appointed a competent person by the Amlabad Colliery. Ext. W-28 is the letter of confirmation of the workman at serial no. 21 in the Amlabad Colliery as leave clerk on June 1, 1960. Ext. W-21 is again in his respect dated 1-9-1966 appointing him as a Typist in Thapar Intrafor Co. The appointment letter is signed by the Colliery Manager. Ext. W-22 is again signed by the Chief Agent of the Amlabad Colliery in respect of the same workmen transferring him from Thapar Intrafor Co. to the colliery as an Assistant Stores Keeper. Ext. W-23 dated 11-2-68 is an order by the Amlabad Colliery

Manager in respect of the same workman putting him in charge of the magazine. Ext. W-24 is a letter dated 29-12-1960 appointing the same workman as Bonus Clerk in the Amlabad Colliery. Ext. W-26 is the leave application of the workman at serial no. 12 which was granted by the Colliery Manager. Ext. W-27 is again in respect of him mentioning him as an employee of the Amlabad Colliery. Ext. W-28 is in respect of the workman at serial no. 36 appointing him as a competent person on May 23, 1967. Ext. W-29 is in respect of the workman at serial no. 33. It is a leave application dated 9-3-1970 which was sanctioned by the Colliery Manager. Similarly Exts. W-33 and W-34 are appointment letters of competent persons in respect of the workmen at serial nos. 17 and 18 signed by the Colliery Manager. Ext. W-35 is in respect of the workman at serial no. 17 showing him as a workman in the colliery. Ext. W-36 is a letter by the Amlabad Colliery Manager promoting the workman at serial no. 23 as a Fitter Helper in the year 1962. Ext. W-37 is also in his respect dated September 27, 1966. Exts. W-38 and W-39 are again in his respect and show that leave was granted to him by the Colliery Manager in 1969 and 1968. Exts. W-40 and W-41 are in respect of the workman at serial no. 3 treating him as a workman in the colliery. The management has placed reliance on Exts. M-1 to M-5. Ext. M-1 is dated February 7, 1970 transferring the workman at serial no. 3 from the Amlabad project to the Madhuband project. It is signed by the Project Manager. Exts. M-2, M-3, M-4 and M-5 merely show that the accounts of Thapar Intrafor Co. were kept separately from the accounts of the collieries.

13. I have summed up above both the oral and the documentary evidence. The oral evidence categorically shows that some of the 36 workmen were working in the Amlabad Colliery from long before the shaft-sinking project came into existence in that colliery. Some more were appointed by the Amlabad Colliery Manager but were asked to work in the shaft-sinking work in the Amlabad Colliery and the rest were transferred to the Madhuband Colliery when shaft-sinking work was to commence there. Some more were appointed by the Madhuband Colliery Manager to work in the shaft-sinking project there. All these were transferred to Jamadoba, owned by a different company, when Thapar Intrafor Co. took a shaft-sinking contract there. The documentary evidence supports the oral evidence in part but not entirely. May be it is so because the workmen have not preserved all the documents which were issued to them by the collieries. The Bharat Coking Coal Ltd. has not been able to rebut this evidence. It has examined one witness who talks in the air and has no personal knowledge about any material issue in the reference. Under the Ordinance and the two Acts, the authorised person and the custodian had to take charge of all the documents of both the Amlabad and Madhuband Collieries. All the documents should and must be in their custody. They have not filed any documents. Exts. M-1 to M-5 are the documents which were filed by the Union but not proved and were admitted on the date of arguments by the Bharat Coking Coal Ltd. The Bharat Coking Coal Ltd. was in a position to completely demolish the case of the workmen by the production of the documents of the two collieries but it has not done so. It does not even say that the documents are lost or misplaced. It should not forget that the onus lay on it. I have no hesitation in my mind, therefore, that the workmen were in employment in Coking Coal Mines from long before the promulgation of the Ordinance. They were bonafide workmen in such a colliery and were not inductees. The learned counsel for the Bharat Coking Coal Ltd. argued that

these 36 workmen had disconnected their relationship as servants of the collieries and had taken fresh appointments under Thapar Intrafor Co. and therefore, they were not the workmen in the collieries to whom section 17(1) could apply. It is argued that the workmen had better prospects under Thapar Intrafor Co. and that is why they voluntarily severed their connections with their old masters and chose a new master. Reliance has been placed on the cross-examination of Ainul Haque WW-2 for this purpose. He stated that the workman at serial no. 3 was only a conveyor-belt mazdoor in the Amlabad Colliery but was employed as a dumper khalasi in the shaft-sinking project at Amlabad and was ultimately appointed as a dumper operator. Ainul Haque himself was a fitter in the Amlabad Colliery but ultimately became a Head Fitter under Thapar Intrafor Co. I find no substance in this contention. They were employed by Managers of Coking Coal Mines and were bound to carry out his orders. R. D. Singh WW-3 has stated that the old hands were taken in the shaft-sinking project because of their experience. The Bharat Coking Coal Ltd. did not plead that they had resigned their old jobs in the collieries or had given their consent, express or implied, for permanent transfer under Thapar Intrafor Co. It has not led evidence to show that any one of them was appointed by Thapar Intrafor Co. On legal grounds also, the Bharat Coking Coal Ltd. has no case.

14. For one thing, Ext. W-1 is the certified Standing Order of the Madhuband Colliery filed by the Bharat Coking Coal Ltd. Standing Order No. 1 defines the term 'employees'. It means all work people, male or female, employed above-ground or underground, either directly by the company or under a contractor or contractors except those who come within the category of officers of the company or those whose basic pay exceeds Rs. 300 per month. All the workmen were in the Madhuband Colliery when nationalisation came. I have held above that they were workmen of the Madhuband Colliery at that time, but even assuming for the sake of arguments but not holding so, that they were the workmen of the contractor, still they will be the workmen of the Madhuband Colliery under the Standing Orders. The Standing Orders are statutory terms of employment between the employer and his employees. See *Bagalkot Cement Co. vs. R. K. Pathan*, AIR 1963 SC. 439; *Workmen of Dewan Tea Estate vs. Management*, AIR 1964 SC. 1458. Secondly, if the statutory terms and conditions of service permit an employer to engage a contractor and to treat the workmen under the contractor as the workmen of the employer, they will be the workmen of the employer himself. See *Basti Sugar Mills vs. Ram Ujagar*, 1963 (II) L.J. 447 and *Caraspur Mills Co. Ltd. vs. Ramanlal Chimanlal* 1973 SCC (L&S) 410. Besides, on the findings that the 36 workmen were originally employed by a Coking Coal Mine and their services were subsequently lent to Thapar Intrafor Co. for shaft-sinking work in the mines themselves, will not convert them into workmen of the contractor. The contractor was doing shaft-sinking not in his own mine but in the mines, where the workmen were employed. Their master asked them to do one work instead of another under a different person but that will not bring about any cessation in their service relationship with their master. It was held in *P. K. R. Bidi Factory vs. O. L. Thenge*, 20 F.L.R. 140 that when the employer, in pursuance of a contract between him and a third party, lends or hires the services of his employees to that third party for a particular work, such an assignment does not effect a transfer of the contract of service between the employer and his employees, but only amounts to a transfer of the benefits of their service. Their Lordships of the Supreme Court summed up the position thus :

"A contract of service being thus incapable of transfer unilaterally, such a transfer of service from one employer to another can only be effected by a tripartite agreement between the employer, the employee and the third party, the effect of which would be to terminate the original contract of service by mutual consent and to make a new contract between the employee and the third party. Therefore, so long as the contract of service is not terminated, a new contract is not made as aforesaid and the employee continues to be in the employment of the employer. Therefore, when an employer orders him to do a certain work for another person, the employee still continues to be in his employment. The only thing that happens in such a case is that he carries out the orders of master. The employee has the right to claim his wages from the employer and not from the third party to whom his services are lent or hired. It may be that such third party may pay his wages during the time that he has hired his services, but that is because of his agreement with the employer. That does not preclude the employee from claiming his wages from the employer. The hirer may also exercise control and direction in the doing of the thing for which he is hired or even the manner in which it is to be done. But if the employee fails to carry out his directions he cannot dismiss him and can only complain to the employer. The right of dismissal vests in the employer."

See also *M/s. Ithad Motor Transport (P) Ltd. vs. Bir Singh*, 1974 I.L.C. 906. The result is that all the 36 workmen were employees in coking coal mines, and to be precise, in the Madhuband Coking coal mine, on May 1, 1972 when this mine was nationalised. Section 17(1) says that every person who is a workman under section 2(s) of the Industrial Disputes Act, and has been, immediately before May 1, 1972, in the employment of a coking coal mine, shall become on and from May 1, 1972, an employee of the Government company in which the right, title and interest of such mine have vested, and shall hold office or service in the coking coal mine, on the same terms and conditions as would have been admissible to him if the right in relation to such coking coal mine had not been transferred to, and vested in, the Government company, and continue to do so unless and until his employment in such coking coal mine is duly terminated or until his remuneration, terms and conditions of employment are duly altered, by the Government company. These 36 workmen are fully covered by this mandatory statutory provision.

15. The learned counsel for the Bharat Coking Coal Ltd. argued that the claim of these 36 workmen is unfounded in law under sections 9 and 28 of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act. I do not find any force in this argument. Section 9(1) states that every liability of the owner etc. of a coking coal mine, in relation to any period prior to May 1, 1972, shall be the liability of such owner etc. and shall be enforceable against him and not against the Government company. These 36 workmen are not claiming to enforce any liability on the part of the Oriental Coal Co. That company had employed them; that company did not terminate their services; that company did not retrench them; that company does not refuse to employ them; and indeed, it is the Bharat Coking Coal Ltd. which has not employed them on and from the date of nationalisation. Section 9(2)(a) is also inapplicable. There is no claim for any wages, or bonus or provident fund, or pension or gratuity or any other dues in relation to a coking coal mine in respect of any period prior to May 1, 1972. Similarly Section 9(2)(b) has no relevancy.

This provision also prohibits the giving of an award in relation to a coking coal mine, in respect of any matter, claim or dispute which arose before May 1, 1972. No award is intended to be given in respect of any such matter, claim or dispute. Finally, section 9(2)(c) is also inapplicable. It speaks of a liability for the contravention of some provisions of law made before May 1, 1972. There is no such contravention in the instant case. There is certainly contravention of section 17(1), but that contravention took place on May 1, 1972 and not prior to that. Section 28 says that the provisions of this Act shall have effect notwithstanding anything inconsistent therewith contained in any other law. No inconsistency has been pointed out by the learned counsel which will bring this section into play.

16. The learned counsel argued that Thapar Intrafor Co. has already dismissed three of the 36 workmen. However, it is apparent to me that Thapar Intrafor Co. had no legal right to dismiss them because it had only hired the services of these three workmen. Their case is fully covered by the decision of their Lordships of the Supreme Court in *P.K.P. Bidi Factory vs. O.I. Thenge* *Supra*. He has further argued that Thapar Intrafor Co. has already retrenched a batch of 27 out of these 36 workmen but that action is also without any validity in law. They were not the employees of Thapar Intrafor Co. That company could only request the Bharat Coking Coal Ltd. to take them back. He has finally argued that Thapar Intrafor Co. is still retaining the services of six out of these 36. That may be so, but these six are not willing to work under that company.

17. In paragraph 6 of the written statement of the Union there is a mention of 17 workmen who were appointed by the Amlabad Colliery Manager for shaft-sinking project in that colliery. While the shaft-sinking work was about to finish in that colliery and about to commence in the Madhuband Colliery, these 17 workmen were retained in the Amlabad Colliery to finish the job in that colliery and the rest were transferred to the Madhuband Colliery. Admittedly, these 17 were absorbed by the Bharat Coking Coal Ltd. after nationalisation. The contention is that their absorption as against the non-absorption of these 36 is a blatant piece of discrimination which disturbs industrial peace and, therefore, these 36 be also absorbed. Basant Ram WW-1 and Ainal Haque WW-2 have deposed about these facts. R. D. Singh WW-3 supports them. He himself was working in the shaft-sinking project at Amlabad and at Madhuband but was finally absorbed with continuity of service. A suggestion was made to Ainal Haque that these 17 were appointed in the Amlabad Colliery after shaft-sinking work was over but he denied that this was so. Basant Ram was not even cross-examined. R. D. Singh's testimony was not challenged. In *Workmen vs. Dahingerpur Tea Estate*, 1958 (II) LLJ. 498, dealing with the dispute relating to the refusal by a purchaser of a Tea Estate as a going concern to continue in employment some members of the old staff except as new entrants, the Industrial Tribunal found that (a) the tea estate was sold as a running or going concern, with a reservation as to the employment of members of the staff; (b) that all the manual labourers as distinguished from members of the staff were continued in employment on their previous terms with continuity of service; (c) three members of the staff also were continued in employment but as new recruits, without continuity of service; (d) there were no trade reasons or reasons of efficiency for which the remaining 18 or 19 members of the staff were not taken, and (e) the incoming management meant to disturb the staff

AND

members only and not the labour force of the garden, and nothing else would tend to create unrest more than such discrimination would. The Tribunal, therefore, ordered the reinstatement of all those whose employment had not been continued. The matter went upto the Supreme Court and the Tribunal's award was upheld. To my mind, the Bharat Coking Coal Ltd. was rather unfair in not continuing these 36 workmen in employment when the colliery was nationalised.

18. The question now is as to what relief can be granted. Ramkissun No. 1, Jugal Rajwar, B. K. Chakraborti, Ainul Haque, Laffar Rajwar and Neel Kamal Rajwar shall be employed by the Bharat Coking Coal Ltd. with continuity of service but they shall not get any back wages for the period prior to the date of the enforceability of the award because these six are in employment and are getting wages. R. S. Sarkar, Chater Singh and Krishna Dubey shall also be employed by the Bharat Coking Coal Limited with continuity of service with full back wages from the date or dates on which they were dismissed by the Thapar Intrafor Co. The rest of the 36 workmen shall also be employed by the Bharat Coking Coal Ltd. with continuity of service but they will get their back wages only from July 6, 1975 because they were not sitting idle till that date.

This is my award.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. I-2012/66/74-LR. II/D. III(A)]

New Delhi, the 8th March, 1977

S.O. 978.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kharkharee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kharkharee, Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th March, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL No. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the
Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 18 of 1976

(Ministry's Order No. L-20012/140/76DIIIA, dt 26-11-1976)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kharkharee
Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited,
Post Office Kharkharee (Dhanbad).

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice K. B. Srivastava (Regd.)—Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri R. K. Yashory, General Manager, Area No. 3.

For the Workmen—Shri S. N. Mishra, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 26th February, 1977

AWARD

The dispute referred is :

(1) Whether the action of the Management of Kharkharee Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited is not regularising Shrimati (i) Tetari Kamin, (ii) Piyari Kamin, (iii) Lalmani Kamin, and (iv) Parmeshwari Kamin as Shale Pickers is justified? If not, to what relief is each of the said workmen entitled and from which date?

(2) Whether the action of the Management of the said Colliery in not regularising as Shale Pickers Shrimati (i) Rambati Kamin, (ii) Girza Kamin and (iii) Kalia Kamin is justified? If not, to what relief is each of the said workmen entitled and from which date?

2. R. K. Yashroy, General Manager, Area No. 3 of Messrs Bharat Coking Coal Ltd. and S. N. Mishra, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, have jointly filed a deed of settlement whereby they have amicably settled the aforesaid two disputes.

3. The award is given in terms of the settlement, which shall form part of the award.

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of Reference No. 18 of 1976

Employers in relation to Kharkharee Colliery.

AND

Their workmen represented by R.C.M.S.

The humble petitioners on behalf of the parties above named, most respectfully beg to submit that instant dispute has been amicably settled between the parties, on the terms stated below :—

Terms of Settlement

(1) It is agreed by the parties that S/Smt. Rambati Kamin and Ram Kalia Kamin shall be put on permanent post with designation of Shale Picker from the date of settlement.

(2) It is agreed that the dispute about the workmen listed in para 1 of the Schedule has already been settled as they have been placed as permanent Shale Picker with effect from 1-10-76.

(3) It is agreed by the Union/Workmen that the claim of the rest of the workmen listed in para 2 of the Schedule is given up by the Union.

(4) It is agreed that the parties shall have no further claim whatsoever against each other on this account and the present dispute stands finally and fully resolved as a result of this settlement.

The humble petitioners pray that Hon'ble Tribunal may be pleased to accept the settlement and pass an award in terms thereof.

S. N. Mishra,
For the workmen.

R. K. Yashory,
For the Employers.

Secretary

R.C.M.S.

General Manager
Area No. 3.

Dated : 26-2-1977.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-20012/140/76/DIIIA]

New Delhi, the 10th March, 1977

S.O. 979.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Dobary Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th March, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 16 of 1976

(Ministry's Order No. L-20012/114/76/DIIIA, dt. 24-11-1976)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Dobary Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Ltd. Post Office Jharia, District Dhanbad.

155 GI/76—13

AND

Their workmen.

Mr. Justice K. B. Srivastava (Retd.)—Presiding Officer.

APPPEARANCES :

For the Employers—Shri S. R. Sinha, Manager, and Shri B. M. Bhardwaj, Personnel Officer, Dobary Colliery.

For the Workmen—Shri Nitya Nand Singh, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, and Shri Budhu Manjhi, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, Dobary Unit.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 28th February, 1977

AWARD

The dispute referred is whether the action of the Management of Dobary Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited in stopping Lusu Manjhi, Miner, from work with effect from 2nd September, 1975, is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

2. S. R. Singh, Manager, Dobary Colliery; B. M. Bhardwaj, Personnel Officer, Dobary Colliery; Nitya Nand Singh, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union and Budhu Manjhi, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, Dobary Unit, have amicably settled the aforesaid dispute.

3. The award is made in terms of that settlement and the settlement shall form part of the award.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In Ref. No. 16 of 1976

Employers in relation to Dobary Colliery.

AND

Their workmen, represented by Bihar Colliery Kamgar Union.

Joint petition of the Compromise settlement

The petition on behalf of the parties above-named most respectfully pray that the parties have arrived at a voluntary settlement of the above dispute on the terms stated below :—

Terms of Settlement

1. The parties agree that Shri Lusu Manjhi, the concerned workman shall be reinstated in his original

post, in Dobary Colliery within 15 days of his reporting for duty to the Manager of the Colliery.

2. The Parties agree that the continuity of service of the workman shall be maintained and the period of his idleness from to the date of his re-instatement shall be deemed to be leave without pay for the purpose of gratuity and retrenchment etc.
3. The parties agree that if the workman fails to report for duty within 30 days from the date of this petition, all his claims for any relief whatsoever, shall stand forfeited.
4. The management agrees to pay the cost of Rs. 100 to the representative of the Union on the date of filing of the petition.

The petitioners pray that the Hon. Tribunal may be pleased to accept the above settlement and pass award in terms thereof.

| | |
|-------------------------------------|-----------------------|
| For the Management : | For Workmen : |
| (S. R. Sinha) | (Nitya Nand Singh) |
| Manager. | Secy. Bihar Colliery, |
| (B. M. Bhardwaj) | Kamgar Union. |
| Personnel Officer, Dobary Colliery. | (Budhu Manjhi) |
| | Secy. Bihar Colliery, |
| | Kamgar Union. |

Dated : 28-2-1977.

[No. L-20012/114/76/DIIIA]

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer.

S.O. 980.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Tisra Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Khas Jeenagora, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th March, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT (NO. 3) AT DHANBAD

Reference No. 31 of 1976

PARTIES :

Employers in relation to the management of South Tisra Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Khas Jeenagora, District Dhanbad.

Versus

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the Employers—Shri P. K. Burman, Junior Law Officer.

On behalf of the Workmen—Shri P. K. Bose, Secretary, R.C.M. Sangh.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 1st March, 1977

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, in which Shri Govinda Bouri, the concern-

ed workman, is involved for the stoppage from work with effect from 3-8-1975 and it has been sent to this Tribunal under Order No. L-20012(27)/76-D-III(A) dated 31st May, 1976, and the adjudication is regarding the justifiability of the stoppage of work with effect from the above date. The schedule of reference runs as follows :—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of South Tisra Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Khas Jeenagora, District Dhanbad in stopping from work Shri Govinda Bouri a workman of their Colliery with effect from 3-8-75 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. In the written statement on behalf of the workmen it has been contended that he was employed in the capacity of Wagon Loader-cum-Soft Coke Stacker in the South Tisra Colliery continuously for over three years and the management stopped him from work with effect from 3-8-75 without assigning any reason. It has been further said that there is a general practice in the coal mining industry that Wagon loaders are also provided with alternative employment on days which there are no railway wagons to load and Govinda Bouri was working as regular Wagon Loader and on days when there was no Wagon he along with other wagon loaders used to stack soft coke at the colliery siding. He was never declared surplus and the stoppage of work amounts to termination of services which is clear indication of the malafide intention of the management and unfair labour practice.

3. On behalf of the management the case is that the concerned workman is a casual worker employed intermittently in casual vacancies in the depot as and when available. In order to have proper control over the deployment of casual labour in the colliery the management decided to record the particulars and photographs of the casual workers in the identity card register. Accordingly, in August and September, 1974 all the casual workers in the colliery were photographed and their bio-data were recorded. But at that time the concerned workman did not present himself and therefore his name was not entered in the approved list of casual workers.

4. It is also contended that from the beginning of August 1975, the daily demand of casual labourers in the colliery decreased and consequently the concerned workman being not an approved casual worker could not be provided with work since that time. It is denied that the management intentionally stopped the concerned workman from work with effect from 3-8-75.

5. It may be mentioned that the Branch Secretary of the Union of the concerned workman raised issue before the management by his letter dated 28-8-75. Thereafter, by the letter dated 23-10-75 the issue was raised before the Assistant Labour Commissioner(C), Dhanbad III who took up the matter in the conciliation proceedings. The management, however, refused to settle the issue and the conciliation proceeding ended in failure. Then the Assistant Labour Commissioner(C) sent failure report to the Government and thereafter reference was made.

6. In support of his case the workman has examined himself as WW-1 and has brought on record certain documents. Ext. W-1 is the attested true copy of the charge-sheet to Bhagwat Singh dated 14-8-75 and its original is Ext. W-4. Ext. W-2 is the attested true copy of the reply by Bhagwat Singh and its office copy is Ext. W-5. Ext. W-3 is the attested true copy of the letter to Bhagwat Singh and the original letter is Ext. W-6. Ext. W-7 is the carbon copy of the letter dated 25th December, 1975 from the Manager, South Tisra Colliery to the Assistant Labour Commissioner(C), Dhanbad, giving details of employment of Shri Govinda Bouri, the concerned workman.

7. The management has examined MW-1 Shri P. S. Chalana, Superintendent, North Tisra Colliery and has produced attested true copy of the approved list of casual workers which is Ext. M-1.

8. Shri Chalana who was Manager of South Tisra Colliery from June, 1973 to April, 1976 has stated that casual workmen used to be employed for loading coal and it was on the availability of wagons. Previously there was no list of casual labours maintained in the colliery but in August, 1974 photographs of all such workers were taken and identity cards were issued. He says that he knows Govinda Bouri and that he was not in the list of casual workmen photographed. There was instruction to all the loading clerks not to engage any man as a casual worker who was not in the list. But on surprise checking Govinda Bouri was found engaged and immediately charge-sheet was issued against the Loading Clerk. He has proved Ext. M-1.

9. In cross-examination he has admitted that there are a few permanent wagon loaders in the colliery but has denied that casual wagon loaders are engaged in other odd jobs when wagon loading is not done. Subsequently, he has said that there was no permanent nucleus of wagon loader during 1973 to 1975. According to him the South Tisra Colliery maintain papers regarding placement of wagons on the siding but he cannot recollect as to what was the placement of wagons on daily average. Speaking about Govinda Bouri he has stated that he was the only man outside the list found working in the surprise checking. He admits that no notice in writing was given before preparing the list of casual workmen. Loading Clerks were asked to inform the casual workers collectively. At the close of his cross-examination he has stated that general practice in coal mining industry is to engage casual labours in coal mining and this continues also at present.

10. From the evidence of the witness it is clear that no notice in writing was given to the concerned workman to get himself photographed and it was left with the loading clerks to do it. If the concerned workman was working as casual wagon loader from 1-10-1971 as it would appear from Ext. W-7 there cannot be any earthly reason for his not being present at the time of photograph in 1974 particularly when he was not required to spend anything over it.

11. From Ext. W-2 and Ext. W-5 which is reply of Bhagwat Singh, Loading Clerk, to the charge-sheet given to him it appears that the name of the concerned workman was put in the list of casuals at the time of finalising categorisation and in that view he had been engaged throughout and the most of the time the loading clerk had submitted his name in

the list of casuals. The Loading Clerk came to know that he was non-casual on 7-8-75 when a letter to that effect was given to him by the Welfare Officer. It means that throughout he was working as a casual and there was also a list in which his name had been included. It seems rather strange that it was on 7-8-75 that the loading clerk was informed that he was non-casual, although without being photographed he was working till that date.

12. This explanation of Bhagwat Singh was accepted as it appears from Ext. W-3 and except a mere warning no action was taken against him. It means that what he had stated in his reply was substantially true and, therefore, he was exonerated by the management. That being so, no reliance can be placed on Ext. M-1 and it may be safely concluded that Govinda Bouri was working as casual all along since his appointment and it was on 7-8-75 that he was declared to be a non-casual. He admits that he was not photographed but even then as Ext. W-2 says he was working as casual and was in the list of casual workmen. In that view of the matter, there could not have any justification for the management to stop the concerned workman from work with effect from 3-8-75. According to Ext. W-2 it was for the first time on 7-8-75 that he was declared a non-casual and Ext. W-7 also shows that he worked till 30-7-75. In that view of the matter also there could have been no justification for stopping him from work from 3-8-75.

13. MW-1 has said that the casual workmen were employed depending on the placement of wagons on the siding. He admits that South Tisra Colliery maintains papers regarding placement of wagons on the siding. Those papers have not been produced. Therefore, it is not possible to accept the contention that because of the decreasing availability of wagon number of casual labour was reduced. Although MW-1 has denied that when wagons were not available casual workmen were engaged in other odd jobs, fact of the matter is and it has been asserted by WW-1 that he has been working continuously and there is nothing on record to show that till 2-8-1975 he was allowed to work only intermittently.

14. On the materials available, I have no doubt in my mind that since his appointment on 1-10-1971 he has been working continuously till 30-7-75 and he had also his provident fund accounts. There is no substance in the contention that because of decrease in the placement of wagons number of casual labour was reduced. In fact so far as the concerned workman's case goes the management does not say that he was stopped from work because of non-availability of wagons, rather, it is said that as he was not in the list of casual labours, he was not allowed to work. I have already examined this aspect of this case and there is no doubt that this part of the management's case cannot be believed.

15. As the position stands, I find that the action of the management of South Tisra Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited in stopping from work Shri Govinda Bouri, a workman of their colliery, with effect from 3-8-75 is not justified and he is entitled to be reinstated and get back wages from 3-8-75 till the date of reinstatement.

This is my award.

S. R. SINHA, Presiding Officer

[No. L-20012/27/76/DIII]

S. H. S. TYFR, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1977

का० आ० 981:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स महालक्ष्मी ट्विस्टिंग वर्क्स, रोड सं० 7 उद्योगनगर, उधना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एम-35019(494)/76-पी०एफ०-2]

New Delhi, the 8th March, 1977

S.O. 981. Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mahalaxami Twisting Works, Road No. 7, Udyog Nagar, Udhna, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtyfirst day of October, 1976.

[No. S. 35019(494)/76-PF.II]

का० आ० 982:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टेक्निकल सेल्स सं० 5 कन्सल्टेंट्स (इंडिया) (प्राइवेट) लिमिटेड सं० 150-बी माउन्ट रोड, मद्रास-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35019(515)/76-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 982.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s Technical Sales and Consultants (India) (Private) Limited, No. 150-B, Mount Road, Madras-600002, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (9 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S-35019(515)/76-PF. II(i)]

का० आ० 983 :—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय से आवश्यक जान करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1976 से मैसर्स टेक्निकल सेल्स एंड कन्सल्टेंट्स (इंडिया) (प्राइवेट) लिमिटेड सं० 150-बी माउन्ट रोड मद्रास-2 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस-35019(515)/76-पी०एफ०-2(2)]

S.O. 983.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1976 the establishment known as Messrs Technical Sales and Consultants (India) (Private) Limited, No. 150-B, Mount Road, Madras-2, for the purpose of the said proviso.

[No. S. 35019(515)/76-PF(ii)]

का० आ० 984 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रीथ इस्टेट, पोलिबेट्टा, दक्षिण कोर्ग, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एम-35019(522)/76-पी०एफ०-2)]

S.O. 984.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Preeth Estate Polibetta, South Coorg, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1976.

[No. S. 35019/522/76-PF.II]

का० आ० 985:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शैलेश टेक्नोलॉजी, बी-1, उद्योगनगर, नवसरी, मृजला भुवनगर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35019(524)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 985.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shailesh Textile, B-I, Udyognagar, Navsari, District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/524/76-PF.II]

का० आ० 986.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जाग्रुति टेक्स्टाइल्स, माली फलिया, रुद्रपुर, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 अक्तूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एम-35019(526)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 986.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jagruti Textiles, Falia, Ruderpara, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtyfirst day of October, 1976.

[No. S. 35019/526/76-PF.II]

का० आ० 987.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राजेश रेयन, रुद्रपुर, माली फलिया, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 अक्तूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एम-35019(527)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 987.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rajesh Rayon, Ruderpara, Mali Falia, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtyfirst day of October, 1976.

[No. S. 35019/527/76-PF.II]

का० आ० 988.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विलीप वीविंग वर्क्स, रुद्रपुर, माली फलिया, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 अक्तूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एम-35019(528)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 988.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s Dilip Weaving Works, Ruderpara, Mali Falia, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtyfirst day of October, 1976.

[No. S-35019(528)/76-PF.II]

का० आ० 989.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रवी टेक्स्टाइल्स, बी-1, उद्योगनगर, नवगरी, जिला बखर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 नवंबर, 1976 को प्रवृत्त समझी जाएगी ।

[सं० एम-35019(532)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 989.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rani Textiles, B-I, Udyognagar, Navsari Distt. Bulsar have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S-35019(532)/76-PF.II]

कांआ० 990.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रुशी रेयन, रुद्रपुरा, माली फूलिया, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 अक्तूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-30019(534)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 990. Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rushi Rayon, Ruderpura, Mali Falia, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1976.

[No. S. 35019(534)/76-PF.II]

कांआ० 991.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पारुल रेयन, रुद्रपुरा, माली फूलिया, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 अक्तूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35019(535)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 991.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Parul Rayon, Ruderpura, Mali Falia, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1976.

[No. S. 35019(535)/76-PF.II]

कांआ० 992.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सजय टेक्स्टाइल्, अशियानी दरवाजा के बाहर, फटकाडावाडी, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35019(541)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 992.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. Sanjay Traders, outside Variyani Darwaja, Fatakadawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S-35019(541)/76-PF.II]

कांआ० 993.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गुजरात मित्रा एड्स, गुजरात मित्रा भवन, पुराना सिविल अस्पताल के पास, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35019(543)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 993.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gujarat Mitra Ads. Gujarat Mitra Bhavan, Near old Civil Hospital, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1976.

[No. S-35019(543)/76-PF.II]

कांआ० 994.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आशिष टेक्स्टाइल्स नानी बेगमवाडी, सलाबतपुरा, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35019(544)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 994.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ashish Textile, Nani Begamwadi, Salabatpura, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1976.

[No. S. 35019(544)/76-PF.II]

का० आ० 995.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भारत ओवरसीज स्किन कम्पनी, 24/बी० सैयद अमीर अली एवेन्यू, कलकत्ता-17, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मिनम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35017(1)/77-पी० एफ०-2]

S.O. 995.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bharat Overseas Skin Company, 24/B, Sayed Amir Ali Avenue, Calcutta-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1975.

[No. S. 35017/1/77-PF II]

का० आ० 996.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डी० एम० पी० एम्प्लोईज कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड बेनाचिटी हाउस, कमरा सं० 3 से 8, दुर्गापुर-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35017(3)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 996.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs D. S. P. Employees Cooperative Credit Society Limited, Benachity House, Rooms No. 3 to 8, Durgapur-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35017(3)/77-PF.II]

का० आ० 997.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स साधना सर्विसेज (प्राइवेट) लिमिटेड, 14 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35017(34)/76-पी० एफ०-2(1)]

S.O. 997.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sadhna Services (Private) Limited, 14, Netaji Subhas Road, Calcutta-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1976.

[No. S. 35017(34)/76-PF.II]

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1977

का० आ० 998.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2058, तारीख 31 मई, 1976 के अनुक्रम में बामोदर घाटी निगम उपस्थान हावड़ा को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, 1 अप्रैल, 1977 से 31 मार्च, 1978 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2 पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था जिसे इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है, ऐसी विवरणियों, ऐसे प्रत्यक्ष में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणों की विशिष्टियों को मत्पादन करने के प्रयोजनार्थ या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिकलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या व्यवहृत नियोजक ने अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अध्यक्षित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के सन्दाय से सम्बन्धित ऐसे लेखा, बहियों और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक को, उसके अधिकर्ता या सेवक को, या ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदाधिकारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

[सं० एम०-38014/2/77-एच० आई०]

New Delhi, the 9th March, 1977

S.O. 998.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 2058, dated the 31st May, 1976, the Central Government hereby exempts the Damodar Valley Corporation Sub-Station, Howrah, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st April, 1977 upto and inclusive of the 31st March, 1978.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

- verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
- ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

- require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/2/77-HI]

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1977

का०आ० 999.—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 55(ई) तारीख 31-1-1977 के अनुक्रम में केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) या खण्ड (ख) के अधीन छूट प्राप्त स्थापन के संबंध में या कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के यथास्थिति, पैरा 27 या पैरा 27 के अधीन छूट प्राप्त किसी कर्मचारी या कर्मचारियों के वर्ग से सम्बन्धित प्रत्येक नियोजक उस स्थापन या, जैसी भी स्थिति हो कर्मचारी या कर्मचारियों के वर्ग के संबंध में, प्रत्येक नियोजक भविष्य निधि के मासिक अभिदाय उस स्थापन की बाबत सम्यक रूप से गठित न्यासी बोर्ड को मासान्त के पन्द्रह दिन के भीतर अन्तरित कर देना और उक्त न्यासी बोर्ड, यथास्थिति, उस स्थापन या कर्मचारी या कर्मचारियों के वर्ग के संबंध में भविष्य निधि संवयनों को, अर्थात् अभिदायों, ब्याज और अन्य प्राप्ति को, बाध्यकर निर्गमों को कम करके, निम्नलिखित रीति के अनुसार, हर मास नियोजकों से उक्त रकमों की प्राप्ति की तारीख से दो सप्ताह की अवधि के भीतर, विनिहित करेगा, अर्थात् :—

(i) केन्द्रीय सरकार द्वारा सृष्ट तथा निर्गमित, लोक } 25 प्र० से
ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) धारा 2 के खण्ड (2) में यथा परिभाषित, सरकारी }
प्रतिभूतियां।

(ii) किसी भी राज्य सरकार द्वारा सृष्ट तथा निर्गमित } 25 प्र० से
लोक ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) धारा 2 के खण्ड (2) में यथा परिभाषित।
सरकारी प्रतिभूतियां।

(iii) कोई अन्य परिकल्प्य प्रतिभूतियां या बांड, जिनका } 25 प्र० से
मूलधन तथा जिन पर ब्याज केन्द्रीय सरकार } अग्र्यून
या किसी राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः तथा बिना }
शर्त गारण्टी की गई हो।

(iv) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र (दूसरा और } 30 प्र० से
तीसरा निर्गम) या डाकघर सावधि निक्षेप। } अनधिक

(v) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य } 20 प्र० से
विभाग) की अधिसूचना संख्या सफ-16(1) पी डी/ } अनधिक
75, तारीख 30-6-1975 द्वारा आरंभ की गई }
विशेष निक्षेप योजना।

2. विनिधान की उपर्युक्त रीति पहली अप्रैल, 1977 से 30 जून, 1977 तक प्रवृत्त रहेगी। इस अवधि के दौरान परिपक्व हो जाने वाले

डाकघर सावधि निक्षेप के पुनर्निविधान का 50 प्रतिशत डाकघर सावधि निक्षेप में और 50 प्र० विशेष निक्षेप योजना में किया जाएगा। उपर्युक्त के अधीन रहते हुए, भविष्य निधि संकयनों की अन्य सभी परिपक्व राशियों का पुनर्निविधान ऊपर पैरा 1 में उल्लिखित रीति के अनुसार किया जाना जारी रहेगा।

3. न्यायी बोर्ड संकयनों के पूर्वोक्त निर्देशों के अनुसार तत्काल विनिधान या पुनर्विनिधान के लिए उचित प्रक्रिया बनाएगा।

[सं० जी० 27035(5)/76पी० एफ० I(i)]

New Delhi, the 15th March 1977

S. O. 999.—In exercise of the powers conferred by Clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), and in continuation of the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour No. S.O. 55(E) dated 31st January, 1977 the Central Government hereby directs that every employer in relation to an establishment exempted under clause (a) or clause (b) of sub-section (1) of section 17 of the said Act or in relation to any employee or class of employees exempted under paragraph 27, or as the case may be, paragraph 27A of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, shall transfer the monthly provident fund contributions, in respect of the establishment or, as the case may be, or the employee or class of employees within fifteen days of the close of the month to the Board of Trustees, duly constituted in respect of that establishment, and that the said Board of Trustees shall invest every month within a period of two weeks from the date of receipt of the said contributions from the employer, the Provident Fund accumulations in respect of the establishment or as the case may be, of the employee, or class of employees that is to say, the contributions, interest and other receipts as reduced by any obligatory outgoings, in accordance with the following pattern, namely :—

(i) Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by the Central Government Not less than 25%

(ii) Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by any State Government. }
(iii) Any other negotiable securities or bonds, the principal whereof and interest whereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government or any State Government. } Not less than 25%

(iv) 7-Year National Savings Certificates (Second Issue and Third Issue) or Post Office Time Deposits. Not exceeding 30%

(v) Special Deposit Scheme introduced by the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. F.16 (1)—PD/75 dated 30th June, 1975. Not exceeding 20%.

155 GI/76—14

2. The above pattern will be in force from the 1st April, 1977 to 30th June, 1977. Re-investment of Post Office Time Deposits maturing during this period shall be made 50% in Post Office Time Deposits and 50% in Special Deposits. Subject to this, re-investment of all other maturities of Provident Fund accumulations shall continue to be made in accordance with the pattern mentioned in paragraph 1 above.

3. The Board of Trustees shall formulate proper procedure for prompt investment or re-investment of accumulations in accordance with the aforesaid directions.

[No. G. 27035(5)/76-PFI(i)]

का०धा० 1000.—कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 52 के उप पैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०धा० 56(ई) तारीख 31 जनवरी, 1977 के अनुक्रम में, केन्द्रीय सरकार निवेश देती है कि निधि की सारी राशियों को निम्नलिखित रीति के अनुसार विनिधित किया जाएगा :—

- (i) केन्द्रीय सरकार द्वारा सृष्ट तथा निर्गमित लोक 25 प्र० से ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की अनुयुत धारा 2 के खण्ड (2) में यथा परिभाषित सरकारी प्रतिभूतियां।
- (ii) किसी भी राज्य सरकार द्वारा सृष्ट तथा निर्गमित लोक 25 प्र० से ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की धारा 2 के खण्ड (2) में यथा परिभाषित सरकारी प्रतिभूतियां।
- (iii) कोई अन्य परिक्राम्य प्रतिभूतियां या बाण्ड, जिनका मूलधन तथा जिन पर ब्याज केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः तथा बिना शर्त गारण्टी की गई हों।
- (iv) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (दूसरा और 30 प्र० से तीसरा निर्गम) या डाकघर सावधि निक्षेप। अनधिक
- (v) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य 20 प्र० से विभाग) की अधिसूचना संख्या एफ० 16(1)/ अनधिक पी डी/75, तारीख 30-6-1975 द्वारा आरंभ की गई विशेष निक्षेप योजना।

2. विनिधान की उपर्युक्त रीति पहली अप्रैल, 1977 से 30 जून, 1977 तक प्रवृत्त रहेगी। इस अधि के दौरान परिपक्व हो जाने वाले डाकघर सावधि निक्षेप के पुनर्विनिधान का 50 प्र० डाकघर सावधि निक्षेप में और 50 प्र० विशेष निक्षेप योजना में किया जाएगा। उपर्युक्त के अधीन रहते हुए, भविष्य निधि संकयनों की अन्य सभी परिपक्व राशियों का पुनर्विनिधान ऊपर पैरा-1 में उल्लिखित रीति के अनुसार किया जाना जारी रहेगा।

[सं० जी० 27035(5)/76-पी० एफ० I (ii)]

S.O. 1000.—In exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of Paragraph 52 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 56(E) dated 31st January, 1977 the Central Government hereby directs that all monies belonging to the Fund shall be invested in accordance with the following pattern, namely :—

- (i) Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by the Central Government. Not less than 25%

- (ii) Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by any State Government. } Not less than 25%
- (iii) Any other negotiable securities or bonds, the principal whereof and interest whereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government or any State Government. }
- (iv) 7-Year National Savings Certificates (Second Issue and Third Issue) or Post Office Time Deposits Not exceeding 30%
- (v) Special Deposit Scheme introduced by the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. F.16(1)-PD/75 dated the 30th June, 1975. Not exceeding 20%

2. The above pattern will be in force from the 1st April, 1977 to 30th June, 1977. Reinvestment of Post Office Time Deposits maturing during this period shall be made 50% in Post Office Time Deposits and 50% in Special Deposits. Subject to this, reinvestment of all other maturities of Provident Fund accumulations shall continue to be made in accordance with the pattern mentioned in paragraph 1 above.

[No. G. 27035(51)/76-PFI(ii)]

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1977

क्र०आ० 1001.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार 27 मार्च, 1977 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) और अध्याय 5 और 6 [धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं] के उपबन्ध आन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

गण्डूर तालुक, गण्डूर जिला आन्ध्र प्रदेश के कोरिटेपाडु, गोरन्तला, लाम, नालापडु, अकिरेड्डिपालम, पेराचरला, पोथूर, चौडावरम, रामचन्द्रपुरै-अग्राहम, इट्टूर और कोरिटेपाडु के गांव में आने वाले क्षेत्र।

[सं० 38013 (26)/74-एच० आई०]

New Delhi, the 17th March, 1977

S.O. 1001.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 27th March, 1977, as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh, namely:—

The areas comprising the villages of Koritepadu, Gorantla, Lam, Nallapadu, Ankireddipalam, Peracherla, Pothur, Chowdavaram, Ramchandrapura-agraharam, Etukur and Kornepadu in Guntur Taluk, Guntur District, Andhra Pradesh.

[No. S-38013/26/74-HI]

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1977

क्र० आ० 1002.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 27 मार्च, 1977 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) और अध्याय 5 और 6 [धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं] के उपबन्ध कर्नाटक राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

| ग्राम | होबली | तालुक | जिला |
|------------------------|---------------|-------------|--------|
| 1. कादुगोदी प्लान-टेशन | बिदाराहल्ली | होस्कोट | बंगलोर |
| 2. बोम्मेनाहल्ली | बिदाराहल्ली | होस्कोट | बंगलोर |
| 3. पट्टन्दुर अग्राहारा | कृष्णाराजपुरम | बंगलोर साउथ | बंगलोर |
| 4. हुडी | कृष्णाराजपुरम | बंगलोर साउथ | बंगलोर |
| 5. कादिरनाहल्ली | उथाराहल्ली | बंगलोर साउथ | बंगलोर |

[सं० एम०-38013/30/76-एच० आई०]

एम० एस० सहस्रानामन, उप-सचिव

New Delhi, the 18th March, 1977

S.O. 1002.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 27th March, 1977 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Karnataka, namely:—

| Village | Hobli | Taluk | District |
|------------------------|------------------|-----------------|-----------|
| 1. Kadugodi Plantation | Bidarahalli | Hoskote | Bangalore |
| 2. Bommenahalli | Bidarahalli | Hoskote | Bangalore |
| 3. Pattandur-Agrahara | Krishnarajapuram | Bangalore South | Bangalore |
| 4. Hoodi | Krishnarajapuram | Bangalore South | Bangalore |
| 5. Kadirenahalli | Utharahalli | Bangalore South | Bangalore |

[No. S-38013/30/76-HI]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

New Delhi, the 10th March, 1977

S.O. 1003.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relations to the management of Satalkhedi Lime Stone Quarry of M/s. Raj Flooring Stone Company, Ramgunjmandi and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th March, 1977.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGI/TLC(R) (13)/76

PARTIES :

Management of Satalkhedi Lime Stone Quarry of M/s. Raj Flooring Stone Company, Ramgunjmandi and their workmen represented through the Pathar Khan Mazdoor Sangh, Kota (Rajasthan).

APPEARANCES :

For Workman—Shri M. P. Sharma, President of the Union.

For Management—Shri Sakhi Ahmad Qureshi.

INDUSTRY : Stone mine DISTRICT : Kota (Rajasthan)

New Delhi, the 24th February, 1977

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L 29012(10)/72-LR-IV dated 24th June, 1972 for the adjudication of the following industrial dispute:—

"Whether the management of Messrs Raj Flooring Stone Company, Ramgunjmandi (District Kota) was justified in terminating the lien of Shrimati Bhuri Sewaram, Female Mazdoor, employed in their Satalkhedi Lime Stone Quarry, with effect from 4th January, 1971 and subsequently not retaining her name on the badli list of the Quarry? If not, to what relief is she entitled?"

2. Parties entered into a settlement and pressed for a no claim award. According to the settlement the workman, Shrimati Bhuri Bai has received Rs. 800/- from the employer in lieu of her claim for back wages, bonus etc. She does not want to serve with the said employer and is not keen to press the reference. The terms of the settlement are verified. Accordingly a no dispute award is given in terms of the settlement which shall form part of the award.

न्यायालय माननीय मेन्ट्रस गवर्नमेंट इण्डस्ट्रियल ट्रिब्यूनल-कम-
लेबर कोर्ट, जबलपुर

केस सं० सी० जी० आई० टी०/एल सी (आर) (13)/76

पथरखान मजदूर संघ कोटा.....(प्रार्थी) :—

विरुद्ध

मे० राज फ्लोरिंग स्टोन कम्पनी..... प्रतिप्रार्थी)

माननीय महोदय,

उपरोक्त प्रकरण में बाह्य पक्षकारान निम्नलिखित समझौता हो गया है :—

(1) यह कि श्रमिक भूरीबाई अब प्रतिप्रार्थी के यहां नौकरी करना नहीं चाहती है। श्रमिक भूरीबाई के जो भी बैंक चेज, बोनस, लीव बिथ चेज, ग्रेजुटी, पगार आदि से सम्बन्धित जो भी क्लेम थे उनकी एवज में श्रमिक भूरीबाई ने रुपा 800 प्रतिप्रार्थी से प्राप्त कर लिए हैं। इस रकम के प्राप्त कर लेने के बाद श्रमिक भूरीबाई के किसी भी प्रकार के कोई क्लेम प्रतिप्रार्थी की ओर बाकी नहीं रहे।

(2) यह कि उभयपक्ष इस प्रार्थना-पत्र का व्यव अपना-अपना भुगतेंगे।

(3) यह कि श्रमिक भूरीबाई चूंकि अब प्रतिप्रार्थी के यहां नौकरी करना नहीं चाहती है तथा उसने अपने तमाम क्लेम की एवज में कालम नम्बर 1 में वर्णित रकम रुपा 800 प्राप्त कर लिए हैं। इस कारण

प्रार्थी अब यह प्रार्थना-पत्र चलाना नहीं चाहती है। इसलिए प्रार्थना है कि प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र उपरोक्त समझौते के अनुसार निरस्त करने की कृपा की जावे।

दिनांक : 9-1-1977

प्रार्थी :

महावीर प्रसाद शर्मा अध्यक्ष,

पथर खान मजदूर संघ, कोटा
मे० राज फ्लोरिंग स्टोन क०, रामगंजमंडी,
जिला कोटा—प्रतिप्रार्थी
सखी अहमद कुरेशी भारीदार।

S. N. JOHRI, Presiding Officer
[No. L-29012/10/72-LR-IV]
V. VELAYUDHAN, Under Secy.

New Delhi, the 18th March, 1977

S.O. 1004.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Algemene Bank Nederland N. V. and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-3-77.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA

Reference No. 26 of 1976

PARTIES :

Employers in relation to the management of Algemene Bank Nederland N.V.

AND

Their Workmen

PRESENT :

On behalf of Employers—Mr S. R. Das, an officer of the Bank.

On behalf of the Workmen—Sri S. C. Sarkar, Vice-President of the Union.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Coal Mine

AWARD

By Order No. L. 12011/29/76-D. IIA, dated 2nd September, 1976, the Government of India, Ministry of Labour, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Algemene Bank Nederland N.V. and their workmen to this Tribunal for adjudication. The reference reads :

Whether the management of Algemene Bank Nederland, N.V. are justified in making transfer of general clerks to cash counter to work as cashier/clerk in Cash Deptt./Cash clerk and if not, to what service conditions and benefits the persons so transferred will be entitled?

2. Both sides filed written statement raising rival contentions, but when the reference came up for hearing to-day settlement of the question involved in the reference between the parties was reported. A joint statement was accordingly filed by the employer and the Union of the workmen reporting settlement out of court.

3. In the result, a "no dispute" award is passed in the reference.

E. K. MOIDU, Presiding Officer
Dated, Calcutta, the 4th March, 1977.

[F. No. L-12011/29/76-D. II, A]

S.O. 1005.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the State Bank of Bikaner & Jaipur their workmen, which was received by the Central Government on the 2-3-77.

CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN,
JAIPUR

Case No. CIT 6 of 1973

REFERENCE :

Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation, Deptt. of Labour & Employment, New Delhi, Notification No. L. 12012/3/73-LR.III dated the 12th September, 1973.

In the matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

Shri Bal Singh. Peon.

AND

The State Bank of Bikaner and Jaipur, Jaipur.

APPEARANCES :

For the workman—Shri Mahesh Mishra.

For the Bank—Shri S. B. L. Agarwal.

AWARD

By its Notification quoted above, the Central Government has referred the following dispute between the State Bank of Bikaner and Jaipur and their workman Shri Bal Singh, to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the State Bank of Bikaner and Jaipur in terminating the services of Shri Bal Singh, Peon with effect from the 4th August, 1972 is justified? If not to what relief is the concerned workman entitled?"

The parties submitted their respective statement of claims. They also led evidence. When the case was ripe for final arguments, the parties submitted a settlement in writing and prayed for award in terms thereof. The deed of settlement was duly attested. The settlement arrived at between the parties appears to be just and proper. In view of the mutual settlement of the dispute between the parties, I pass the award in the following terms :

- (1) The workman Shri Bal Singh will be taken in employment by the State Bank of Bikaner and Jaipur initially on probation for a period of six months and he will be confirmed in service thereafter, subject to satisfactory service during the probationary period ; and
- (2) The workman Shri Bal Singh will not be entitled to back wages or retrenchment compensation or compensation of any other sort for any period as he has relinquished all his claims pertaining to them.

Parties shall bear their own costs of this Tribunal. The award is submitted to the Central Government for publication as required in law.

Dated the 22nd February, 1977.

S. S. BYAS, Presiding Officer

[F. No. L-12012/3/73-LR.III/D.IIA]

R. P. NARULA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

पूँजी निगम नियंत्रक का कार्यालय

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1977

क्रा० आ० 1006—भारत सरकार वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के दिनांक पहली फरवरी, 1969 की अधिसूचना संख्या एम०प्रो० 558 के साथ प्रकाशित पूँजी निगम (कूट) आदेश, 1969 के पैराग्राफ 5 के परन्तुओं की धारा (ix) के अनुसरण में उक्त पैराग्राफ के प्रयोजन

के लिए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निर्देश देती है कि 1977 के कैलेंडर वर्ष के दौरान प्रस्ताव के समय-निर्धारण के सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार की पूर्ण मंजूरी के बिना 16 अगस्त से 31 अगस्त, 1977 (इसमें दोनों दिन शामिल हैं) तक की अवधि के दौरान पब्लिक लिमिटेड कंपनी द्वारा 249 लाख रुपये (सार्वजनिक मूल्य) (सरकार और गैर-निवासियों द्वारा लगाई गई रकम शामिल नहीं है) से अधिक की प्रतिभूतियों के लिए कोई प्रस्ताव नहीं किया जाएगा अथवा खुला नहीं रखा जाएगा।

[सं० एक० 2(2)-सी०सी०आई०/77]

जे० पी० मुखर्जी, निदेशक (मिशन)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Office of the Controller of Capital Issues)

New Delhi, the 17th March, 1977

S.O. 1006.—In pursuance of Clause (ix) of the proviso to paragraph 5 of the Capital Issues (Exemption) Order, 1969, published with the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 558, dated the 1-2-1969, the Central Government hereby directs for the purpose of the said paragraph, that during the Calendar year 1977 no offer of securities in excess of Rs. 249 lakhs (nominal value) (exclusive of the amount to be subscribed by the Government and non-residents) by a public limited company shall be made or kept open during the period from the 16th August to 31st August, 1977 (both days inclusive) without obtaining the prior permission of the Central Government as to the timing of the offer.

[No. F. 2(2)-CCI/77]

J. P. MUKHERJEE, Director (Instruments)

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1977

क्रा० आ० 1007.—जयपुर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बढती किए जाने की बाबत जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की संभावना है एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावली, 1951 के नियम 434(iii) (बी-बी) में अपेक्षित है जयपुर में चालू समाचार पत्रों में निकाला गया था और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर भेजने का कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए 2 व 5 दिसम्बर, 1976 के "राजस्थान पत्रिका" "राष्ट्रदूत" और "नवज्योति" समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जनसाधारण से कोई आपत्तियां और सुझाव प्राप्त नहीं हुए।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434(iii) (बी-बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, डाक तार ने घोषित किया है, कि तारीख 1-4-1977 से जयपुर का स्थानीय संशोधित क्षेत्र इस प्रकार होगा :-

जयपुर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था :

जयपुर का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो जयपुर नगरपालिका के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आता है।

किन्तु ऐसे टेलीफोन उपभोक्ता, जो कि जयपुर नगरपालिका सीमा के बाहर स्थित हैं लेकिन जिन्हें जयपुर टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली से सेवा प्रदान होती है, जब तक स्थानीय शुल्क अदा करते रहेंगे, जब तक वे इस प्रणाली के किसी भी एक्सचेंज से 5 किलोमीटर के भीतर हों और उसमें जुड़े रहते हैं।

[सं० 3-25/74-पी एच बी]
प्रा० ना० कौल, निदेशक फोन (ई)

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 7th March, 1977

S.O. 1007.—Whereas a public notice for revising the local area of Jaipur Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Jaipur, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 2nd and 5th December, 1976 in daily Newspapers 'Rajasthan Patrika', 'Rashtra Dhoot' and 'Nav Jyoti'.

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said notice;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 1-4-1977 the revised local area of Jaipur shall be as under;

Jaipur Telephone Exchange System :

The local area of Jaipur shall cover an area falling under the jurisdiction of Jaipur Municipality;

Provided that the telephone subscribers located outside Jaipur Municipal limit but who are served from Jaipur Telephone Exchange System shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 Kms of any exchange of this system and remain connected to it.

[No. 3-25/74-PHB]

P. N. KAUL, Director of Telephones (E)

नई दिल्ली 17 मार्च, 1977

क्र० आ० 1008—अस्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने जयपुर (कोरापुट) टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-4-77 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निर्णय किया है।

[संख्या 5-7/77-पी एच बी]

पी० सी० गुप्ता, सहायक महानिदेशक,

New Delhi, the 17th March, 1977

S.O. 1108. In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-4-1977 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Jeypore (Koraput) Telephone Exchange, Orissa Circle.

[No. 5-7/77-PHB]

P. C. GUPTA, Asstt. Director General (PHB)



